


भारत का राजपत्र
The Gazette of India
 प्राधिकार से प्रकाशित
 PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 3] नई दिल्ली, शनिवार, जनवरी 17, 1976 (पौष 27, 1897)
 No. 3] NEW DELHI, SATURDAY, JANUARY 17, 1976 (PAUSA 27, 1897)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

(Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 1 दिसम्बर 1975

सं० ए० 12019/5/74-प्रशमन II—सचिव, संघ लोक सेवा आयोग एतद्वारा संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा सवर्ग के अनुभाग अधिकारी ग्रेड के स्थायी अधिकारी श्री एन० एस० छाबड़ा को 1-12-1975 से 28-2-1976 तक की अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, आयोग के कार्यालय में कनिष्ठ विश्लेषक के पद पर तदर्थ रूप से स्थानापन्न आधार पर कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।

2 श्री छाबड़ा कनिष्ठ विश्लेषक के सवर्ग बाह्य पद पर प्रतिनियुक्ति पर रहेंगे तथा उनका वेतन समय समय पर यथा सशोधित वित्त मंत्रालय के का० शा० सं० एफ० (24) ई० III/60, दिनांक 4 मई, 1961 में निबद्ध उपबन्धों के अनुसार विनियमित किया जाएगा।

आर० एस० ग्रहलुवालिया,
 अवर सचिव,
 कृते सचिव

416 GI/75

नई दिल्ली-110011, दिनांक 16 दिसम्बर 1975

सं० ए० 32014/1/75-प्रशा०-I—संघ लोक सेवा आयोग में स्थायी वैयक्तिक सहायक (के० सं० स्टे० से० का ग्रेड II श्री एम० पी० मेहरा को राष्ट्रपति द्वारा 1-12-1975 से 15-1-1976 तक 46 दिन की अवधि के लिए उसी सवर्ग में पूर्णतः अस्थायी और तदर्थ आधार पर वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (के० सं० स्टे० से० का ग्रेड I) के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया है।

2. श्री एम० पी० मेहरा यह अवगत कर ले कि वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (के० सं० स्टे० से० का ग्रेड I) के पद पर उनकी नियुक्ति पूर्णतः अस्थायी और तदर्थ आधार पर है और के० सं० स्टे० से० का ग्रेड I में विलयन और उक्त ग्रेड में वरिष्ठता का उनका कोई हक नहीं होगा।

सं० ए० 32014/1/75-प्रशा० III (9)—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा सवर्ग के स्थायी सहायक श्री एम० पी० माथुर को, राष्ट्रपति द्वारा 13-11-75 से 29-12-75 तक 47 दिन की अवधि के लिए अथवा आगामी आदेश तक, जो

(461)

भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

पी० एन० मुखर्जी,
अवर सचिव
(प्रशासन प्रभारी)

मंत्रिमंडल सचिवालय
(कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग)
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली-1, दिनांक 19 दिसम्बर 1975

सं० ए०-22013/1/75-प्रशा०-5—इस कार्यालय की राज-पत्रित अधिमूचना सं० पी० एफ०/एस०-68/65-प्रशा०-5 दिनांक 3-10-75 के अधिक्रमण में, निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद्वारा, मध्य-प्रदेश राज्य से केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में प्रतिनियुक्त श्री एस० एस० दरवारी लोक अभियोजक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो को दिनांक 25 सितम्बर, 1975 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में अस्थायी रूप से प्रतिनियुक्त पर वरिष्ठ लोक अभियोजक नियुक्त करते हैं।

गुलजारी लाल अग्रवाल,
प्रशासन अधिकारी (स्थापना)
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

गृह मन्त्रालय
केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल महानिदेशालय

नई दिल्ली-1, दिनांक 15 दिसम्बर 1975

सं० एफ० 2/33/75-ईस्ट० (सी० आर० पी० एफ०)—राष्ट्र-पति श्री एस० पी० सिंह सहायक कमान्डेंट को उनकी तदर्थ पदोन्नति के फलस्वरूप आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में कमान्डेंट के पद पर 16 जून, 1975 के अपराह्न से नियुक्त करते हैं।

दिनांक 19 दिसम्बर 1975

सं० ओ० II-1037/75-स्थापना—राष्ट्रपति, भूतपूर्व डाक्टर सी० एम० भान जो कि स्वास्थ्य और परिवार नियोजन मंत्रालय (स्वास्थ्य विभाग) नई दिल्ली के एक अधिकारी हैं, को केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में प्रतिनियुक्त पर अस्थायी रूप से सपेथयलिस्ट के पद पर नियुक्त करते हैं।

2. उन्होंने सपेथयलिस्ट के पद का कार्यभार बैस हास्पिटल केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल, नई दिल्ली में 4-11-75 पूर्वाह्न से सम्भाला।

दिनांक दिसम्बर 1975

सं० अ० VI-3/75-स्थापना—राष्ट्रपति श्री विजय कुमार को उप पुलिस अधिक्षक (कम्पनी कमान्डर/क्वार्टर मास्टर) के पद पर केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में अस्थायी रूप से अगले आदेश जारी होने तक नियुक्त करते हैं।

2. उनको 34वीं बटालियन केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में तैनात किया गया है और उन्होंने अपने पद का कार्यभार 17-10-75 के अपराह्न सम्भाल लिया।

ए० के० बन्दोपाध्याय,
सहायक निदेशक (प्रशासन)

महानिरीक्षक का कार्यालय
केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110003, दिनांक 15 दिसम्बर 1975

सं० ई०-29020/12/74-प्रशासन-I—राष्ट्रपति, सर्वश्री एम० ए० सुन्दरराज तथा आर० बालासुब्रामनियम, को दिनांक 17 नवम्बर 1974 से केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल में कमान्डेंट के रूप में स्थायी तौर पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक दिसम्बर 1975

सं० ई०-16013(1)/1/75-प्रशा०-I—राष्ट्रपति, प्रतिनियुक्त पर श्री के० दादाभाई आई० पी० एस० (गुजरात-1957) को, श्री जी० सी० सेनापति, आई० पी० एस०, के स्थान पर, दिनांक 26 नवम्बर 1975 के पूर्वाह्न से केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल यूनिट, राउरकेला इस्पात संयंत्र के उप-महानिरीक्षक पद पर नियुक्त करते हैं। उनका मुख्यालय राउरकेला में होगा।

श्री जी० सी० सेनापति, आई० पी० एस०, ने अपने मूल काडर पर प्रत्यावर्तित होने पर उसी दिनांक अर्थात् 26 नवम्बर 75 के पूर्वाह्न से उपरोक्त पद का कार्यभार छोड़ दिया।

दिनांक 19 दिसम्बर 1975

सं० ई०-38013(3)/6/75-प्रशा०-I—राउरकेला से स्थानान्तरित होने पर, श्री टी० के० बनर्जी ने श्री आर० एम० दाश के स्थान पर दिनांक 1 दिसम्बर 75 के पूर्वाह्न से केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल यूनिट, भारत उर्वरक निगम, तलचर, के सहायक कमान्डेंट पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

सं० ई०-38013(3)/23/75-प्रशा०-I—हरिद्वार को स्थानान्तरित होने पर, श्री जी० एस० सन्धु ने दिनांक 3 दिसम्बर 75 के अपराह्न से केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल यूनिट, भारत भारी विद्युत लिमिटेड (एच० ई० ई० पी०), नई दिल्ली, के सहायक कमान्डेंट पद का कार्यभार छोड़ दिया।

दिनांक 20 दिसम्बर 1975

सं० ई०-38013(3)/8/75-प्रशा०-I—बोकारो स्टील सिटी से स्थानान्तरित होने पर, श्री बी० डी० बहुखण्डी ने दिनांक 11-9-75 के पूर्वाह्न से केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल यूनिट, हिन्दुस्तान कापर प्रोजेक्ट, खेतरी, के सहायक कमान्डेंट पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

एल० एस० बिष्ट,
महानिरीक्षक

भारत के महापञ्जीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 15 दिसम्बर 1975

सं० 25/15/73 आर० जी० (एडी)—निवर्तन के फलस्वरूप श्री टी० आर० राजगोपालन ने जनगणना कार्य उप-निदेशक तमिलनाडु के पद का कार्य-भार दिनांक 30 नवम्बर, 1975 (अपराह्न) को सौंप दिया।

राष्ट्रपति, श्री टी० आर० राजगोपालन को जनगणना कार्य उप-निदेशक तमिलनाडु के पद पर दिनांक 1 दिसम्बर 1975 से छ माह की अवधि के लिए सहर्ष पुन नियुक्त करते हैं।

श्री टी० आर० राजगोपालन का मुख्य कार्यालय मद्रास में होगा।

बद्री नाथ,
उप-महापञ्जीकार एवं
पदेन उप-सचिव

नई दिल्ली-110011, दिनांक 20 दिसम्बर 1975

सं० 10/19/75-ए० डी० I—राष्ट्रपति, श्री आर० के० भाटिया को, जो भारत के महापञ्जीकार के कार्यालय में अन्वेषक हैं, उसी कार्यालय में दिनांक 20 दिसम्बर, 1975 के पूर्वाह्न से छ महीने की अवधि के लिए या नियमित अधिकारी के उपलब्ध होने तक, जो भी पहले हो अनुसंधान अधिकारी के पद पर बिल्कुल अस्थाई एवं तदर्थ रूप से सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री आर० के० भाटिया का मुख्य कार्यालय नई दिल्ली में होगा।

रा० भ० चारी,
महापञ्जीकार एवं पदेन
संयुक्त सचिव

वित्त मन्त्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

बैंक नोट मुद्रणालय

देवास, दिनांक 15 दिसम्बर 1975

फा० सं० बी० एन० पी०/ई०/स्पे०/30—श्री एस० पी० कुल-श्रेष्ठ, लेखा अधिकारी महालेखाकार कार्यालय, मध्य प्रदेश की बैंक नोट मुद्रणालय, देवास में लेखा अधिकारी के पद पर प्रतिनियुक्ति पर की गई नियुक्ति दिनांक 3-12-1975 से 2-12-1976 (अपराह्न) तक नियमित आधार पर निरन्तर की जाती है।

डी० सी० मुखर्जी
महा प्रबन्धक

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग

महालेखाकार का कार्यालय, आन्ध्र प्रदेश-I

हैदराबाद-500004, दिनांक 12 दिसम्बर 1975

सं० ई० बी० I/8-312/73-76/355-(1)—श्री एस०

वेकटरत्नम, लेखा अधिकारी, महालेखाकार का कार्यालय, आंध्र प्रदेश-I में सेवा से निवृत्त हुए दिनांक 31-8-1975 अपराह्न।

(2) श्री एस० सुब्रमण्यम II, लेखा अधिकारी, महालेखाकार का कार्यालय, आंध्र प्रदेश-I में सेवा से निवृत्त हुए दिनांक 31-8-1975 अपराह्न।

(3) श्री एस० आदिनागयण, लेखा अधिकारी, महालेखाकार का कार्यालय, आंध्र प्रदेश-I में सेवा से निवृत्त हुए दिनांक 30-9-1975 अपराह्न।

(4) श्री एस० एच० एच० रजिथ, लेखा अधिकारी, महालेखाकार का कार्यालय आंध्र प्रदेश-I में सेवा से निवृत्त हुए दिनांक 30-11-1975 अपराह्न।

वी० रामन,
वरिष्ठ उप महालेखाकार
(प्रशासन)

महालेखाकार कार्यालय, उत्तर प्रदेश-प्रथम
इलाहाबाद, दिनांक 16 दिसम्बर 1975

सं० प्रशासन-1/11-144(XI)/3831—महालेखाकार, उत्तर प्रदेश (प्रथम), इलाहाबाद ने निम्नांकित अनुभाग अधिकारियों को उनके नामों के आगे अंकित तिथि से आगामी आदेश पर्यन्त इस कार्यालय में स्थानापन्न लेखा अधिकारी नियुक्त किया है —

सर्वश्री —

1	रमा शंकर शर्मा	27-10-1975
2	श्री राम श्रीवास्तव	25-10-1975
3	नानक माधो नारायण	5-12-1975
4	ईश्वर सरन श्रीवास्तव	5-12-1975
5	चन्द्रिका प्रसाद मिश्र	5-12-1975

दिनांक 17 दिसम्बर 1975

सूचना

सं० प्रशासन प्रथम/3853—केन्द्रीय सेवा (अस्थाई सेवा) नियमावली 1965 के नियम 5 के उपनियम (I) के अनुसार मैं श्री सुरेश कुमार सिंह लिपिक को जिनकी निजी सख्या 5383 (पांच हजार तीन सौ तिरासी) है, यह सूचना (नोटिस) देता हूँ कि, इस विज्ञप्ति के प्रकाशन तिथि से एक मास अवधि के उपरान्त उनकी सेवाये समाप्त हो जायेगी।

स्थान—इलाहाबाद
तिथि—17-12-75

यू० रामचन्द्र राव,
वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशासन)

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय रक्षा लेखा महा नियन्त्रक

नई दिल्ली-110022, दिनांक 20 दिसम्बर 1975

सं० 40011(2)/75-प्रशा० ए०—(1) वार्धक्य निवृत्ति की आयु प्राप्त कर लेने पर निम्नलिखित लेखा अधिकारियों को प्रत्येक के नाम के सामने लिखी तारीख के अपराह्न से पेंशन स्थापना की अन्तरिक कर दिया जाएगा।

क्रम सं०	नाम, रोस्टर संख्या सहित	ग्रेड	पेंशन स्थापना की अन्तरण की तारीख	संगठन
	सर्वश्री			
1.	एम० गणेशन (पी०/29)	स्थायी लेखा अधिकारी	29-2-1976	रक्षा लेखा नियन्त्रक (पेंशन) इलाहाबाद।
2.	ए० के० सेन गुप्ता (पी०/105)	स्थायी लेखा अधिकारी	31-1-1976	रक्षा लेखा नियन्त्रक (फैक्ट्रीज) कलकत्ता।
3.	टी० एस० सुब्रह्मन्यम (ओ०/211)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	31-3-1976	रक्षा लेखा नियन्त्रक (अन्य रैंक) दक्षिण, मद्रास।
4.	ए० वीरेन्द्र राव (ओ०/216)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	29-2-1976	रक्षा लेखा नियन्त्रक (पेंशन) इलाहाबाद।
5.	एन० के० फांसे (ओ०/227)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	31-1-1976	रक्षा लेखा नियन्त्रक (फैक्ट्रीज) कलकत्ता।

श्री टी० एस० सुब्रह्मन्यम स्थानापन्न लेखा अधिकारी को सेवा निवृत्ति पूर्व 26-12-1975 से 31-3-1976 तक 97 दिन की अर्जित छुट्टी मंजूर की गई है।

(2) निम्नलिखित को, इस विभाग की अधिसूचना सं० 40011(2)/75-प्रशा० ए० तारीख 28-10-1975 के पैरा (4) के रूप में जोड़ा जाता है।

(i) श्री जी० पी० रैता, स्थानापन्न लेखा अधिकारी को सेवा निवृत्ति पूर्व 10-11-1975 से 31-12-1975 तक 52 दिन की अर्जित छुट्टी मंजूर की गई है।

(ii) श्री एम० एल० शर्मा, स्थानापन्न लेखा अधिकारी को सेवा निवृत्ति पूर्व 1-12-1975 से 31-12-1975 तक 31 दिन की अर्जित छुट्टी मंजूर की गई है।

(iii) श्री डी० एन० धावन, स्थानापन्न लेखा अधिकारी को सेवा निवृत्ति पूर्व 1-12-1975 से 31-12-1975 तक 31 दिन की अर्जित छुट्टी मंजूर की गई है।

एस० के० सुन्दरम,
रक्षा लेखा अपर महा नियन्त्रक (प्रशासन)

रक्षा मंत्रालय

महानिदेशालय, आर्डनेन्स फैक्टरियां

भारतीय आर्डनेन्स फैक्टरियां सेवा

कलकत्ता-700016, दिनांक 5 दिसम्बर 1975

सं० 50/75/जी०—वार्धक्य निवृत्ति आयु (58 वर्ष) प्राप्त कर, श्री सी० पी० शर्मा, स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक (मौलिक एवं स्थायी फोरमैन) दिनांक 31 अक्टूबर, 1974 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

सं० 51/75/जी०—58 वर्ष की आयु प्राप्त करने पर निम्नलिखित अधिकारीगण प्रत्येक के सामने दर्शायी गई तारीख से सेवा निवृत्त हुए:

1. श्री पी० फ्रांसिस, स्थानापन्न उप-प्रबन्धक (स्थायी फोरमैन)—31 अगस्त, 1975 (अपराह्न)।

2. श्री बी० जी० शिवनेकर, स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक (स्थायी स्टाफ अस्सिस्टेंट)—30 सितम्बर, 1975 (अपराह्न)।

सं० 52/75/जी०—वार्धक्य निवृत्ति आयु (58 वर्ष) प्राप्त कर, श्री टी० पी० बागची, स्थानापन्न अफसर सुपर-बाइजर (मौलिक एवं स्थायी अधीक्षक) दिनांक 30 सितम्बर, 1975 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

सं० 53/75/जी०—वार्धक्य निवृत्ति आयु (58 वर्ष) प्राप्त कर, श्री के० एम० चटर्जी, स्थानापन्न डी० ए० डी० जी० ओ० एफ० (मौलिक एवं स्थायी टी० एस० ओ०/ए० एम०) दिनांक 31 मई, 1975 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

दिनांक 6 दिसम्बर 1975

सं० 46/जी०/75—वार्धक्य निवृत्ति आयु प्राप्त कर, निम्नलिखित अधिकारियों ने, प्रत्येक के सामने दर्शायी गई तारीख से, सेवा निवृत्त हुए :—

1. श्री एल० एम० मुकर्जी, स्थायी प्रबन्धक—31 जुलाई, 1975 (अपराह्न)।

2. श्री पी० के० गे०, स्थानापन्न प्रबन्धक—31 जुलाई, 1975 (अपराह्न)।

3. श्री के० पी० सेन शर्मा, स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक (स्थायी फोरमैन)—31 अगस्त, 1975 (अपराह्न)।

सं० 47/जी०/75—एक वर्ष की सेवा वृद्धि की समाप्ति पर, श्री टी० के० चक्रवर्ती, स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक (मौलिक एवं स्थायी फोरमैन) दिनांक 30 सितम्बर, 1975 से सेवा निवृत्त हुए।

एम० पी० आर० पिल्लाय,
महायक महानिदेशक, आर्बेनैन्स फैक्टरियां

श्रम मंत्रालय

कोयला खान श्रमिक कल्याण संस्था

धनबाद, दिनांक 18 दिसम्बर 1975

सं० पी० 8(8) 67—कोयला खान श्रमिक कल्याण कोष नियमावली 1949 के नियम 5 के उप-नियम (1) (बी०) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए कोयला खान श्रमिक कल्याण कोष सलाहकार समिति एतद्वारा अधिसूचना सं०-पी० 8(8) 67 दिनांक 28-2-1974 में जिसके द्वारा हजारीबाग कोयला क्षेत्र उप-समित का गठन हुआ था, निम्नलिखित संशोधन करती है :—

उक्त अधिसूचना में दर्ज क्रम संख्या 4, 5 और 6 के स्थान पर निम्नलिखित को प्रतिस्थापित किया जाए, यथा :—

4. क्षेत्रीय महाप्रबंधक,
केन्द्रीय कोयला क्षेत्र लिमिटेड,
हजारीबाग।
5. क्षेत्रीय महा प्रबंधक,
केन्द्रीय कोयला क्षेत्र लिमिटेड,
अरगडा, हजारीबाग।
6. मुख्य कार्मिक अधिकारी,
केन्द्रीय कोयला क्षेत्र लिमिटेड,
रांची।

नियुक्ता प्रतिनिधि

आर० पी० सिन्हा,
कोयला खान कल्याण आयुक्त,
धनबाद

वाणिज्य मंत्रालय

वस्त्र आयुक्त कार्यालय

बम्बई-400020, दिनांक 18 दिसम्बर 1975

सं० सी० ई० आर० /6/75—सूती वस्त्र (नियंत्रण) आदेश, 1948 के खंड 34 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, और केन्द्रीय सरकार की पूर्व-स्वीकृति से मैं एतद्वारा वस्त्र आयुक्त की अधिसूचना सं० टी० सी० (4)/

58 दिनांक 7 मार्च, 1958 में निम्नलिखित प्रतिरिक्त संशोधन करता हूँ, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना से संलग्न सारणी के स्तंभ 2 में क्रम संख्या 11 के सामने मव (20) के बाद निम्न प्रविष्टी जोड़ दी जाएगी, अर्थात् :—

2

“(21) वस्त्र निदेशक तथा-अपर पंजीयक
सहकारी समितियां, उड़ीसा”

गौरी शंकर भागव,
संयुक्त वस्त्र आयुक्त

पूति विभाग

पूति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन शाखा-I)

नई दिल्ली-1 दिनांक दिसम्बर 1975

सं० प्र०-1/1(61)—स्थायी उप महानिदेशक और पूति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में स्थानापन्न अपर महानिदेशक श्री पी० नाथ दिनांक 30 नवम्बर, 1975 के अपराह्न से निवृत्त आयु (58 वर्ष) होने पर सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये।

के० एल० कोहली,
उप निदेशक (प्रशासन)
रुक्ते महानिदेशक, पूति तथा निपटान

नई दिल्ली-1, दिनांक 17 दिसम्बर 1975

सं० ए०-1/1(838) —राष्ट्रपति, पूति तथा निपटान महानिदेशालय नई दिल्ली में महायक निदेशक, पूति (ग्रेड-I) भारतीय पूति सेवा के ग्रेड-III के सर्वश्री गिरधारी लाल और आर० डब्ल्यू० सूर्यवंशी को दिनांक 20-11-1975 के अपराह्न से तथा अगामी आदेशों के जारी होने तक उसी महानिदेशालय नई दिल्ली में उप निदेशक (भारतीय पूति सेवा के ग्रेड-II) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

के० एल० कोहली,
उप निदेशक (प्रशासन)

(प्रशासन-शाखा-6)

नई दिल्ली, दिनांक 18 दिसम्बर 1975

सं० प्र०-6/247(390)—राष्ट्रपति, भारतीय निरीक्षण सेवा, श्रेणी-1 के ग्रेड-II की इंजीनियरी शाखा के अधिकारी श्री एस० सी० कपूर को दिनांक 25 नवम्बर, 1975 के पूर्वाह्न से सेवा के ग्रेड-I में स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

श्री कपूर ने 13 नवम्बर, 1975 के अपराह्न को उप निदेशक निरीक्षण (इंजी०) का पदभार छोड़ दिया तथा 25 नवम्बर, 1975 के पूर्वाह्न से कलकत्ता निरीक्षण मंडल, कलकत्ता में निरीक्षण निदेशक का पदभार सम्भाल लिया।

सूर्य प्रकाश,
उप निदेशक (प्रशासन)
रुक्ते महानिदेशक, पूति तथा निपटान

नई दिल्ली, दिनांक 18 दिसम्बर 1975

सं० प्र०-6/247(163)/58/11--राष्ट्रपति, भारतीय निरीक्षण सेवा, श्रेणी-1 के ग्रेड-III की इजीनियरी शाखा में निरीक्षण अधिकारी श्री के० एन० श्रीवास्तव को दिनांक 24 नवम्बर, 1975 के पूर्वाह्न में सेवा के ग्रेड-II की इजीनियरी शाखा में उप निदेशक के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करने हैं।

श्री श्रीवास्तव ने 14 नवम्बर, 1975 के अपराह्न से उत्तरी निरीक्षण मंडल के अधीन कानपुर में निरीक्षण अधिकारी का पदभार छोड़ दिया तथा 24 नवम्बर, 1975 के पूर्वाह्न से कलकत्ता निरीक्षण मंडल, कलकत्ता में उप निदेशक निरीक्षण (इजी०) का पदभार सम्भाल लिया।

सूर्य प्रकाश,
उप निदेशक (प्रशासन)

इस्पात और खान मंत्रालय

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700013, दिनांक 12 दिसम्बर 1975

सं० 7649/बी०/2222(के० पी०)/19ए०--श्री के० प्रभाकर को भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में, 650 रु० प्रतिमाह के प्रारम्भिक वेतन पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, अस्थाई क्षमता में, आगामी आदेश होने तक, 1 नवम्बर, 1975 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जाता है।

सं० 7659/बी०/2222 (जी० सी० बी०)/19ए०--श्री श्री ज्ञान चन्द भाम्नी को भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में, सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में 650 रु० प्रतिमाह के प्रारम्भिक वेतन पर, 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, अस्थाई क्षमता में, आगामी आदेश होने तक, 28 अक्तूबर, 1975 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जाता है।

सं० 7689/बी०/2222 (डी० के० एम०)/19ए०--श्री दीपक कुमार मुखोपाध्याय को भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में, सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में, 650 रु० प्रतिमाह के प्रारम्भिक वेतन पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, अस्थाई क्षमता में, आगामी आदेश होने तक, 14 नवम्बर, 1975 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जाता है।

सं० 7697/बी०/2222 (एस० बी० एन०)/19ए०--श्री एस० बालचन्द्रन नैयर को भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में, सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में, 650 रु० प्रतिमाह के प्रारम्भिक वेतन पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, अस्थाई क्षमता में, आगामी आदेश होने तक, 5 नवम्बर, 1975 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जाता है।

सं० 7704/बी०/2222 (एम० पी० बी० डी०)/19ए०--श्री एस० पी० वेकट दामू को भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में, सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में, 650 रु० प्रतिमाह के प्रारम्भिक वेतन पर, 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में अस्थाई क्षमता में आगामी आदेश होने तक, 27 अक्तूबर, 1975 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जाता है।

सं० 7712/बी०/2222 (बी० आर० बी०)/19ए०--श्री बी० आर० वेकटेश को भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में, सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में 650 रु० प्रतिमाह के वेतन पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में अस्थाई क्षमता में, आगामी आदेश होने तक, 29 अक्तूबर, 1975 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जाता है।

बी० के० एस० वरदत्त,
महानिदेशक

भारतीय खान ब्यूरो

नागपुर, दिनांक 18 दिसम्बर 1975

सं० ए०19011(87)/70-सिब्बदी ए०--राष्ट्रपति श्री एस० एस० दास, सहायक खान नियंत्रक, भारतीय खान ब्यूरो को दिनांक 28 नवम्बर, 1975 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश होने तक भारतीय खान ब्यूरो में उप खान नियंत्रक के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

ए० के० राघवाचारी
वरिष्ठ प्रशासन अधिकारी
भारतीय खान ब्यूरो

विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग

राष्ट्रीय एटलस संस्था

कलकत्ता-700019, दिनांक 15 दिसम्बर 1975

सं० 35-2/75-स्था०--विभागीय पदोन्नति समिति की सिफारिश पर श्री एम० पी० सिन्हा स्थायी क्षेत्र अधिकारी की राष्ट्रीय एटलस संस्था में वैज्ञानिक अधिकारी के पद पर दिनांक 1 दिसम्बर, 1975 से अगले आदेश होने तक स्थानापन्न रूप से पदोन्नति की जाती है।

एस० पी० दासगुप्त,
निदेशक

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 16 दिसम्बर 1975

सं० ए०-30014 (4)/75-एस०-छ०--महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री महावीर सिंह, कृषि रेडियो अधिकारी को, 10-3-1975 से स्थायीवत पदक्षमता में कृषि रेडियो अधिकारी के रूप में नियुक्त करते हैं।

एम० एल० टंडन,
प्रशासन उपनिदेशक
कूते महानिदेशक

नई दिल्ली-110001, दिनांक 17 दिसम्बर 1975

सं० 10/37/61-एस०-दो०—महानिदेशक, आकाशवाणी श्री बी० बी० गोपालकृष्ण, लेखाकार, आकाशवाणी, अलप्पी को दिनांक 9-12-1975 (पूर्वाह्न) से आकाशवाणी, लखनऊ, में प्रशासनिक अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से तदर्थ आधार पर कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।

इन्द्र सैन पौधो,
अनुभाग अधिकारी
कृते महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 18 दिसम्बर 1975

सं० ए०-30014 (3)/75-एस० - छः—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री जे० एल० महोत्रा, विस्तार अधिकारी को, 30-3-1975 से स्थायित्व पदक्षमता में विस्तार अधिकारी के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० ए०-30014 (3) /75-एस० - छः—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री ए० के० विश्वास, विस्तार अधिकारी को 4-4-1975 से स्थायित्व पदक्षमता में विस्तार अधिकारी के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० ए० - 30014(3)/75-एस० - छः—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री बी० एन० शर्मा, विस्तार अधिकारी, को 11-8-1975 से स्थायित्व पदक्षमता में विस्तार अधिकारी के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० ए०-30014 (3) /75-एस०-छः—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री जी० सी० जाटव, विस्तार अधिकारी को, 17-6-1975 से स्थायित्व पदक्षमता में विस्तार अधिकारी के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० ए०-30014 (3) /75-एस०-छः—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री बी० डी० एल० श्रीवास्तव, विस्तार अधिकारी, को 2-8-1975 से स्थायित्व पदक्षमता में विस्तार अधिकारी के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० ए०-30014 (3) /75-एस०-छः—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा कुमारी जी० आर० वाला, विस्तार अधिकारी, को 21-7-1975 से स्थायित्व पदक्षमता में विस्तार अधिकारी के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० ए०-30014 (3) /75-एस०-छः—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री एस० एन० साधू, विस्तार अधिकारी को 8-6-1975 से स्थायित्व पदक्षमता में विस्तार अधिकारी के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० ए०-30014 (3) /75-एस०-छः—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा डा० एस० के० मधुर, विस्तार अधिकारी को 6-4-1975 से स्थायित्व पदक्षमता में विस्तार अधिकारी के रूप में नियुक्त करते हैं।

हरजीत सिंह,
प्रशासन उपनिदेशक
कृते महानिदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 15 दिसम्बर 1975

सं० 11-2/75-एडमिन-1—स्वास्थ्य विभाग में तबादला हो जाने पर केन्द्रीय सचिवालय सेवा के सेलेक्शन ग्रेड के अधिकारी श्री एम० श्रीनिवासन ने जो उस विभाग में उपसचिव के रूप में कार्य कर रहे थे, 6 दिसम्बर, 1975 के अपराह्न से स्वास्थ्य सेवा महा निदेशालय में प्रशासन एवं सतर्कता निदेशक के पद का कार्यभार संभाल लिया।

अगुस्तीन सुरीन
उप निदेशक, प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 15 दिसम्बर 1975

सं० 7-1/73-एडमिन-1—केन्द्रीय कुष्ठ शिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, चिगलपट, में प्रशासनिक अधिकारी के पद पर अपनी नियुक्ति के फलस्वरूप केन्द्रीय सचिवालय सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड के एक अधिकारी श्री ए० कानन ने 17 नवम्बर, 1975 के अपराह्न से केन्द्रीय कुष्ठ शिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, चिगलपट, में प्रशासनिक अधिकारी के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० 33-7/75-एडमिन-1—राष्ट्रपति ने श्रीमती सी० के० पुनिता को 10 अक्टूबर, 1975 के पूर्वाह्न से 15 नवम्बर 1975 (अपराह्न) तक सफ्दरजंग अस्पताल में श्रीमती ए० रत्ना की अवकाश रिक्ति में परिचर्या अधीक्षक के पद पर नियुक्त किया है।

रवीन्द्र नाथ तिवारी,
उप निदेशक (प्रशासन)

नई दिल्ली, दिनांक 19 दिसम्बर 1975

सं० 9-39/75-सी० जी० एच० एम० 1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने डा० एच० सी० बंसल को 15 अक्टूबर, 1975 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक इस निदेशालय के अधीन केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, नागपुर, में होम्योपैथिक चिकित्सक के पद पर पूर्णतया तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

सं० 9-31/75-सी० जी० एच० एम० 1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने डा० धर्मवीर को 15 अक्टूबर, 1975 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक इस निदेशालय के अधीन केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, मेरठ, में आयुर्वेदिक चिकित्सक के पद पर पूर्णतया तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

के० वेणुगोपाल
उप निदेशक, प्रशासन

कृषि, और सिंचाई मंत्रालय

(खाद्य विभाग)

राष्ट्रीय शर्करा संस्था

कानपुर, दिनांक 15 दिसम्बर 1975

सं० प्रशा०-3(1)/67-4—श्री आर० सी० गुप्ता की नियुक्ति मूल रूप से कनिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी (फिजीकल

केमेट्री) राष्ट्रीय शर्करा संस्था, कानपुर के स्थाई पद पर दिनांक 15-11-1969 पूर्वाह्न से की जाती है

एन० ए० रामय्या,
निदेशक ।

**भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र
(कार्मिक प्रभाग)**

बम्बई-400085, दिनांक 3 नवम्बर 1975

सं० पी० ए०/79(20)/73-आर०-4—इस अनुसंधान केन्द्र के 3 मई, 1974 के समसंख्यक अधिसूचना के क्रम में, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के नियंत्रक विदेश व्यापार मंत्रालय (अब वाणिज्य मंत्रालय), नई दिल्ली में केन्द्रीय सचिवालय सेवा में एक स्थाई सहायक और भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र में प्रतिनियुक्ति पर श्री मोहनलाल मूलचन्द गांधी को इसी अनुसंधान केन्द्र में 1 जुलाई 1974 के पूर्वाह्न से 12 जून, 1975 (अपराह्न) तक के लिये स्थानापन्न सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं ।

दिनांक 16 नवम्बर 1975

सं० पी० ए०/81(136)/75-आर०-4—भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के निदेशक यहां के एक स्थाई ड्राफ्टमैन (बी०) और स्थानापन्न ड्राफ्टमैन (सी०) श्री कृष्ण लाल गोस्वामी को 1 अगस्त, 1975 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक के लिये इसी अनुसंधान केन्द्र में वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर श्रेणी (एस० बी०) नियुक्त करते हैं ।

दिनांक 17 नवम्बर 1975

सं० पी० ए०/73(2)/75-आर०-4—भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के निदेशक निम्नलिखित लोगों को इसी अनुसंधान केन्द्र में अस्थाई रूप से उनके सामने दिखाये हुए दिनांकों से आगामी आदेशों तक के लिए स्थानापन्न रूप से स्थानिक चिकित्सा अधिकारी नियुक्त करते हैं ।

1. डा० (श्रीमति) शोभना सुधीर लेले 15 अक्तूबर, 1975 (पूर्वाह्न)
2. डा० (श्रीमती) पोरि-नयलकत नारायणन प्रभावती 15 अक्तूबर, 1975 (पूर्वाह्न)
3. डा० (श्रीमती) चित्रा प्रताप बोंगीरवार 16 अक्तूबर, 1975 (पूर्वाह्न)
4. डा० (श्रीमती) डोली रे 22 अक्तूबर, 1975 (पूर्वाह्न)
5. डा० श्रीकांत बालकृष्ण बावरे 8 नवम्बर, 1975 (पूर्वाह्न)

दिनांक 20 नवम्बर 1975

सं० पी० ए०/81(74)/75-आर०-4 :—भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के निदेशक, यहां की परिवर्ती ऊर्जा साइक्लोट्रॉन परियोजना के एक अस्थाई वैज्ञानिक सहायक (सी०) श्री लोकेन्द्र नाथ पाटक को 1 अगस्त, 1975 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेशों तक के लिये इसी परियोजना में स्थानापन्न रूप से वैज्ञानिक अधिकारी इंजीनियर-ग्रेड (एस० बी०) नियुक्त करते हैं ।

दिनांक 30 नवम्बर 1975

सं० पी० ए०/79(9)/75-आर०-4—एक स्थाई उच्च श्रेणी लिपिक और अस्थाई सहायक श्री शमन गंगाधर तिलक ने जिन्हें 24 जुलाई, 1975 के मम सं० अधिसूचना के द्वारा भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र में स्थानापन्न सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त किया गया था, 12 नवम्बर, 1975 के पूर्वाह्न से केन्द्र के सहायक कार्मिक अधिकारी के पद का कार्यभार त्याग दिया ।

सं० पी० ए०/81(134)/75-आर०-4—भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के निदेशक यहां के परिवर्ती ऊर्जा साइक्लोट्रॉन परियोजना के निम्नलिखित वैज्ञानिक सहायकों (सी०) को उसी परियोजना में 1 अगस्त, 1975 के पूर्वाह्न से, आगामी आदेशों तक के लिए स्थानापन्न रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर श्रेणी (एस० बी०) नियुक्त करते हैं ।

क्र० सं० नाम

1. श्री मनाइल शिवरामकृष्णन मदनमोहनन
2. श्री सुब्बा पोम्पु रेड्डी

दिनांक 1 दिसम्बर 1975

सं० पी० ए०/81(143)/75-आर०-4—भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के निदेशक यहां के एक अस्थाई वैज्ञानिक सहायक (बी०) श्री रमेश राववेन्द्रराव तजागुड को 1 अगस्त, 1975 के पूर्वाह्न से, आगामी आदेशों तक के लिए स्थानापन्न रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर श्रेणी (एस० बी०) नियुक्त करते हैं ।

सं० पी० ए०/81(130)/75-आर०-4—भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के निदेशक यहां के एक अस्थाई फोरमन श्री विनोद कुमार भाटिया को 1 अगस्त, 1975 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक के लिए इसी अनुसंधान केन्द्र में स्थानापन्न रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर श्रेणी (एस० बी०) नियुक्त करते हैं ।

सं० पी० ए०/81(130)/75-आर०-4—भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के निदेशक यहां के एक स्थाई प्ररूपकार (बी०) और स्थानापन्न फोरमन श्री एंटोनी फरनांडेज को 1 अगस्त, 1975 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक के लिए स्थानापन्न रूप से इसी अनुसंधान केन्द्र में वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर श्रेणी (एस० बी०) नियुक्त करते हैं ।

सं० पी० ए०/81(127)/75-आर०-4—भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के निदेशक यहां के एक अस्थाई वैज्ञानिक सहायक (सी०) श्री जयंत अनन्त गोखले को 1 अगस्त, 1975 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक के लिए इसी अनुसंधान केन्द्र में स्थानापन्न रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर श्रेणी (एस० बी०) नियुक्त करते हैं ।

पी० उन्नीकृष्णन
उप स्थापना अधिकारी (भ०)

परमाणु ऊर्जा विभाग

विद्युत् परियोजना इंजीनियरी प्रभाग

बम्बई-400005, दिनांक 5 दिसम्बर 1975

सं० पी० पी० ई० डी०/3 (236)/75-प्रशासन-13221-1400—विद्युत् परियोजना इंजीनियरी प्रभाग, बम्बई के निदेशक, एतद्द्वारा इस प्रभाग के अस्थायी नक्शानवीस 'सी' श्री ए० एल० सारस्वते को 1 अगस्त, 1975 के पूर्वानुज्ञा से आगामी आदेश तक के लिए उसी प्रभाग में अस्थायी रूप से विमान-प्रधिकारी/इंजीनियर ग्रेड 'एस बी' नियुक्त करते हैं।

एन० जी० पेरुलेकर
प्रशासन-प्रधिकारी
कृते निदेशक

भारी पानी परियोजनाएं

बम्बई-400008, दिनांक 20 दिसम्बर 1975

सं० भा० पा० प०/स्था०/1/एस-60/8575—भारी पानी परियोजनाओं के, विशेष-कार्य-प्रधिकारी, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के, श्री गोविन्दभाई मणीलाल शाह, स्थायी वैज्ञानिक सहायक 'ए' तथा स्थानापन्न वैज्ञानिक सहायक 'सी' जो अब भारी पानी परियोजना (बड़ोदा) में उसी ग्रेड में प्रतिनियुक्त हैं को, उसी परियोजना में, अगस्त 1, 1975 (पूर्वानुज्ञा) से आगे आदेश होने तक के लिए स्थानापन्न वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता (ग्रेड एस०बी०) अस्थायी रूप से नियुक्त करते हैं।

टी० सी० सत्यकोटि
वरिष्ठ प्रशासन अधिकारी

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 18 दिसम्बर 1975

सं० ए०-32014/3/75-ई० सी०—महानिदेशक, नागर विमानन ने नागर विमानन विभाग के वैमानिक संचार संगठन में श्री जी० एल० रेलखानी, तकनीकी सहायक को 1-12-1975 (पूर्वानुज्ञा) से श्री के० डी० पंडित, सहायक तकनीकी अधिकारी, जिन्हें अर्जित छुट्टी स्वीकृत की गई है, के स्थान पर वैमानिक संचार स्टेशन, बम्बई में तदर्थ आधार पर सहायक तकनीकी अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है।

दिनांक 20 दिसम्बर 1975

सं० ए०-38015/18/74-ई० 'सी०—महानिदेशक नागर विमानन अत्यन्त दुःख के साथ वैमानिक संचार संगठन के निम्न-लिखित कर्मचारियों के निधन की घोषणा करते हैं:—

- | | |
|--|---------|
| 1. श्री आर० एस० राम, सहायक तकनीकी अधिकारी, वैमानिक संचार स्टेशन, लखनऊ | 24-9-74 |
| 2. श्री सी० ए० पिल्लै, सहायक संचार अधिकारी, वैमानिक संचार स्टेशन, कलकत्ता | 8-10-74 |
| 3. श्री एम० डी० परनदीवर, सहायक तकनीकी अधिकारी, वैमानिक संचार स्टेशन, बम्बई | 17-9-74 |

विश्व विनोद जौहरी
सहायक निदेशक (प्रशासन)
कृते महानिदेशक नागर विमानन

नई दिल्ली, दिनांक 20 दिसम्बर 1975

सं० ए०-32013/7/75-ई० ए०—राष्ट्रपति ने, श्री एस० ए० राम, सहायक विमानक्षेत्र अधिकारी को 9 दिसम्बर, 1975 से छह मास की अवधि के लिए या उनके द्वारा धारित पद के नियमित आधार पर भरे जाने तक, इनमें से जो भी पहले हो, नागर विमानन विभाग में तदर्थ आधार पर विमानक्षेत्र अधिकारी के ग्रेड में नियुक्त किया है। उन्हें कलकत्ता एयरपोर्ट, दमदम में तैनात किया गया है।

विश्व विनोद जौहरी
सहायक निदेशक (प्रशासन)

केन्द्रीय उत्पादन शुल्क तथा सीमा शुल्क समाहर्तलिय,

इलाहाबाद, दिनांक 2 दिसम्बर 1975

सं० 152/1975—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समेकित मण्डल कार्यालय, रामपुर में वर्तमान तैनात श्री वीरेन्द्रपाल सिन्हा, स्थानापन्न निरीक्षक (प्रवर ग्रेड) केन्द्रीय उत्पादन शुल्क को इस कार्यालय के पृष्ठांकन सं० दो (3)-स्था/28088 दिनांक 31-7-75 के अन्तर्गत जारी किये गये स्थापना आदेश सं० 212/1975 दिनांक 30-7-1975 के द्वारा, अगला आदेश होने तक के लिए रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में स्थानापन्न अधीक्षक केन्द्रीय उत्पादन शुल्क श्रेणी-दो के रूप में नियुक्त किया गया था। उन्होंने दिनांक 9-10-1975 को दोपहर से पहले श्री एम० पी० चौधरी, अधीक्षक श्रेणी-दो को उनके अतिरिक्त कार्यभार से मुक्त करते हुए, समेकित मण्डल कार्यालय, बरेली में अधीक्षक श्रेणी-दो (निवारक) के कार्यालय का कार्यभार ग्रहण कर लिया।

सं० 153/1975—पहले केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहर्तलिय, मुख्यालय, इलाहाबाद में अधीक्षक (मुल्यांकन) के रूप में तैनात, श्री आर० डब्ल्यू० शीतल, स्थानापन्न अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क श्रेणी-दो ने दिनांक 31-10-1975 को (दोपहर बाद) केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहर्तलिय, मुख्यालय, इलाहाबाद में अधीक्षक (मुल्यांकन) के कार्यालय का कार्यभार श्री पी० एन० काय, अधीक्षक केन्द्रीय उत्पादन शुल्क श्रेणी-दो को सौंप दिया और उसी तारीख और समय से सरकारी सेवा से मुक्त हो गये।

सं० 154/1975—पहले केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहर्तलिय, मुख्यालय, इलाहाबाद में अधीक्षक (लेखा परीक्षा) के रूप में तैनात श्री हरेन्द्र धर दुबे, स्थानापन्न अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क श्रेणी-दो ने दिनांक 31-10-1975 को (दोपहर बाद) केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहर्तलिय, मुख्यालय, इलाहाबाद में अधीक्षक (लेखा परीक्षा) के कार्यालय का कार्यभार श्री एस० एस० टण्डन, लेखा परीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहर्तलिय, मुख्यालय, इलाहाबाद, को सौंप दिया और उसी तारीख और समय से सरकारी सेवा से मुक्त हो गये।

दिनांक 10 दिसम्बर 1975

सं० 160/1975—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समेकित मंडल कार्यालय, वाराणसी में तैनात श्री एस० एन० पी० विवेधी, स्थायी निरीक्षक (अग्र ग्रेड), केन्द्रीय उत्पादन शुल्क ने, जिनको इस कार्यालय के पृष्ठांकन सं० दो (3) 2 स्था/75/28088, दिनांक

31-7-1975 के अन्तर्गत जारी किये गये स्थानांतरण आदेश सं० 212/1975, दिनांक 30-7-1975 के अनुसार आगामी आदेश होने तक सं० 650-30-740-35-810-ई० रो०-35-880-40-1000-ई० रो०-40-1200 के वेतनमान में अधीक्षक केन्द्रीय उत्पादन शुल्क श्रेणी-डी के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया गया था, दिनांक 20-11-1975 को (दीपहर से पहले), श्री जी० पी० दरबारी, अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क श्रेणी-डी को उनके अतिरिक्त कार्य-भार से मुक्त करते हुए केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, समेकित मंडल कार्यालय, गोरखपुर में अधीक्षक (तकनीकी) केन्द्रीय उत्पादन शुल्क श्रेणी-डी के कार्यालय का कार्यभार ग्रहण कर लिया।

एच० बी० वास
समाहर्ता

केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, इलाहाबाद

मदुरै-2, दिनांक 6 दिसम्बर 1975

सं० 4/75—श्री के० बी० सुब्रह्मण्यन, प्रशासनिक अधिकारी, सीमाशुल्क डिविजन, मदुरै को वित्त मंत्रालय सं० एफ० बी० 12014/19/74 अड० IV ता० 12-5-75 से बने नये पद सीमा शुल्क लेखा परीक्षक मुख्य कार्यालय, मदुरै, पर ता० 15-11-75 (पू०) लेखा परीक्षक का पद संभाल लिया।

सं० 5/75—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहर्ता, मदुरै के निम्नलिखित कार्यालय अधीक्षकों को अगले आदेश होने तक स्थानापन्न रूप से सहायक मुख्य लेखा अधिकारी/प्रशासनिक अधिकारी के पद पर सं० 650-30-740-35-810-ई० रो०-35-880-40-1000-ई० रो०-40-1200 के वेतनमान में नियुक्त किये गये हैं। स्थान और कार्यभार संभालने की तारीख निम्न प्रकार है:—

अफसर का नाम	नियुक्ति स्थान	कार्यभार तारीख
1. श्री एन० बी० गोपालन, सहायक मुख्य लेखा कार्यालय अधीक्षक, मुख्य कार्यालय, मदुरै	अधिकारी, मुख्य कार्यालय, मदुरै	20-10-75 (पू०)
2. श्री जी० के० तुलसी-रामन, का० अ०, मु० का०, मदुरै	प्रशासनिक अधिकारी के० शु० डिविजन, डिप्टुगल	15-11-75 (पू०)
3. श्री एस० अनन्तरामन, का० अ०, मु० का०, मदुरै	प्रशासनिक अधिकारी, सीमा शुल्क डिविजन, मदुरै	14-11-75 (अ०)

ह० अपठनीय
समाहर्ता

केन्द्रीय राजस्व नियंत्रण प्रयोगशाला

नई दिल्ली-110012, दिनांक 4 दिसम्बर 1975

सं० 12/1975—स्थानांतरित होने पर श्री के० के० विप्रबानाथन, सहायक रसायन परीक्षक, सीमाशुल्क गृह प्रयोगशाला, कोचीन ने दिनांक 15 अक्टूबर, 1975 (पू०) से सीमाशुल्क गृह प्रयोगशाला, कलकत्ता में उसी क्षमता से कार्यभार संभाल लिया है।

सं० 13/1975—स्थानांतरित होने पर श्री एम० पी० दीक्षित, सहायक रसायन परीक्षक, नवीन सीमाशुल्क गृह प्रयोगशाला, बम्बई ने दिनांक 24 अक्टूबर, 1975 (पू०) से केन्द्रीय उत्पादन शुल्क रोजनल प्रयोगशाला, बड़ोदा, में उसी क्षमता से कार्यभार संभाल लिया है।

वे० सा० राममोहन
मुख्य रसायनज्ञ, केन्द्रीय राजस्व

केन्द्रीय भूमि जल बोर्ड

फरीदाबाद, दिनांक 17 दिसम्बर 1975

सं० 3-416-75-सी० एच० (ई०)—श्री जी० सी० भटनागर को सहायक जल भू विज्ञानी वर्ग-II (राजपत्रित) के पद पर अस्थाई रूप से वेतनमान 650-30-740-33-810-ई० बी०-35-880-40-1000-ई० बी०-40-1200 के अन्तर्गत उनके मुख्यालय जोधपुर के साथ दिनांक 26-11-1975 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश तक नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 18 दिसम्बर 1975

सं० 3-409/75-सी० एच० (ई०)—श्री एम० बी० निकलजे को सहायक जल भू विज्ञानी वर्ग-II (राजपत्रित) के पद पर वेतनमान 650-30-740-35-810-ई० बी०-35-880-40-1000-ई० बी०-40-1200 के अन्तर्गत अस्थाई आधार पर उनके मुख्यालय जोधपुर के साथ दिनांक 25-11-75 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश तक नियुक्त किया जाता है।

सं० 3-406/75-सी० एच० (ई०)—श्री कृष्ण बाल सिंह को सहायक जल भू विज्ञानी वर्ग-II (राजपत्रित) के पद पर वेतनमान 650-30-740-35-810-ई० बी०-35-880-40-1000-ई० बी०-40-1200 के अन्तर्गत अस्थाई आधार पर उनके मुख्यालय चंडीगढ़ के साथ दिनांक 25-11-75 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश तक नियुक्त किया जाता है।

डी० एस० देशमुख
मुख्य जल भू विज्ञानी

फरीदाबाद, दिनांक 19 दिसम्बर 1975

सं० 7-118/75/ईस्ट०-II—श्री के० बी० बोहरा को केन्द्रीय भूमिगत जल बोर्ड में प्रशासनिक अधिकारी के पद पर नियुक्त है, को दिनांक 28 फरवरी, 1975 से स्थाई प्रशासन अधिकारी के पद पर वेतनमान 840-40-1000-ई० बी०-40-1200 रुपये नियुक्त किया जाता है।

वेवता पाण्डे
अधीक्षक अभियन्ता

प्रमुख इंजीनियर कार्यालय

केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 25 नवम्बर, 1975

सं० 5/1/75-ई० सी०-I—राष्ट्रपति, 1973 में हुई इंजीनियरी सेवा परीक्षा के माध्यम पर श्री मोक्ष प्रकाश पुरोहित को केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग में केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा श्रेणी-I में सहायक कार्यपालक इंजीनियर (सिविल) के अस्थायी पद पर 10-11-75 (पूर्वाह्न) से परीक्षाधीन नियुक्त करते हैं।

पी० एस० पारवानी
प्रशासन उप-निदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 3 दिसम्बर 1975

सं० 12/7/74-प्रशा०-4—राष्ट्रपति, केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग के श्री टी० एस० गिल को खरिद वास्तु के पद पर 17-3-73 से स्थायी घोषित करते हैं।

एस० एस० पी० राव
प्रशासन उप-निदेशक

पूर्वोत्तर सीमा रेलवे

महा प्रबंधक का कार्यालय

(कार्मिक शाखा)

पाण्डु, दिनांक 16 दिसम्बर 1975

सं० ई०/55/III/91-पी III (0)—श्री के० एम० लुम्भा को दिनांक 1 फरवरी, 1975 से द्वितीय श्रेणी की सेवा में सहायक परिचालन अधीक्षक/सहायक वाणिज्य अधीक्षक के पद पर स्थायी किया जाता है।

सं० ई०/55/III/94-पी III (0)—श्री एस० के० राय को दिनांक 1 जुलाई, 1975 से द्वितीय श्रेणी की सेवा में सहायक इंजीनियर के पद पर स्थायी किया जाता है।

एच० एल० वर्मा
महाप्रबंधक

मध्य रेल

बम्बई बी० टी०, दिनांक 18 दिसम्बर 1975

सं० एच० पी० बी०/220/जी०/एच०—निम्नलिखित सहायक चिकित्सा अधिकारियों को उनके नाम के सामने दी गयी तारीख

से छात्राधीन रेल चिकित्सा सेवा की श्रेणी-II में स्थायी किया गया है :—

क्रमांक	नाम	स्थायीकरण-तारीख
1	2	3
1.	डा० एस० बी० दत्त	1-12-1962
2.	डा० ए० के० पाल	7-12-1962
3.	डा० बी० चटर्जी	1-2-1963
4.	डा० एम० एम० सरकार	2-2-1963
5.	डा० टी० एस० रामरत्नम्	10-5-1963
6.	डा० एन० रवीन्द्रनाथ	9-5-1963
7.	डा० पी० एन० जठार	13-2-1963
8.	डा० एस० सी० पंगारकर	21-2-1963
9.	डा० ए० पी० घोष	9-5-1963
10.	डा० एफ० डी० पेरेरा	27-4-1963
11.	डा० बी० एस० चेट्टी	9-5-1963
12.	डा० मुहम्मद हसरतुल्लाह	9-5-1963
13.	डा० आर० एन० कांगो	10-5-1963
14.	डा० जे० आर० सेठी	17-5-1963
15.	डा० बी० एन० पी० गुप्ता	20-5-1963
16.	डा० एम० सी० दासगुप्ता	1-11-1964
17.	डा० (श्रीमती) उषा किंव	1-1-1966
18.	डा० आर० के० जोशी	1-1-1966
19.	डा० जे० के० अग्रवाल	1-1-1966
20.	डा० आर० एस० राय	1-1-1966
21.	डा० ए० के० सरकार	1-1-1966
22.	डा० एस० एस० मैत्रा	1-1-1966
23.	डा० एस० डी० गुप्ता	1-1-1966
24.	डा० एस० बसु	1-1-1966
25.	डा० पी० विश्वास	1-1-1966
26.	डा० एम० बी० साखरे	1-1-1966
27.	डा० एम० बी० तांबे	1-1-1966
28.	डा० एस० सी० कपूरिया	1-1-1966
29.	डा० डी० बी० टिल्सू	11-1-1966
30.	डा० एस० सी० सिन्हा	1-1-1966
31.	डा० एच० बी० निरगुडकर	1-1-1966
32.	डा० बी० सिंह	1-1-1966
33.	डा० बी० पी० चौबे	1-1-1966
34.	डा० बी० डी० श्रीवास्तव	1-1-1966
35.	डा० (श्रीमती) ए० बी० यादव	1-1-1966
36.	डा० एम० सिंह	1-1-1966
37.	डा० आई० एस० चक्रवर्ती	1-1-1966
38.	डा० एस० पी० विश्वास	1-1-1966

क्रमांक	नाम	स्थायीकरण- तारीख	कम्पनी कार्य विभाग कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय
1	2	3	कम्पनी अधिनियम, 1956 और उत्कल कन्टेनेर्स एण्ड ट्रेडर्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में
39	डा० आर० एन० ठक्कर	1-1-1966	कटक, दिनांक 11 दिसम्बर, 1975
40	डा० जी० एल० जायसवाल	1-1-1966	सं० ए० 555/75-2589(2)—कम्पनी अधिनियम, की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है की उत्कल कन्टेनेर्स एण्ड ट्रेडर्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई।
41	डा० के० एल० बी० साहा	1-1-1966	कम्पनी अधिनियम, 1956 और एसोसिएटेड डिस्ट्रीब्यूटर्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में
42	डा० जी० एच० भाटिया	1-1-1966	कटक, दिनांक 11 दिसम्बर, 1975
43	डा० एम० के० गुप्ता	1-1-1966	सं० ए० 486/75—2588(2)—कम्पनी अधिनियम, की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि एसोसिएटेड डिस्ट्रीब्यूटर्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई।
44	डा० (श्रीमती) आई० सेठी	1-1-1966	
45	डा० एस० एम० चतुर्वेदी	1-1-1966	
46	डा० डी० आर० बापट	1-1-1966	
47	डा० बी० एन० खानापुरकर	1-1-1966	
48	डा० आर० डी० भडारी	1-1-1966	
49	डा० (श्रीमती) एस० भडारी	1-1-1966	
50	डा० डी० डी० अरोडा	1-1-1966	
51	डा० जे० जे० केलकर	1-1-1966	
52	डा० एस० डी० दीक्षित	1-1-1966	
53	डा० जी० डी० ठाका	1-1-1966	
54	डा० के० पी० मिह	1-1-1966	

ब० द० मेहरा
महाप्रबंधक

एस० एन० गुहा
कम्पनियों के रजिस्ट्रार, उड़ीसा

प्ररूप आई० टी० एम० एस०—

(1) रूबी कनस्ट्रक्शन को०

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) प्रकाश खन्ना

(अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

अर्जन रेंज I, कलकत्ता-16

कलकत्ता, दिनांक 27 दिसम्बर 1975

निदेश सं० टि० आर-9/सि० 9/कल-1/75-76—अतः मुझे,
एस० के० चक्रवर्ती
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० 75 सि० (यूनिट नं० 9ई) है तथा जो पार्क
स्ट्रीट कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, 5, गवर्नमेंट
प्लेस नार्थ कल० में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, दिनांक 9-5-1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उप-
धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

75C, पार्क स्ट्रीट कलकत्ता में अवस्थित, यूनिट नं० 9ई,
न तल्सा

एस० के० चक्रवर्ती

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, 54, रफी ग्रहमव किदवाई

रोड, कलकत्ता-16

तारीख : 27 दिसम्बर 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-I, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 27 दिसम्बर 1975

निदेश स० टि० आर.-10/सि-10/कल-I/75-76—यत मुझे, एस० के० चक्रवर्ती

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी स० 75सी (यूनिट नं० 5 बी) है तथा जो पार्क स्ट्रीट में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, 5 गवर्नमेंट प्लेस नार्थ कल० में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 9-5-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) रबी कनस्ट्रक्शन को

(अन्तरक)

(2) मन्जु पुरी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रमिसेज नं० 75सी, पार्क स्ट्रीट कलकत्ता में अवस्थित यूनिट नं० 5बी

एस० के० चक्रवर्ती

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

[अर्जन रेज-I, 54, रफी अहमद किदवाई रोड, कलकत्ता-16

तारीख: 27 दिसम्बर, 1975

मोहर :

प्ररूप सीई० टी० एन० एम०—

(1) मंत्री कन्स्ट्रक्शन क०

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) सिधराज भंडारी

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 27 दिसम्बर 1975

निदेश सं० टि० आर० 11/सि-11/कल-I/75-76— अत.
मुझे एस० के० चक्रवर्ती

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 75सी (यूनिट नं० 5ए) है तथा जो पार्क स्ट्रीट
कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाध्व अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, 5, गवर्नमे
न्ट नार्थ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, दिनांक 9 मई 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे
वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक
(अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में बर्ण-
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रिमिसेज नं० 75सी पार्क स्ट्रीट में अवस्थित पांच तल्ला में
यूनिट नं० 5ए।

एस० के० चक्रवर्ती

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, 54, रफी अहमद कदवाई रोड, कलकत्ता-16

तारीख : 27 दिसम्बर 1975

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 27 दिसम्बर 1975

निदेश सं० टि० आर०-12/ सि-12/कल०-1/74-75—अतः
मुख्य एस० के० चक्रवर्ती

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम,' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिस की सं० 7 है तथा जो किरण सकर राय रोड स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, 5 गवर्नमेन्ट प्लेस नया में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक 8 मई 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम'
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम',
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती सीता भिव

(अन्तरक)

(2) मन्सुराणी साहा

(अन्तरिती)

(3) (1) श्री सन्तोष कुमार दत्त (2) विश्वनाथ व सँकर
मुखी (3) देवबेटा (4) बलदेव सिंघवाल, (5) बद्री
सिंह (6) सीता राम कातगेबाणी (7) ओम प्रकाश
गुप्त (8) जी० एम० सिंह (9) मुसाफिर सिंह
(10) पि० के० दत्त (11) आई० एन० दास
(12) के० जी० बनर्जी (13) गोता डे (14)
मुखर्जी एण्ड को०, (15) कर सेन एण्ड को० (16)
होप जानस्टोन व सन्स (17) सीता सिंह (18)
भगवान दास (19) श्याम लाल (20) अर्जुन नायक
(21) डी० एन० सिंह

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा-
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

7 न० किरण सकर रोड कल-I में अवस्थित 2 कट्टा 15 छटाक
3 बग फीट जमीन पर तिन तल्ला भकान

एस० के० चक्रवर्ती

सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

54, रफीअहमद कदवाई रोड,

कलकत्ता-16

दिनांक 27 दिसम्बर 1975

मोहर .

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज I कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 27 दिसम्बर 1975

निर्देश सं० टि० आर०-18/मि-25/कल/75-76—अतः
मुख्य, एस० के० चक्रवर्ती

आयकर अधिनियम, 1961 (1961

का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त
अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन
सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० 11/6 है तथा जो क्रीस्टोफार रोड कल० स्थित है
(और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, 5 गवर्नमेन्ट प्लेस नया में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक 23 मई 1975 को पूर्वोक्त

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के
लिए अन्तरित की गई है और मुख्य यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था, या किया जाना चाहिए था,
छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अक्ष उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

3—416GI/75

1. (1) श्री बिजय कृष्ण प्रामाणिक

(2) लोकेश रन्जन प्रामाणिक

(अन्तरक)

2. दी इन्डो ब्रिटिश स्प्रिंग मैनुफैक्चरिंग कं०

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों
पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति
में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

11/6, क्रीस्टोफार रोड कलकत्ता में अवस्थित लगभग 6 कट्टा
6 छटाक 9 बर्ग फिट जमीन पर ईंट का मकान और एसबस्टोस का
घर।

एस० के० चक्रवर्ती

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता-16

दिनांक : 27 दिसम्बर 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 23 दिसम्बर 1975

निर्देश सं० राज० सहा० आयु० अर्जन/307/-यत मुझे
सी० एम० जैन

आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु० से अधिक है और जिस की स० प्लॉट न० 68 है तथा जो बीकानेर में स्थित है, (और उससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय बीकानेर में, रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 29 जुलाई 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री घनश्यामदास पुत्र श्री मूलचन्द अग्रवाल, निवासी
ढुङ्गा का मोहल्ला, बीकानेर
(अन्तरक)

(2) श्री छगनलाल पुत्र श्री मूलचन्द, निवासी नाहटो
का मोहल्ला, बीकानेर
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट न० 68 इन्डस्ट्रीयल गेरिया, गनी बाजार, बीकानेर पर स्थित मकान, जो और अधिक रूप से उप पत्रिका, बीकानेर द्वारा 29-7-1975 को क्रम संख्या 1285 बुक न० 1 वाल्यूम न० 291 पृष्ठ 27 से 32 पर पजीबद्ध दस्तावेज में विवरणित है।

सी० एम० जैन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जयपुर

दिनांक 23 दिसम्बर 1975
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, दिल्ली-1

4/14-ए, आसफ अली रोड, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 27 दिसम्बर 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० गार०-III/आई-1
(33)/758/75-76—यतः, मुसे च० वि० गुप्ते
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिस की सं० एस०-475 है, जो ग्रेटर कैलाश-II नई दिल्ली में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक 9-5-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पम्ब्रह् प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधि-
नियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम'
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती चन्द्रकान्ता भूषण, पत्नी श्री रामा कान्त
भूषण तथा श्रीमती भागवतीदेवी भोगरा, सभी निवासी
41-5/4 सिंह मभा रोड, दिल्ली-7
(अन्तरक)

(2) श्री अमरीत लाल कपूर, सुपुत्र श्री बिहारी लाल कपूर,
एफ 5 ग्रीन पार्क एक्सटेंशन, नई दिल्ली-16
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

एक प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 557 वर्ग गज है और नं० 475,
ब्लॉक नं० 'एस' है तथा जोकि निवासी कालोनी ग्रेटर कैलाश-II,
बाहापुर गांव, दिल्ली की यूनियन टैरीटरी में निम्न प्रकार से स्थित
है :—

पूर्व—रोड

पश्चिम—गर्विस लेन

उत्तर—प्लॉट नं० एस-473

दक्षिण—प्लॉट नं० एस-477

च० वि० गुप्त

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज— 1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक : 27 दिसम्बर 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, दिल्ली-1

4/14-ए, आसफ अली रोड, नई दिल्ली ।

नई दिल्ली, दिनांक 27 दिसम्बर 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर०-III/747
(19)/75-76—यतः, मूमे, चं० वि० गुप्ते,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० एल-18 है, जो कैलाश कालौनी, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 5-5-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तित्वों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री शाबु प्रेम चन्द भागवानी, सुपुत्र स्वर्गीय श्री प्रेम चन्द भागवानी, इनके जनरल एटार्नी निहाल चन्द हंसरन भागवानी, सुपुत्र स्वर्गीय श्री हंसरन तेलारामा भागवानी के द्वारा 3, सीलवर सोसाईटी, प्लॉट नं० 23, नार्थ साउथ रोड नं० 10, जुहू स्कीम, बम्बई-5400058 (अन्तरक)

(2) श्रीमती आशा जोहरी, पत्नी कैप्टन सी० एम० जोहरी, 1659, मोहन मैनसन, काशमीरी गेट, दिल्ली-6 (अन्तरिती)

(3) श्री श्रीचन्द रायसिगानी (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

पहली मंजिल जिसमें तीन कमरे हैं और रसोई, स्नानघर, पखाना है और आगे तथा पीछे वारान्दा जिन का कुल क्षेत्रफल 698.5 वर्ग फुट है जिसके साथ में सीढ़ियां हैं क्षेत्रफल 114.41 वर्ग फुट है तथा दूसरी मंजिल पर बरसाती है जिसमें एक कमरा, एक स्टोर, रसोई, स्नानघर तथा पखाना है जोकि प्लॉट पर जिसका क्षेत्रफल 200 वर्ग गज है तथा नं० एल-18, कैलाश कालौनी, नई दिल्ली में दिल्ली नगर निगम के क्षेत्र के अन्तर्गत निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व—रोड

पश्चिम—अन्य भूमि

उत्तर—प्लॉट नं० एल-17

दक्षिण—प्लॉट नं० एल-19

चं० वि० गुप्ते

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज—1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक : 27 दिसम्बर 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

नई दिल्ली अर्जन रज 1, दिल्ली-1

4/14 ए, आसफ अली रोड, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 27 दिसम्बर 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस आर-III/मार्च-1/
738(1)/75-76—यत, मुझे, च० वि० गुप्ते,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी म० एन-5 है, जो ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली में स्थित
है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 2 मई
1975

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या,

(ख) ऐसी किसी आय या किमी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री जगदीश चन्द्र आनन्द, सुपुत्र श्री शिव दयाल आनन्द,
मकान नं० बी-74, कालकाजी, नई दिल्ली
(अन्तरक)

(2) श्री अमरजीत सिंह, सुपुत्र श्री अजीत सिंह जोहर,
सी-139, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिये कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट की भूमि का क्षेत्रफल 309 वर्ग गज है और न० 5,
ब्लॉक नं० 'एन' है तथा जोकि निवासी कालोनी ग्रेटर कैलाश-1
याकुतपुर गांव, दिल्ली की यूनियन टैरीटरी, दिल्ली नगर निगम के
क्षेत्र में निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व—प्लॉट न० एन-7

पश्चिम—प्लॉट न० एन-3

उत्तर—रोड

दक्षिण—सर्विस रोड

च० वि० गुप्ते
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज—1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक : 27 दिसम्बर 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज—1, दिल्ली-1

4/14-ए, आसफ अली रोड़, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 27 दिसम्बर 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस आर-III/मई-11/
770(1)/75-76—यतः, मुझे, च० वि० गुप्ते,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),

की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिस की सं० बी-79 है, जो डिफेंस कलोनी, नई दिल्ली में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक 17-5-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित
बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री टी० दास गुप्ता, सुपुत्र श्री पी० सी० गुप्ता, 45,
टूफ ब्यू, कलकत्ता

(अन्तरक)

(2) 1. डा० स्वर्णसिंह पाल, सुपुत्र श्रीएस०गुरदियालसिंह
2. श्रीमती सावीत्री देवी, पत्नी डा० स्वर्ण पाल
निवासी 66, जोर बाग, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

लीजहोल्ड प्लॉट की भूमि जिसका क्षेत्रफल 325 वर्ग गज है
और नं० बी-79 है तथा जोकि डिफेंस कलोनी, नई दिल्ली-24 में
वह सभी अधिकारों, मूनाफों, रास्तों सहित स्थित है।

च० वि० गुप्ते

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज—1 दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 27-12-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269(घ) (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज 1, दिल्ली-1

4/14-ए, आसफ अली रोड़, नई दिल्ली।

नई दिल्ली, दिनांक 27 दिसम्बर 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर०-III/700
ए/75-76-यतः, मझे, चं० वि० गुप्ते,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी सं० 2-प्लैट (1 तथा 4) जोकि निम्न तथा प्रथम
मंजिल पर प्लॉट नं० 11 तथा 12 पर, ब्लॉक नं० 48,
सरदार पटेल रोड़, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायद्ध
अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन दिनांक 22 मई 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के
लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) मै० मलचा प्रापरटीस लि०, 19, नेताजी सुभाष
रोड़, कलकत्ता-1

(अन्तरक)

(2) मै० नेशनल एण्ड ग्राइन्डलेस बैंक लि०, जोकि ग्राइन्डलेस
बैंक के नाम से जाना जाता है, 19, नेताजी सुभाष
रोड़, कलकत्ता-1

(अन्तरिती)

(3) मै० नेशनल एण्ड ग्राइन्डलेस बैंक लि०, जोकि ग्राइन्डलेस
बैंक के नाम से जाना जाता है, 19, नेताजी सुभाष
रोड़, कलकत्ता

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामोल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दो प्लैटस (1 तथा 4) जोकि पहली और चौथी मंजिल पर,
प्लॉट नं० 11 और 12 ब्लॉक नं० 48 है और जोकि सरदार
पटेल मार्ग, नई दिल्ली में है तथा जिसमें आधी नीचे की सीमा भी
है, और जिसको दीवारें तथा गैरेज सभी सेल डीड के अनुसार है
तथा जोकि 30-12-74 को लिखी गई थी मै० मलचा प्रापरटीज
लि० कलकत्ता तथा मै० नेशनल एण्ड ग्राइन्डलेस बैंक लि०,
कलकत्ता के बीच है।

च० वि० गुप्ते

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज 1/2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 27-12-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज 1, दिल्ली-1

4/14-ए, आसफ अली रोड, नई दिल्ली।

नई दिल्ली, दिनांक 27 दिसम्बर 1975

निर्देश सं० आई०ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर०-III/706-ए/
75-76--यतः मुझे, च० वि० गुप्ते

आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० एक प्लेट नं० 2 निचली मंजिल में जिसका प्लॉट नं० 11, और 12, ब्लाक नं० 48 है, जो सरदार पटेल चौक, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 27 मई 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

ततः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) मै० मालचा प्रोपर्टीज लि०, 19, नेताजी सुभाष मार्ग, कलकत्ता

(अन्तरक)

(2) मै० गिलैन्डर्स आरबुटनाट कं० लि० गिलैन्डर हाउस, नेताजी सुभाष मार्ग, कलकत्ता

(अन्तरिती)

(3) मै० गिलैन्डर्स आरबुटनाट कं० लि०, गिलैन्डर हाउस, सुभाष मार्ग, कलकत्ता

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 11 और 12, सरदार पटेल मार्ग (ब्लाक नं० 48) पर बनी हुई बिल्डिंग में निचली मंजिल पर का एक प्लेट, जिसकी संख्या 2 है, एक गैरज और चार आउटहाउस के साथ और जिसका पूरा व्यौरा दिनांक 30 दिसम्बर 1974 में जो सैल-डीड, मालचा प्रोपर्टीज और गिलैन्डर्स आरबुटनाट कं० लि० के बीच में हुआ था उसकी दूसरी अनुसूची में दिया गया है।

च० वि० गुप्ते

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 27 दिसम्बर 1975

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा,
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 दिल्ली-1

4/14-ए, आसफ अली रोड, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 27 दिसम्बर 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० 1/एस आर 3/692ए
(1953)/75-76—यत्ने, मुझे च० वि० गुप्ते
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० प्लॉट नं० 3 जो कि पहली मंजिल प्लॉट नं० 11,
12, ब्लॉक नं० 48 है, जो सरदार पटेल रोड, नई दिल्ली में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 21 मई
1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के

उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्त-
रको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के
अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे
बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य
आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम,
1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

4-416GI/75

(1) मै० आलका प्रोपर्टीज लि० 19 नेताजी सुभाष मार्ग
कलकत्ता

(अन्तरक)

(2) मै० आई० सी० आई० (इंडिया) प्रा० लि० 34
चौरंगी रोड, कलकत्ता

(अन्तरिती)

(3) मै० आई० सी० आई० इंडिया प्रा० लि० 34, चौरंगी
रोड, कलकत्ता

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्रवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों
पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 3 जो कि पहली मंजिल प्लॉट नं० 11 और 12,
ब्लॉक नं० 48 सरदार पटेल मार्ग, नई दिल्ली में है जिसमें आधी
नीचे की सीमा भी है और जिसकी दीवारें तथा गैरेज सभी सेल
डीड के अनुसार है जो कि 30 दिसम्बर 1974 को लिखी गई थी
मै० आलका प्रोपर्टीज लि० तथा मै० आई० सी० आई० लि० के
बीच।

च० वि० गुप्ते

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 27-12-75

मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 27 दिसम्बर 1975

सं० आर० ए० सी० 216/75-76—यतः, मुझे, के० एम०
बेंकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 15-7-553 बेगम बाजार है, जो हैदराबाद में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक 30 मई 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्रीमती जमीलुनीसा बेगम पती मेजर महमद असीम
मीर्जा 8-2-401/1 रोड नं० 5 बसजाराहील, हैदराबाद
(अन्तरक)

(2) श्री नारायणलाल यादव पिता मूनालाल यादव
15-7-553 बेगम बाजार हैदराबाद
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिये कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति-मालगी नं० 15-7-553 नीचे का तल्ला बेगम बाजार,
हैदराबाद

के० एम० बेंकट रामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 27 दिसम्बर 1975
मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज -II अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 19 दिसम्बर 1975

निवेश सं० 271/ए० सी० ब्यू० 23-612/7-4/75-76—

अतः मुझे पी० एन० मिस्तल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० सर्वेनं० 623/2 कुल माप 9801 वर्ग फुट है, तथा
जो स्टेशन रोड, गिरिराज थियेटर के पास, नवसारी में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, नवसारी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 12 मई 1975 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति
के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रति-
फल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री छोदु भाई नारनजी पटेल तथा ठाकोर भाई ललुभाई
पटेल दोनों गिरिराज एक्जीहीबीटर्स प्रा० लि०
नवसारी के डायरेक्टर (अन्तरक)

(2) मे० गिरिराज एपार्टमेंट्स को० प्रा० हाउसिंग
सोसायटी की ओर से उसके प्रमुख: जगूभाई डाह्या
भाई पटेल सेक्रेटरी डाह्या भाई राम भाई पटेल
गिरिराज थियेटर के पीछे नवसारी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका सर्वेनं० 623/2 कुल माप एकड़ 0.09
गुथा अर्थात् 9801 वर्ग फुट है तथा जो गिरिराज थियेटर के पीछे
नवसारी में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नवसारी के
मई 1975 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 421 में प्रवर्णित है।

पी० एन० मिस्तल

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

दिनांक : 19 दिसम्बर 1975

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—4—

आवक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-II अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 19 दिसम्बर 1975

निवेश सं० 272/ए० सी० ब्यू० 23-613/6-1/75-76—
अतः, मुझे पी० एन० मित्तल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० रे० सं० नं० 432/62 कुल माप 5500 वर्ग फुट
है तथा जो बड़ोदा कसबा, सयाजी गंज, जेतलपुर रोड, विश्वास
कालोनी के पीछे, बड़ोदा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
बड़ोदा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के
अधीन, दिनांक 16 मई 1975 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्नाह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री सुभन बेंन वृंजलाल मेहता, बम्बई श्रीमती प्रभावती
दलपतलाल मेहता, बम्बई पावर आफ एटार्नी डा०
आनंद लाल बापालाल कोठारी 2, सम्पतराव कालोनी,
बड़ोदा

(अन्तरक)

(2) डा० विजय चन्द्रकान्त वयास डा० दशर्मा विजय
व्यास मार्फत श्री भास्करभाई पी० विन, 7 विजय
सोसायटी, बड़ोदा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधि-
नियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जो बड़ोदा कसबा, सयाजी गंज एरिया, जेतलपुर
रोड विश्वास कालोनी बड़ोदा के पीछे है जिसका रे० सर्वे नं०
532/62 और कुल माप 5500 वर्ग फुट है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी, बड़ोदा के मई 1975 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3103
में प्रदर्शित है।

पी० एन० मित्तल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

दिनांक : 19 दिसम्बर 1975
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) (1) अनिमा दास गुप्त

(2) माधुरी दास गुप्त

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री दिलीप दास गुप्त

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 29 दिसम्बर 1975

निदेश सं० टि-अमू-23/सि-20/कल०-I/75-76—अतः मुझे,
एस० के० चक्रवर्ती,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम'
कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और
जिसकी सं० 38 (साउदर्न पार्ट) है तथा जो श्रीक टी० कलकत्ता
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, 5 गवर्नमेंट
प्लेस नार्थ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, दिनांक 28 मई 1975 को
सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, या छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

38 श्रीक रो० (वर्तमान 37ए, महेन्द्र सरकल स्ट्रीट कल०)
में अवस्थित आंशिक दो और तीन तल्ला मकान जो 3 कट्ठा 5
छंटाक 20 वर्ग फीट जमीन पर अवस्थित उसका 1/3 हिस्सा।

एस० के० चक्रवर्ती
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, कलकत्ता-16

दिनांक : 29 दिसम्बर 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 29 दिसम्बर 1975

निदेश सं० टि० आर-22/सि-19/कल-I/75-76—अतः
मुझे, एस० के० चक्रवर्ती,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43),
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 38 (साउदर्न पार्ट) है तथा जो श्रीक रो, कल०
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, 5 गवर्नमेंट प्लेस
नार्थ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, दिनांक 28 मई 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) (i) अनिमा दास गुप्त
(ii) माधुरी दास गुप्त

(अन्तरक)

(2) मायाराणी सेन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाप में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

38 श्रीक रो, कलकत्ता में अवस्थित (वर्तमान 37ए महें
सरकार स्ट्रीट) 3 कट्टा 5 छटाक 28 वर्ग फीट जमीन पर आंशिक
दो और तीन तल्ला मकान का 1/3 हिस्सा।

एस० के० चक्रवर्ती
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I,
54, रफीग्रहमद किववाई रोड़,
कलकत्ता-16

दिनांक : 29 दिसम्बर 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 29 दिसम्बर 1975

निर्देश सं० टि-आर-19/सि-26/कल०-I/75-76—अतः मुझे, एस० के० चक्रवर्ती,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 5 है तथा जो लिटल रासेल स्ट्रीट कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, 5 गर्बर्नमेंट प्लेस नार्थ म, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 23 मई 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती रामप्यारी तेजापाल

(अन्तरक)

(2) श्री निर्मल कुमार झुनझुनवाला

(अन्तरिती)

(3) मैसर्स एन० के० इनवेस्टमेंट

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अग्रेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-फ में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

5, नं० लिटल रासेल स्ट्रीट पर अवस्थित 15 कट्टा 3 छटाक 20 वर्ग फीट जमीन पर एक निवास का मकान

एस० के० चक्रवर्ती,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, कलकत्ता-16

तारीख : 29 दिसम्बर 1975

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एम०एस०—

- (1) (i) अनिमा दासगुप्ता
(ii) मधु दास गुप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

(अन्तरक)

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

- (2) अन्नम दास गुप्त

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I कलकत्ता-16

कलकत्ता, दिनांक 29 दिसम्बर 1975

निदेश सं० टि-आर-21/सि-18/कल०I-75-76—अतः मुझे,

एस० के० चक्रवर्ती,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 38 (साउदर्न पार्ट) है तथा जो श्रीक रो, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, 5 गवर्नमेंट प्लेस नार्थ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 28 मई 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए

अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों), और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

38 श्रीक रो (साउदर्न पार्ट) वर्तमान 37 ए, महेन्द्र सरकूम स्ट्रीट पर अवस्थित है 3 कट्टा 5 छटाक 28 वर्ग फीट जमीन पर आंशिक दो और तीन तल्ला मकान का 1/3 हिस्सा।

एस० के० चक्रवर्ती,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, कलकत्ता-16

दिनांक : 29 दिसम्बर 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, ज्योती बिल्डिंग,

गोपल प्रभु रोड, एरणाकुलम, कोच्चिन-II

कोचीन-II, तारीख 24 दिसम्बर 1975

निर्देश सं० 52/75/76—यतः मुझे एं० ए०, कुरुप, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो पालघाट पिला में पोरउट पंचायत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय ओट्टपालम् में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 10-7-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् —

- 1 (i) श्री लोनप्पन, पाऊलोस के पुत्र, कोण्डाक्टर, तलपत्त हाउस, इरिपालकुडा, मुकुन्दपुरम तालुका
- (ii) पोली, लोनप्पन के पुत्र, तलियत हाउस, इरिजाल कुंडा, मुकुन्दपुरम तालुका, (iii) देवस्मी, पाऊलोस के पुत्र, कोण्डाक्टर, अलुकल हाउस, इरिजाल कुंडा, मुकुन्दपुरम तालुका (iv) जोसफ देवस्मी के पुत्र, कोण्डाक्टर, अलुकल हाउस, गिरिजाल

कुंडा, मुकुन्दपुरम तालुका (v) जोसफ, औसेफ के पुत्र, कोण्डाक्टर, उक्कत हाउस, इरिजालकुडा मुकुन्दपुरम (vi) तोमस, बरियत के पुत्र, यनाउत हाउस, कक्कट्टी, कोतकुलगरा, नोर्त्त विलेज, अलवाय तालुका (vii) शेम्कुट्टी, श्री तोमस की पत्नी, पयनोउत्त हाउस, कक्कट्टी, कोतकुलगरा नोर्त्त विलेज, अलवाय तालुका (viii) ग्रीगिला, श्री पोल की पत्नी, कन्नामी हाउस, इरिपालकुडा, मनवालदोरी, मुकुन्दपुरम तालुका (ix) पोल, (x) आनरणी के पुत्र, पोरतूकारन हाउस, मनवालदोरी विलेज, मुकुन्दपुरम तालुका (xi) देवस्मिकुट्टी, आनरणी (xii) के पुत्र, पोरतूकारन हाउस, मनवालदोरी विलेज, मुकुन्दपुरम तालुका। (अन्तरको)

2 (i) श्री पी० के० राजन, प्रोप्रेटर, दि० लक्ष्मी पिक्चर पालम, ओट्टपालम्।

(ii) श्रीमती शान्त कुमारी अल्का पार्टनर, दि० थोरन्कर टैल वर्क्स, बोरनूर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या नत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पालघाट जिला, ओट्टपालम् तालुका क पोरउट पंचायत में सर्वेक्षण सं० 27अ/7, 27अ/8, 27अ/9, 29/12, 29/13, 27अ/11, 27अ/12, 27अ/6, 27अ/2, 27अ/3, 27अ/5, 28/3, 27अ/10, 27अ/4, 28/1, 28/2, 27बी/2, 34/2, 27बी/1, 27बी/3, 27/3, 27/7, 27बी/7, 27बी/5, 27/5, 27बी/9, 27/9 27बी/4, 27/4, 48बी/16, 48/16, 48बी/17, 48/17, 48बी/18 48/18, के अन्तर्गत मकानों में आयुक्त 11 एकड़ भूमि।

ए० ए० कुरुप

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज एरणाकुलम

तारीख 24-12-1975

मोहर :]

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 27 दिसम्बर 1975

सं० आर० ए० सी० 217/75-76—यतः मुझे के० एस०
वेंकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम, कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 15-7-554

बेगम बाजार है, जो हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन 30-5-75 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर
अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्रीमती अमीलुनीसा बेगम पती मेजर महमद असांम
मीरजा एच० नं० 8-2-401/1 बनजाराहील्स रोड नं०-
5 हैदराबाद। (अन्तरक)।

(2) श्री शनकरलाल यादव पिता मुनालाल यादव,
15-7-554 बेगम बाजार, हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

के० एस० वेंकटरामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज, हैदराबाद

दिनांक : 27-12-1975
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

60/61 एरंडवना, कर्वे रोड, पूना 411004

दिनांक 30 दिसम्बर, 1975

निवश सं० सी० ए०/मैं 75/हवेली-II (पूना) 259/75-76-यत० मुझे, एच० एस० श्रीलक्ष्म

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे क्र० 260/4, नया 1154-ए, सदाशिव पेठ, पूना-30, है जो सदाशिव पेठ, पूना में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हवेली II (पूना) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 12-5-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह से प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- 1 (1) श्री जगन्नाथ गोपाल रानडे
- (2) श्रीमति निर्मला जगन्नाथ रानडे
- (3) श्री प्रकाश जगन्नाथ रानडे
- (4) श्री प्रदीप जगन्नाथ रानडे

नया 1154 सदाशिव पेठ, पेरुगेट के नजदीक, पूना 30 (अन्तरक)

- 2 रानडे बाबा सहकारी गृहचरणा संस्था मर्यादित, चेन्नमैन श्रीमति प्रतिभा राज सोमण नया 1154-ए सदाशिव पेठ, पूना-30 (अन्तरिती)।

बिल्डिंग क्र० 1

- (1) श्री राजाराम महादेव श्रुधि
- (2) श्री नारायण सुब्बराव कानेटकर
- (3) सी०, कोमुदी चंद्रकांत करंदीकर,
- (4) श्रीमति सुलभा रा० कांके

- (5) श्री कृष्णाजी केशव पुराणिक
- (6) श्री कमलाबाई महादेव गोगट,
- (7) श्री नागेश सदाशिव लिभगे,
- (8) श्री नारायण गणपत बस्तीमने
- (9) सी. प्रतिभा नारायण सोमण
- (10) सी० नीतामदन उहाणकर
- (11) श्री गजानन सुब्बराव कुमठेकर
- (12) सी० हविराबाई रामचंद्र कट्टी

बिल्डिंग क्र० 2

- (13) श्री नारायण गोपाल पटवर्धन
- (14) श्री पदमाकर गंगाधर काले
- (15) श्री जगन्नाथ गोपाल रानडे
- (16) सी० निर्मला शिवराम साने
- (17) सी० वसुंधरा अनंत कुलकर्णी
- (18) डा० यशवंत भास्कर परांजये
- (19) श्री अमृतराव त्रिबंक जोशी
- (20) श्री माधव अनंत पेंडसे
- (21) श्री यशवंत महादेव डोले

सभी रहने वाले 1154-ए० सदाशिव पेठ, पूना-30, (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्री होल्ड जमीनका टुकड़ा—क्षेत्रफल 602.94 वर्ग मीटर से सिटी सर्वे क्र० 260/4 नया 1154-अ० सदाशिव पेठ, पूना-30 और इसके ऊपर बांध हुआ दो, चार इमलेकी इमारत [एम० श्री० एस० (बॉईज) हाईस्कूल, के सामने पूना], बांधी हुआ 1971 1972 और 1973 में

बिल्डिंग क्र० 1—बांधा हुआ प्लीथ एरीया प्रत्येक इमले की 2530 वर्ग फीट

बिल्डिंग क्र० 2—बांधी हुई प्लीथ एरीया प्रत्येक इमले की 1705 वर्ग फीट।

(जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख क्र० 973 में 1975 में सबरजिस्टर, हवेली-II (पूना) के दफ्तर में लिखा है)।

एच० एस० श्रीलक्ष्म

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

दिनांक 30 दिसम्बर, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 29 दिसम्बर 1975

निर्देश सं० सी० एच० टी०/40/75-76—यतः मुझे विवेक प्रकाश मिनोचा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० रिहाईशी प्लॉट क्षेत्रफल 2 कनाल न० 5 के नया न० 2170 है तथा जो सैक्टर 15-सी चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जून, 1975। को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री जगदर्शन सिंह, पुत्र श्री जसवंत सिंह, गांव बारिगा खेड़ा, जिला फरीदकोट। (अन्तरक)
2. श्री जोगिंदर सिंह, पुत्र श्री नारायण सिंह, मकान न० 622, सैक्टर 11-बी, चण्डीगढ़। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

रिहाईशी प्लॉट क्षेत्रफल 2 कनाल न० 5-के नया न० 2170 सैक्टर 15-सी० चण्डीगढ़।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख न० 271 जून, 1975 का रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय में लिखा है।)

विवेक प्रकाश मिनोचा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

दिनांक: 29 दिसम्बर 1975

मोहर:

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 29 दिसम्बर 1975

निर्देश सं० सी० एच० डी०/224/75-76—यतः मुझे,
विवेक प्रकाश मिनोचा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961

का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 1/3 भाग मकान नं० 1125 है तथा जो सैक्टर 21-बी, चण्डीगढ़, में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुलाई, 1975 जा

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि अथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण से, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री कृष्ण देव सिंह, पुत्र श्री रघुनाथ सिंह, मकान नं० 1908, सैक्टर 22-बी, चण्डीगढ़ । (अन्तरक)

2 (i) श्री सत पाल सिंह, पुत्र श्री ज्ञान सिंह, निवासी 1220 सैक्टर 22-बी चण्डीगढ़ ।

(ii) श्री रनवीर सिंह, पुत्र श्री रघुनाथ सिंह, 1908 सैक्टर 22-बी, चण्डीगढ़ । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

1/3 भाग मकान नं० 1125, सैक्टर 21-बी चण्डीगढ़

विवेक प्रकाश मिनोचा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़ ।

दिनांक : 29 दिसम्बर, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 29 दिसम्बर 1975

निर्देश सं० सी० एच० टी०/331/75-76—यतः, मुझे,
विवेक प्रकाश मिनोचा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा
गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० सी० एफ० न० 3 है तथा जो सैक्टर 27-डी
चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख अगस्त, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसका
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, 'उक्त अधि-
नियम', के अधीन कर देने के
अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने
में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

- 1 (i) श्री सरबजीत सिंह पुत्र श्री परान सिंह
(ii) श्री दर्शन सिंह, पुत्र श्री करतार सिंह
(iii) श्री जसवीर सिंह, पुत्र श्री जगत सिंह
उनके मुक्तयार श्री बलराज सिंह पुत्र श्री दर्शन सिंह निवासी
116 सैक्टर 9-बी, चण्डीगढ़ द्वारा (अन्तरक)
- 2 श्री श्याम सिंह पुत्र श्री सोहन सिंह निवासी मकान न० 6
सैक्टर 16-ए, चण्डीगढ़ (अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा-
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

गाप कम प्लॉट न० 3, सैक्टर 26-डी चण्डीगढ़।

विवेक प्रकाश मिनोचा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, चण्डीगढ़

दिनांक 29 दिसम्बर 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 1 जनवरी, 1976

निर्देश सं० ज० जी० आर०/1/75-76---अतः मुझे, विवेक प्रकाश मिनोचा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसका भूमि क्षेत्रफल 100 कनाल 6 मरले (6/7 भाग 117 कनाल) है तथा जो गांव कीरी, तहसील जगरी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जगरी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री अमर सिंह, पुत्र श्री हरनाम सिंह उरफ घोना सिंह, गांव कीरी तहसील जगरी (अन्तरक)
2. (i) श्री एकबाल सिंह पुत्र श्री निरंजन सिंह, गांव नखत पुरा, तहसील मोगा।
(ii) श्रीमति करतार कौर पुत्री श्री अनोख सिंह, गांव सिधवां कलां
(iii) श्री तरलोचन सिंह, पुत्र श्री इन्द्र सिंह, गांव सिधवां कलां, तहसील जगरी। (अन्तरिती)।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 100 कनाल 6 मरले (6/7 भाग 117 कनाल) खाता नं० 54/73, त्रिकोन 4, किला 9, 10, 11, 12, 19, 20, 21, 22 त्रिकोन 3, किला 6, 15, 16, 25—त्रिकोन 5, किला 1, 2—त्रिकोन 6, किला 5, जमाबन्दी 1970-71, गांव कीरी तहसील जगरी

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 448 मई, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जगरी के कार्यालय में लिखा है 1)

विवेक प्रकाश मिनोचा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 1 जनवरी, 1976
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 1 जनवरी 1976

निर्देश सं० जे० जी० आर०/6/75-76—अतः मुझे, विवेक प्रकाश मिनोचा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं 38 कनाल 14-1/2 मरले भूमि तथा जो गालिव कला, तहसील जगरौ में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिम्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1 श्री जोगिंदर सिंह, पुत्र श्री राम सिंह गांव गालिव कला, तहसील जगरौ (अन्तरक)

2 (i) श्री सर्वन सिंह
(ii) श्री दर्शन सिंह } पुत्र श्री मुख्तयार सिंह
(iii) श्री चरन जीत सिंह, } निवामी गांव गालिव कला, तहसील जगरौ (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निम्नलिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसखी

भूमि क्षेत्रफल 38 कनाल 14-1/2 मरले जो कि गांव गालिव कला तहसील जगरौ में स्थित है।

जमाबंदी 1956-57

त्रिकोन 18 किला 13, 18, 19, 22, 2 मिन=त्रिकोन 109

किला 22/1, मिन और 23/2 मिन=खाता 48/61-

46/58-471/610

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत केविलेख नं० 711 मई 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकाारी जगरौ के कार्यालय में लिखा है)।

विवेक प्रकाश मिनोचा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 1 जनवरी, 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम० -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 1 जनवरी 1976

निर्देश सं पी०टी०ए/627/75-76-अतः मुझे, विवेक प्रकाश
मिनोचा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जमीन की संकुचि भूमि क्षेत्रफल 56 कनाल 12 मरले है तथा जो गांव
चरसन, तहसील पटिआला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
पटिआला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख जून, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक
के बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का
27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः—

6-416 GI/75

1 (i) श्री धर्म सिंह पुत्र श्री निहाल सिंह
(ii) श्रीमति प्रीतम कौर पत्नी श्री धर्म सिंह निवासी
गांव जहागीर, तहसील अमृतसर (अन्तरक)

2 (i) श्री अजीत सिंह } पुत्र श्री हजारा सिंह,
(ii) श्री गुरदीप सिंह }
(iii) श्री परगन सिंह, पुत्र श्री धर्म सिंह भगता वाला गेट,
अमृतसर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-अ में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 56 कनाल 12 मरले जो कि गांव चरसन तहसील
पटिआला में स्थित है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं 1587 जून, 1975 को
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी पटिआला के कार्यालय में लिखा है)।

विवेक प्रकाश मिनोचा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 1 जनवरी 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 1 जनवरी 1976

निर्देश सं० जे०जी०आर०/577/75-76—अतः मुझे विवेक प्रकाश मिनोचा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और ज़मीन की सं० भूमि क्षेत्रफल 62 कनाल 3-1/2 मरले (1/2 भाग 124 कनाल 7 मरले) है तथा जो गांव चक्कर, तहसील जगरी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जगरी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, घर्षितः—

1. श्री दलबारा सिंह पुत्र श्री खीवा सिंह निवासी गांव चक्कर तहसील जगरी (अन्तरक)

2. श्रीमति बचन कौर पत्नी श्री दलबारा सिंह निवासी गांव चक्कर, तहसील जगरी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्तबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 62 कनाल 3-1/2 मरले (1/2 भाग 124 कनाल 7 मरले) जो कि गांव चक्कर तहसील जगरी में स्थित है।

खता नं० 534/600, 535/601, 536/602. 1097/1229 1098/1230,

त्रिकोन नं० 49, किला नं० 16/2, 17/2, 24/1, 24/2, 25,

त्रिकोन नं०, 48 किला नं० 21-22/1

त्रिकोन नं० 67, किला नं० 4/1, 4/2, 4/5, 4/3, 4/4

त्रिकोन नं० 68, किला नं० 1-2-9/1-10/1, खसरा नं० 362-855,

त्रिकोन नं० 199, किला नं० 4/2, 7, 14/2, 15, 5/2, 6,

त्रिकोन नं० 200, किला नं० 1/2, 10, 110, भूमि 1/2, एम०, 1/4 भाग भूमि 2 एम०

खता नं० 537/603, खसरा नं० 955/1, (गैरमुमुकिन मराह, जमाबन्दी साल 1973-74)

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 1797 जून, 1975 को रजिस्ट्रीकृत अधिकारी जगरी के कार्यालय में लिखा है।)

विवेक प्रकाश मिनोचा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 1 जनवरी 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 1 जनवरी, 1976

निर्देश स० जेजीआर०/75-76—अतः मुझे, 'विवेक प्रकाश मिनोचा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसका भूमि क्षेत्रफल 62 कनाल 3-1/2 मरले है तथा 1 गांव चक्कर, तहसील जगरी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जगरी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

1 श्री दलबारा सिंह, पुत्र श्रीखीवा सिंह निवासी गांव चक्कर, तहसील जगरी (अन्तरक) ।

2 श्रीमति जसवन्त कौर पत्नी श्री गुरदेव सिंह निवासी चक्कर, तहसील जगरी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 62 कनाल 3-1/2 मरले (1/2 भाग 124 कनाल 7 मरले)

खता न० 534/600, 535/602, 536/602, 1097/1229, 1098/1230

त्रिकोन न० 49, किला न० 16/2 17/2, 24/1, 24/2,

25 ।

त्रिकोन न० 48, किला न० 21, 22/1, त्रिकोन न० 67, किला न० 4/1, 4/2, 4/5, 4/3, 4/4, त्रिकोन न० 68, किला न० 1-2-9/1-10/1 खसरा न० 322-855, त्रिकोन न० 199, किला न० 4/2-7-14/2-15-5-6, त्रिकोन न० 200 किला न० 1/2-10-110,

भूमि 1/2 एम, 1/4 भाग भूमि 2 एम, खता न० 537/603 खसरा न० 955/1, जमाबन्दी साल 1973-74 गांव चक्कर, तहसील जगरी

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विवेक न० 1799, जून, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जगरी के कार्यालय में लिखा है ।)

विवेक प्रकाश मिनोचा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, चण्डीगढ़

तारीख 1 जनवरी, 1976

मोहर .

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 1 जनवरी 1976

निर्देश सं० आर० के० टी०/205/75-76—अतः मुझे
विवेक प्रकाश मिनोवा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसका कृषि भूमि क्षेत्रफल 42 कनाल है तथा जो राय-
कोट, जिला लुधियाना में स्थित है (और इसमें उपावृत्त अनुसूची
में पूर्ण और रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
रायकोट में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख जून, 1975 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे
अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, विधान में सुविधा
के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री शिवदेव सिंह, पुत्र श्री मरदारा सिंह निवासी
रायकोट, तहसील जगरौ

(अन्तरक)

(2) (i) श्री बलवन्त सिंह, (ii) श्री शमशेर सिंह, पुत्र
श्री अर्जुन सिंह, निवासी बुरज हकीम

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा-
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

कृषि भूमि 42 कनाल 17 मर्ले जोकि रायकोट जिला लुधि-
याना में स्थित है ।

जमाबन्दी 1973-74

खाता नं० 2199/2360, 2197/1, 2360/1

खसरा नं० 239/7/2, 14, 16, 17, 25/2, 242/5/2,
240/10, 11, 19/2, 20, 21, 22/1, 241/1/1, 2/1,
239/26

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 706 जून 1975 को
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी रायकोट के कार्यालय में लिखा है ।)

विवेक प्रकाश मिनोवा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, चण्डीगढ़

दिनांक : 1 जनवरी 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 1 जनवरी 1976

निर्देश सं० आ० के० टी०/206/75-76—प्रत. मुझे विवेक
प्रकाश मिनीचा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० कृषि भूमि क्षेत्रफल 42 कनाल, 16 मरले है तथा
जो रायकोट, जिला लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, रायकोट में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य
से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, 'उक्त
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उप-
धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री शिवदेव सिंह, पुत्र श्री सरदारा सिंह, निवासी
रायकोट, तहसील जगरौं

(अन्तरक)

(2) (i) श्री बलबन्त सिंह, (ii) श्री शमशेर सिंह,
पुत्र श्री अर्जन सिंह, निवासी बुरज हकीम

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45
दिन की अवधि तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्रफल 42 कनाल 16 मरले, 1/2 भाग शुभम
क्षेत्रफल 85 कनाल 12 मरले जोकि रायकोट जिला लुधियाना में
स्थित है।

जमाबन्दी 1973-74

खाता नं० 2197/2310, 2197/1 2360/1

खसरा नं० 239/7/2, 14, 15, 16, 17, 25/2

242, 5/2 240/10, 11, 19/2, 20, 21, 22/1 241/1/1,

2/1, 239/26

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 673 जून 1975 को
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी रायकोट के कार्यालय में लिखा है।)

विवेक प्रकाश मिनीचा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

दिनांक : 1 जनवरी 1976

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 1 जनवरी, 1976

निर्देश सं० एल० डी० एच/सी०/108/75-76--

अतः मुझे, विवेक प्रकाश मिनोचा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी भूमि का खाली प्लॉट नं० 47, तरफ हसन रोड, टैगोर नगर है तथा जो लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए :—

अतः अब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री राम प्रसाद, पुत्र श्री मोहन लाल, निवासी फगवाड़ा, द्वारा श्री जगन नाथ, पुत्र श्री मोहन लाल, निवासी फगवाड़ा

(अन्तरक)

(2) श्रीमति महिन्द्र कौर, पत्नी श्री मोहन सिंह, निवासी टैगोर नगर, लुधियाना

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि का खाली प्लॉट नं० 47, तरफ हसन रोड, टैगोर नगर, लुधियाना

(जैसे कि रजिस्ट्रीकर्ता के विलेख नं० 2305 जून, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के कार्यालय में लिखा है)

विवेक प्रकाश मिनोचा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

दिनांक : 1 जनवरी, 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 1 जनवरी 1976

निर्देश सं० एल० डी० एच०/सी/109/75-76—अतः मुझे, विवेक प्रकाश मिनोचा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है

और जिसकी सं० फैक्टरी बिल्डिंग नं० 366 है तथा जो इण्डस्ट्रीयल एरिया 'ए' लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मै० रजीव इंडिया इण्डस्ट्रीज, 366, इण्डस्ट्रीयल एरिया 'ए', लुधियाना द्वारा श्री विनोद कुमार (अन्तरक)

(2) मै० संजीव वूलन मिलज, लुधियाना द्वारा श्री हीरा लाल गोयल

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध से समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फैक्टरी बिल्डिंग नं० 366, इण्डस्ट्रीयल एरिया 'ए' लुधियाना

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 2338 जून, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के कार्यालय में लिखा है)।

विवेक प्रकाश मिनोचा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 1-1-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस—

(1) श्री किम्पाल सिंह, पुत्र श्री प्रीतम सिंह, जी० टी० रोड
मिलर गंज, लुधियाना

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) मँ० इन्द्रा मोटरज, जी० टी० रोड, लुधियाना

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

चण्डीगढ़, दिनांक 1 जनवरी 1976

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

निर्देश सं० एल० डी० एच०/सी/116/75-76—अतः मुझे,
विशेष प्रकाश मिनोचा,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी भूमि का प्लॉट क्षेत्रफल 12 बिस्वा 2 बिस्वासी
अर्थात् 18.15 वर्ग गज डोलेवाल रेलवे लाइन के साथ साथ, लुधि-
याना में स्थित है और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख जून, 1975 कोको पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल
से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम',
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 12 बिस्वा 2 बिस्वासी अर्थात् 18.15 वर्ग गज
जोकि डोलेवाल रेलवे लाइन के साथ साथ लगभग 100 फुट जी०
टी० रोड से परे लुधियाना में स्थित है।(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख सं० 2738 जून 1975 को
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के कार्यालय में लिखा है।)

विशेष प्रकाश मिनोचा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

दिनांक : 1 जनवरी, 1976

मोहर

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 1 जनवरी 1976

निर्देश सं० सी० एच० डी०/223/75-76—अतः मुझे विवेक प्रकाश मिनोचा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० फेक्टरी नं० 331 है तथा जो इण्डस्ट्रीयल एरिया चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
7—416 GI/75

(1) श्री सुन्दर सिंह, पुत्र श्री प्रभ दयाल सिंह, 1158, सैक्टर 18-सी, चण्डीगढ़

(अन्तरक)

(2) (i) श्री नगिन्द्र सिंह सेहमी, (ii) श्री मोहिन्द्र सिंह सेहमी पुत्र श्री हरी सिंह सेहमी, निवासी गांव और डाकघर ताजपुर, जिला लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फेक्टरी नं० 331, इण्डस्ट्रीयल एरिया, चण्डीगढ़

(जैसे कि रजिस्ट्रीकर्ता के विलेख नं० 475 जुलाई, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय में लिखा है।)

विवेक प्रकाश मिनोचा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

दिनांक 1 जनवरी 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, नई दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 26 दिसम्बर 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/111/एम० आर० 111/
मई/285/(17)/75-76—अतः, मुझे, एम० सी० पारीजा
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 22, ब्लाक नं० 60 है, जो डब्ल्यू० ई० ए०, करौल
बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपासक अनुसूची में पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक 16 मई, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के
लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने
के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती संतोष रानी, पत्नी हुकम चन्द तलवार, 59/20,
पर्वत रोड, करौल बाग, नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री के० रविन्द्रन, सुपुत्र श्री० सी० काशवन नायर,
जे-570, कीर्ती नगर, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

(3) श्री के० जी० श्रीधरन, सुपुत्र श्री के० गोविन्दा मैनन,
मकान नं० 22, ब्लाक नं० 60, डब्ल्यू० ई० ए०,
करौल बाग, नई दिल्ली

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित रख किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुमंजिला मकान का 1/4 अविभाजित भाग जिसका नं० 22,
ब्लाक नं० 60 और क्षेत्रफल 568.91 वर्ग गज है तथा जोकि
डब्ल्यू० ई० ए०, करौल बाग, नई दिल्ली में लीजहोल्ड प्लॉट पर
निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व—प्लॉट नं० 21

पश्चिम—प्लॉट नं० 23

उत्तर—रोड

दक्षिण—सर्विस लेन

एम० सी० पारीजा,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक : 26 दिसम्बर 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज III, दिल्ली-1

4/14-ए, आसफ अली रोड़, नई दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 26 दिसम्बर 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/III/एस० आर०-III/
मई/284/(16)/75-76—यतः, मुझे, एस० सी० पारीजा
आयकर अधिनियम,

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त
अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम
प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 22, ब्लॉक नं० 60 है, जो डब्लू० ई० ए०, करौल
बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, दिनांक 16 मई, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से,
ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह
कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती संतोष राणी, पत्नी हुकुम चन्द तारावार,
59/20, पर्वत रोड़, करौल बाग, नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्रीमती के० जी० जानकी नायर, पत्नी श्री सी०
काशवन नायर, जे-570, कीर्ती नगर, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

(3) श्री के० जी० श्रीधरन, सुपुत्र श्री के० गोविन्दा मैनन,
मकान नं० 22, ब्लॉक नं० 60, डब्लू० ई० ए०,
करौल बाग, नई दिल्ली ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम, के अध्याय
20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

दुमजिला मकान का 1/4 अविभाजित भाग जिसका नं० 22,
ब्लॉक नं० 60 और क्षेत्रफल 568.91 वर्ग गज है तथा जोकि
डब्लू० ई० ए०, करौल बाग, नई दिल्ली में लोजहोल्ड प्लॉट पर
निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व—प्लॉट नं० 21

पश्चिम—प्लॉट नं० 23

उत्तर—रोड़

दक्षिण—सर्विस लेन

एस० सी० पारीजा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज—III, दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक : 26 दिसम्बर 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, दिल्ली-1

4/14-ए, आसफ अली रोड, नई दिल्ली 1

नई दिल्ली, दिनांक 26 दिसम्बर 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एम्पु०/III/एस० भार०-III/
मई/298/(14)/75-76—यतः, मुझे, एस० सी० पारीजा
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 22, ब्लाक नं० 60 है, जो डब्लू० ई० ए०, करौल
बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची म पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, दिनांक 28 मई, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजारमूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधि-
नियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्रीमती संतोष रानी, पत्नी श्री हुकम चन्द तसवार,
59/20, पर्वत रोड, करौल बाग, नई दिल्ली
(अन्तरक)

(2) श्रीमती सी० जानकी मैनन, पत्नी श्री के० सी० मैनन,
जे-70, कीर्ति नगर, नई दिल्ली
(अन्तरिती)

(3) श्री के० जी० श्रीधरन, सुपुत्र श्री के० गोविन्दा मैनन,
निवासी मकान नं० 22, ब्लाक नं० 60, डब्लू० ई०
ए०, करौल बाग, नई दिल्ली
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

हुमजिला मकान का 1/4 अविभाजित भाग जिसका नं० 22,
ब्लाक नं० 60, और क्षेत्रफल 568.91 वर्ग गज है तथा जोकि
डब्लू० ई० ए०, करौल बाग, नई दिल्ली में लीज होल्ड प्लॉट पर
निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व—प्लॉट नं० 21

पश्चिम—प्लॉट नं० 23

उत्तर—रोड

दक्षिण—सविस रोड

एस० सी० पारीजा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक 26 दिसम्बर, 1975

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, दिल्ली-1

4/14-ए, आसफ अली रोड, नई दिल्ली।

नई दिल्ली, दिनांक 26 दिसम्बर 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/III/एस० आर०-III/
मई/297/(13)/75-76—यतः, मुझे, एस० सी० पारीजा
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० 22, ब्लाक नं० 60, है, जो डब्लू० ई० ए०,
करोल बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई
दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, दिनांक 28 मई, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती संतोष रानी, पत्नी श्री हुकम चन्द तलवार,
निवासी 59/20, पर्वत रोड, करौल बाग, नई दिल्ली
(अन्तरक)

(2) श्रीमती एम० श्री० देवी, पत्नी श्री० के० जी० एस०
मनन, 62109, गली नं० 1, ब्लाक नं० 1, देव नगर,
करोल बाग, नई दिल्ली
(अन्तरिती)

(3) श्री के० जी० श्रीधरन, सुपुत्र श्री के० गोविन्दा मैनन,
निवासी मकान नं० 22, ब्लाक नं० 60, डब्लू० ई०
ए०, करौल बाग, नई दिल्ली
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में
यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुमंजिला मकान का 1/4 अविभाजित भाग जिसका नं० 22,
ब्लाक नं० 60, और क्षेत्रफल 568 91 वर्ग गज है तथा जोकि
डब्लू० ई० ए०, करौल बाग, नई दिल्ली में लीजहोल्ड प्लॉट पर
निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व—प्लॉट नं० 21

पश्चिम—प्लॉट नं० 23

उत्तर—रोड

दक्षिण—सर्विस लेन

एस० सी० पारीजा,
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक 26 दिसम्बर, 1975

मोहर :

प्रमाण आई. टी. एन. एस.

अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज 2, दिल्ली-1,

4/14-ए, आसफ अली रोड़, नई दिल्ली।

नई दिल्ली, दिनांक 27 दिसम्बर, 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/1000/1938/
75-76—यतः, मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल

अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० जायदाद नं० 1711 का भाग है, जो क्वीनस रोड़,
नाहर सादत खान, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन अधिसूचित 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यहाँ पूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से,
ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम-या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री महादेव प्रसाद बागला, सुपुत्र स्वर्गीय श्री० राय
बहादुर सेठ कन्हैया लाल, निवासी 5-एच, न्यू रोड़,
अलीपुर, कलकत्ता (2) श्री श्री० कृष्णा बागला
(3) श्री श्री राम बागला, सुपुत्र स्वर्गीय श्री हनुमान
प्रसाद, निवासी 2-बी, रोलेन्डसे रोड़, कलकत्ता तथा
5-के, न्यू रोड़, अलीपुर, कलकत्ता।

(अन्तरक)

(2) श्री वेद प्रकाश (2) श्री सुभाष चन्द्रा, (3) श्री०
सत्या नारायण गुप्ता, सुपुत्र श्री सूरज मल, सभी निवासी
1711, नाहर सादत खान, क्वीनस रोड़, दिल्ली-5

(अन्तरिती)

(3) पं० भोला नाथ (2) श्री भगवान (3) पं० वृज
मोहन (4) रघुनाथ दास
(यह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सकान नं० 1711, क्वीनस रोड़, नाहर सादत खान, दिल्ली
के 10 कमरों तहखाने में, नीचे और पहली मंजिल पर है, जिसका
क्षेत्रफल 2380.80 वर्ग फुट है और जमीन का 7/72 अविभाजित
हिस्सा दिल्ली में स्थित है।

एस० एन० एल० अग्रवाल,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक 27 दिसम्बर, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एल०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, दिल्ली-1,

4/14-ए, आसफ अली रोड, नई दिल्ली।

नई दिल्ली, दिनांक 27 दिसम्बर, 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/999/1941/75-76—यतः, मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961

का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० जायदाद नं० 1711 का भाग है, जो क्वीनस रोड, नाहर सादत खान, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अप्रैल, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री महादेव प्रसाद बागला, सुपुत्र स्वर्गीय श्री राय बहादुर सेठ कन्हैया लाल, निवासी 5-एच, न्यू रोड, अलीपुर, कलकत्ता (2) श्री श्री० कृष्णा बागला (3) श्री श्रीराम बागला सुपुत्र स्वर्गीय श्री हनुमान प्रसाद, निवासी 2-बी, रोलेक्स रोड, कलकत्ता तथा 5-के, न्यू रोड, अलीपुर, कलकत्ता ।

(अन्तरक)

(2) श्री श्री० कृष्णा (2) श्री सातीश कुमार (3) श्री सत्य नाहायण-गुप्ता; सुपुत्र श्री सूरज मल, सभी निवासी 1711, नाहर सादत खान, क्वीनस रोड, दिल्ली-6

(अन्तरिती)

(3) श्री अमीर बहादुर (2) कृष्ण चन्द (3) श्री मूल चन्द (4) श्री तरलेश चन्द (यह व्यक्ति किसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों, पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में किसी बड़े किसी अन्न व्यक्ति द्वारा, अखेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों, कम, बड़े, उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथासंशोधित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मकान नं० 1711, क्वीनस रोड, नाहर सादत खान, दिल्ली के 11 कमरों सहित में, नीचे और पड़ती संश्लिष्ट कर है, जिसका क्षेत्रफल 2200.50 वर्ग फुट है और जमीन का 7/2 अविभाजित हिस्सा दिल्ली में स्थित है ।

एस० एन० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक 27 दिसम्बर, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज-2, दिल्ली-1

4/14-ए, आसफ अली रोड, नई दिल्ली।

नई दिल्ली, दिनांक 27 दिसम्बर, 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एफ्यु/11/1891/(998)/
75-76—यतः, मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० डी०-5 है, जो टंडन रोड, आदर्श नगर, दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
अप्रैल 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाबत उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिये,
और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री चिरंजीलाल, सुपुत्र श्री मूल चन्द, निवासी विलरोध
गाव, तहसील जाधर, जिला रोहतक (हरयाना)
इनके जर्नल एटारनी श्रीमती भूपीन्द्र कौर पत्नी श्री
मनजीत सिंह, निवासी डी-5, टंडन रोड आदर्श
नगर, दिल्ली-33 के द्वारा है।

(2) श्री मनजीत सिंह तथा सतपाल सिंह, सुपुत्र श्री तरलोक
सिंह, डी-5, टंडन रोड, आदर्श नगर, दिल्ली-33।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक फ्रीहोल्ड मकान का क्षेत्रफल 120 वर्ग गज है और जोकि
डी-5 टंडन रोड, आदर्श नगर, दिल्ली में बना है तथा जोकि निम्न
प्रकार से स्थित है :—

पूर्व—प्लॉट न० डी-7 पर मकान

पश्चिम—प्लॉट न० डी-3 पर मकान

उत्तर—रास्ता 10 फुट

दक्षिण—टंडन रोड

एस० एन० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक : 27 दिसम्बर, 1975

मोहर .

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज III, दिल्ली-1,

4/14-ए, आसफ अली रोड, नई दिल्ली ।

नई दिल्ली, दिनांक 31 दिसम्बर, 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/III/एस० आर०-II/
जुलाई/973(31)/75-76 -यत, मुझे, एम० सी० पारीजा
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 19 बिसवा भूमि के प्लॉट का न० 238, खसरा
न० 238, है, जो नगली सकरावती गांव, दिल्ली में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीवर्ता
अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 16
जुलाई, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किमी आय की बाबत, 'उक्त
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—

8—416GI/75

(1) श्री जगननाथ, सुपुत्र श्री साधुराम, निवासी डब्लू
जैड-423, शिव नगर, नई दिल्ली तथा श्रीमती उत्तम
देवी, पत्नी श्री राम चन्द, निवासी डब्लू जैड-434,
शिव नगर, नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री अमरजीत सिंह, सुपुत्र डा० मेहताब सिंह, निवासी
एफ-135, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली तथा श्री रवी
शर्मा, सुपुत्र सी एम० आर० शर्मा, निवासी 3, कोटला
रोड, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों
पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति
में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

19 बिसवा भूमि के प्लॉट का न० 238 तथा खसरा न०
238 है तथा जो कि 'लाल डोरा' नगली सकरावती गांव को अबादी
देह, दिल्ली राज्य, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है --

पूर्व - अन्य जायदाद

पश्चिम - नाली

उत्तर - अन्य प्लॉट

दक्षिण - अन्य प्लॉट

एस० सी० पारीजा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज -III, दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक 31 दिसम्बर, 1975

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज III दिल्ली-1,

4/14-ए, ग्रामफ अली रोड, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 31 दिसम्बर 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/III/एस० आर०-II/
जुलाई/963(20)/75-76—यतः मुझे एस० सी० पारीज
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० कृषि भूमि 8 बीगा तथा 15 बिसवा है, जो नंगली
सकरावती गांव दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में पूर्व रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन दिनांक 29 जुलाई 1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दार्पित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री लखमी चन्द सुपुत्र श्री सुभ राम, स्वयं तथा जरतल
पावर आफ अटारनी श्री दयाचन्द्र बलबीर रघबीर,
सुपुत्र श्री सुभ राम, तथा श्रीमती वारफू, पत्नी श्री
अतर सिंह, सुपुत्री श्री सुभ राम, निवासी नंगली स्व-
रावती गांव, दिल्ली राज्य, दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती यश रानी, पत्नी श्री जगन्नाथ नाथ, तथा श्री
जगन्नाथ नाथ, सुपुत्र श्री साधु राम, सभी निवासी डब्लू
जैड-423, शिव नगर, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 8 बीगा तथा 15 बिसवा है और
मुस्तातील नं० 23, किला नं० 2/1, (3-0), किला नं० 9/2,
(3-0), किला नं० 12/1 (2-15) है तथा जोकि नंगली सकरावती,
दिल्ली राज्य, दिल्ली में स्थित है ।

एस० सी० पारीज
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-III, दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक 31 दिसम्बर, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, दिल्ली-1,

4/14-ए, आसफ अली रोड़, नई दिल्ली ।

नई दिल्ली, दिनांक 31 दिसम्बर, 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एकयु०/III/एस० आर०-II/
जून/904/(8)/75-76—यतः, मुझे, एस० सी० पारीजा
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन मक्षम प्राधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और
और जिसकी सं० कृषि भूमि 13 बीगा 3 बिसवा है, जो नंगली
सकरावती गांव, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची
में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, दिनांक 20 जून, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कर्मा करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और/या

(ख) ऐसा किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यवस्थित, अर्थात् :—

(1) श्री गोपाल सिंह कोहली, सुपुत्र श्री हरी सिंह, निवासी
20-बी/78, तिलक नगर, नई दिल्ली श्री शीश राम के
जनरल एटारनी, सुपुत्र श्री रामजी लाल, नंगली
सकरावती गांव दिल्ली (2) श्रीमती सरन कौर,
पत्नी श्री गोपाल सिंह कोहली, निवासी 20-बी/78,
तिलक नगर नई दिल्ली रामपत के जनरल एटारनी
श्री रामजीलाल, नंगली सकरावती गांव, दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री रनजीत सिंह, सुपुत्र श्री गोपाल सिंह कोहली
20-बी/78, तिलक नगर, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन को अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त-
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है ।

अनुसूची

कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 13 बीगा तथा 7 बिसवा है रेक्ट
न० 15, किला न० 13/1, 14/1, 8, 7/2, 17/2, तथा 27 है तथा
जोकि खसरा न० 74 (-0-3 बिसवा) नंगली सकरावती गांव,
दिल्ली राज्य, दिल्ली में स्थित है ।

एस० सी० पारीजा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक 31 दिसम्बर, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-III, दिल्ली-1,

4/14-ए, आसफ अली रोड, नई दिल्ली :

नई दिल्ली, दिनांक 31 दिसम्बर, 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू/III/एस प्रार०-II/
जुलाई/964(21)/75-76—यत, मुझे, एस० सी० पारीजा
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० भूमि का 9 बीगा तथा 12 बिसवा है, जो नगली
सकरावती गांव, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची
में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, दिनांक 29 जुलाई, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और
अन्तरिती (अन्तरिजियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
क्षयिष्ठ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए ।

धतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री लखमी चन्द, सुपुत्र श्री सुभ राम, स्थय तथा
श्रीमती भारफु के लिए जनरल पावर आफ अटारनी,
पत्नी श्री अतर सिंह, सुपुत्री श्री सुभ राम, सभी निवासी
नगली सकरावती गांव, दिल्ली राज्य, दिल्ली
(अन्तरक)

(2) यश रानी, पत्नी श्री जगननाथ तथा श्री जगन नाथ,
सुपुत्र श्री साधु राम, सभी निवासी डब्लू जेड-423,
शिव नगर, नई दिल्ली
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभा-
षित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में
दिया गया है ।

अनुसूची

कुछ भूमि जिसका क्षेत्रफल 9 बीगा तथा 12 बिसवा है और
मुस्तातिल न० 23, किलान० 1, (4-16), किलान० 10 (4-16)
है तथा जोकि नगली सकरावती गांव, दिल्ली राज्य, दिल्ली में निम्न
प्रकार से स्थित है ।

एस० सी० पारीजा
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-III, दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक 31 दिसम्बर, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, 4/14-ए, आसफअली रोड, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 जनवरी, 1975

निर्देश सं० आर० ए० सी०/एक्यू० 1/एस० आर०-III/मई-1(26)/75-76—यतः, मुझे, सी० वी० गुप्ते

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० बंगला नं० 13 है, जो ईस्ट निजामुद्दीन, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 7 मई, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री जी० वी० पार्ई, पुत्र स्व० श्री गुना पार्ई, निवासी 13 निजामुद्दीन पूर्व, नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) पक्सम एक्सल एंड स्प्रिंग (प्रा०) लि०, 8 डी पल० एफ० इन्डस्ट्रीयल एरिया नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का प्लॉट जिसका नं० 13 (पूर्वी) निजामुद्दीन क्षेत्रफल 1120 वर्ग गज जो कि निजामुद्दीन में 2 मंजिली जायदाद तथा सर्वेन्ट्स क्वार्टर्स है जो कि सभी प्रकार से साजो सामान से सुसज्जित है।

उत्तर—प्लॉट नं० 14

पूर्व—मड़क

दक्षिण—लैन

पश्चिम—लैन

सी० वी० गुप्ते
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली. नई दिल्ली-1

तारीख : 2 जनवरी 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 30 दिसम्बर 1975

निदेश सं० ए०सी०क्यू०-23-I-624(247)/1-1/75-76—

यत मुझे जे० कथूरिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० सिटी सर्वे न० 4524-ए०-3, सब प्लॉट न० 2 तथा 9, सर्वे न० 4524, सं० न० 2839-ए०, 2839-ए० 1, 2839-ए०-2, 2839-ए०-3 2839-ए०-4 है, जो शाहपुर वार्ड न० 2, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1961 (1908 का 16) के अधीन मई 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की वास्तविक उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उपसे बचने में सुविधा के लिये, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती जकरनीसा सुपुत्री श्री जलालुद्दीन सैयद छात्रा घादरी, बताई सेक्टर के सामने, अहमदाबाद। (अन्तरक)

(2) डा० नयन कुमार हकमचन्द शाह पाटीदार सो-साहटी, पचवटी, अहमदाबाद। (अन्तरिती)

(3) (i) श्री लक्ष्मण दास अरजनदास, (ii) डा० एल० एच० शाह, (iii) रफीकभाई शकरभाई। (यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबध में कोई भी आक्षेप

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक अचल सम्पत्ति जिसका सर्वे न० 4524/ए०/3, तथा सर्वे न० 4524 का सब प्लॉट न० 2 तथा 9 है, म्यु० सैन्स न० 2839-ए०, 2839-ए०-1, 2839-ए०-2, 2839-ए०-3, 2839-ए०-4 है तथा जो 624.2 वर्ग गज भूमि पर, शाहपुर वार्ड न० 2, अहमदाबाद में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन मई 1975 वाले दस्तावेज न० 5708 में दिया गया है।

जे० कथूरिया

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-I, अहमदाबाद।

तारीख 30-12-75

मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 30 दिसम्बर 1975

निर्देश सं० ए०सी०क्यू०-23-1-626(248)/1-1/75-76—
यतः मुझे जे० कथूरिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे न० 283, है, जो घोडामर, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 9-5-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात :—

(1) (i) हरिवेन विधवा नारायणजी खल्लूजी, महाकाली मंदिर के पास, दधेश्वर, शाहीबाग, अहमदाबाद। (अन्तरक)

(ii) श्री अमृत लाल नारायण जी, स्वयं तथा एच० यू० एफ० के करता की हैसियत से :—पेंशनपुरा, दरयाखान, घुम्मट के पास, अहमदाबाद।

(iii) प्रजीबेन विधवा अम्बालाल नारायणजी, पेंशनपुरा दरयाखान घुम्मट के पास, अहमदाबाद।

(iv) श्री बाबू लाल अम्बालाल, अपने लिए तथा बालक दशरथ लाल अम्बालाल के अभिभावक के रूप से, पेंशनपुरा दरयाखान घुम्मट के पास अहमदाबाद।

(v) श्री भिखोजी मधाजी, शाहीबाग, अहमदाबाद। (अन्तरक)

(2) नवरचना को० अर्पि० हाऊसिंह सोसाएटी लि० डेमाई-निवास, जेठाभाई जी पोल, खाडीया, अहमदाबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 2 एकड़, 21 गुन्ठा है तथा जिसका सर्वे न० 283 है और जो घाडासर गांव, तालुका अहमदाबाद में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन सब-रजिस्ट्रार अहमदाबाद के मई 1975 वाले दस्तावेज न० 5892 में दिया गया है।

जे० कथूरिया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद।

तारीख : 30-12-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 30 दिसम्बर 1975

निदेश सं० ए०सी०ए०-23-I-63.6(249)/1-1/75-76—
यतः मुझ जे० कथूरिया,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० सर्वे न० 66, सब प्लॉट न० 31 का आधा
भाग, टी०पी०एस० न० 26, है, जो वासणा, अहमदाबाद में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन मई 1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिये
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती चद्रमणि प्रभुदास, शारदा नगर के पास,
बृन्दावन मोमयाटी, बंगला न० 31, अहमदाबाद। (अन्तरक)

(2) श्रीमती मृदुला बेन सुरेश कुमार शाह, मारफत
चिमन लाल जसराजभाई शाह, घाची नौ पोल, माणिक
चौक, अहमदाबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किंग जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक अचल सम्पत्ति जो 460.93 वर्ग गज भूमि पर
स्थित है उस का आधा भाग और जिसका सर्वे न० 66,
सब प्लॉट न० 31, बंगला न० 31, टी०पी०एस० नं० 26,
है और जो वासणा अहमदाबाद में स्थित है।

जे० कथूरिया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-I, अहमदाबाद

तारीख . 30-12-75
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 30 दिसम्बर, 1975

निदेश सं० ए०सी०क्यू०-23-I-637(250)/1-1/75-76—
यतः मुझे जे० कथूरिया आयकर अधिनियम

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे नं० 66, सब प्लॉट नं० 31, का आधा भाग, टी०पी०एस० नं० 26, है, जो वासणा, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—
9-416GI/75

(1) श्रीमती चद्रमणि प्रभुदास, शारदा नगर के पास, वृन्दावन सोसायटी, बंगला नं० 31, अहमदाबाद (अन्तरक)

(2) श्री सुरेश कुमार चिमनलाल शाह, मारफत :—
चिमनलाल जसराजभाई शाह, घांची नं०-पोल, माणिक चौक, अहमदाबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक अचल सम्पत्ति जो 460.9358 वर्ग गज भूमि पर स्थित है उसका आधा भाग, और जिसका सर्वे नं० 66, सब प्लॉट नं० 31, बंगला नं० 31, टी०पी०एस० नं० 26 है और जो वासणा, अहमदाबाद में स्थित है।

जे० कथूरिया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-I, अहमदाबाद।

तारीख : 30-12-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 1 जनवरी 1976

निर्देश सं० ए०सी०क्यू०-23-J-620(251)/16-7/75-
76—यतः, मुझे, जे० कथूरिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 8 है, जो जवाहर को० ग्रॉप०
हाऊसिंग सोसायटी, उपलेटा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, उपलेटा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन 1-5-1975 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उसमें बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः :—

(1) श्री श्रीमजी राजाभाई मोजिवा, उपलेटा (अन्तरक)

(2) (i) श्रीमती चम्पाबेन मोहनलाल, (ii) श्री
मगनलाल नायाभाई पटेल, (iii) श्री रतीलाल नायाभाई
पटेल, (iv) श्री बल्लभभाई नायाभाई पटेल, बम्बई (अन्तरिती)

(3) श्री प्रताप मनसुखलाल शाह, (ii) श्री विपिन
धीरजलाल मकवाणा, (iii) श्री एसमुखलाल एन० माणेक,
(iv) श्री भारवत मनसुखलाल शाह, (v) श्री. केशवलाल
धनजीभाई सोनी, (vi) श्री नुरती रामाबासन, (vii) श्री
वृजलाल जगाभाई पावाणी, (viii) श्री बटुकभाई राजजी
मोजिवा, जवाहर को० ग्रॉप० हाऊसिंग सोसायटी लि०,
उपलेटा। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि ब्राद में समाप्त होती हो, के अन्तर-पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
युक्त किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और नदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक अचल सम्पत्ति जो 719.7 वर्ग गज भूमि पर स्थित
है तथा जिसका प्लॉट नं० 8 है तथा जो जवाहर को० ग्रॉप०
हाऊसिंग सोसायटी, उपलेटा, डिस्ट्रिक्ट राजकोट में स्थित
है।

जे० कथूरिया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद।

तारीख : 1-1-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 1 जनवरी 1976

निदेश सं० ए०सी०क्यू 23-I-623 (252)/1-1/75-76--

यतः, मुझे, जे० कथूरिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी सर्वे सं० 1166/1 तथा 1169, है, जो नरोड़ा, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 27-5-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), या 'उक्त अधिनियम,' या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ब के अनुसरण में; मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री शशीकांत सोमनाथ व्यास, पावर आफ अटारनी होल्डर श्रीमती जादवबेन विधवा सोमनाथ करुणाशंकर नरोड़ा, अहमदाबाद। (अन्तरक)

(2) दिव्य किरण को० आप० हाऊसिंग सोसायटी लि० महेश सा मिल, मुन्शी कम्पाउण्ड, नरोड़ा रोड, नरोड़ा, अहमदाबाद की ओर से :—

(i) चेयरमैन—श्री अश्वजीभाई रामजीभाई पटेल, मोहन नगर सोसायटी, नरोड़ा, अहमदाबाद।

(ii) सेक्रेटरी—श्री विठ्ठलभाई रामजी भाई पटेल, मोहन नगर सोसायटी, नरोड़ा, अहमदाबाद।

(iii) मैनवर—श्री धनजीभाई रामजीभाई पटेल, नरोड़ा, अहमदाबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक खुली जमीन वाला प्लॉट जिसका सर्वे न० 1166/1 तथा 1169 है तथा जो नरोड़ा, अहमदाबाद में स्थित है, तथा निम्नलिखित विक्री दस्तावेज के अनुसार विक्री किया गया है :—

न० विक्री दस्ता- वेज न०	रजिस्ट्रीकरण की तारीख	विक्री कीमत	कुल क्षेत्रफल
		रु०	
1. 6644	27-5-75	48,800	4664 वर्ग गज
2. 6645	27-5-75	48,800	4663 वर्ग गज

जे० कथूरिया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-I, अहमदाबाद।

तारीख : 1-1-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 1 जनवरी 1976

निदेश सं० ए०सी०यू०-23-I-722(253)/1-1/75-76—

यतः मुझे, जे० कथूरिया,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० एफ०पी० नं० 578, सब प्लॉट नं० 2, टी०पी०
एस०-3, है, जो मादलपुर उर्फ छद्दावाड़, एलिसब्रिज, अहमदाबाद
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदा-
बाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन 1-5-75 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसने बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

1. (i) श्री कान्तीलाल कन्हैयालाल, स्वयं तथा
कान्तीलाल कन्हैयालाल एच०यू०एफ० के कर्ता की हैसियत से :—
"कान्तम" सी०जी० रोड, एलिसब्रिज, अहमदाबाद।
- (ii) लबकुमार कान्तीलाल, के अभिभावक के रूप में
श्री कान्तीलाल कन्हैयालाल, "कान्तम" सी० जी०
रोड, एलिसब्रिज, अहमदाबाद।
- (iii) श्री पद्माकान्त कन्हैयालाल, स्वयं तथा पद्माकान्त
कन्हैयालाल, एच०यू०एफ० के कर्ता की हैसियत
से :—

सिल्वर आर्क, चौथी मंजिल, डा० जगमोहनदास,
रोड, अम्बई।

- (iv) श्री महेन्द्र लाल कन्हैयालाल, स्वयं तथा महेन्द्र-
लाल एच०यू०एफ० के कर्ता की हैसियत से :—
"मैनक" सी० जी० रोड, एलिसब्रिज, अहमदाबाद।
- (v) राजीव महेन्द्रलाल, "मैनक" सी० जी० रोड,
एलिसब्रिज, अहमदाबाद।
- (vi) संजीव महेन्द्रलाल, के अभिभावक के रूप में :—
श्री महेन्द्र लाल कन्हैयालाल, "मैनक" सी० जी०
रोड, एलिसब्रिज, अहमदाबाद।
- (vii) श्री बिहारीलाल कन्हैयालाल, स्वयं तथा बिहारी-
लाल कन्हैयालाल एच०यू०एफ० के कर्ता की
हैसियत से :—
"मैनक" पोली-टैकनीक के पास, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

(2) ओरिएण्ट क्लब, कल्याण सोसायटी, एलिसब्रिज
अहमदाबाद की ओर से :—

- (i) प्रधान :—श्री हरिप्रसाद वाड़ीलाल बसा, 18,
वसुन्धरा सोसायटी, एलिसब्रिज, अहमदाबाद।
- (ii) उप-प्रधान :—श्री गिरिराज नवीनचन्द्र डेसाई,
स्वास्तिक सोसायटी, नवरंगपुरा, अहमदाबाद।
- (iii) सैक्रेटरी :—श्री भक्तिप्रसाद, ताराचन्द नागोरी,
2, विजय पार्क, नवरंगपुरा, अहमदाबाद।
- (iv) मैम्बर :—श्री नरेन्द्र भाई लालभाई शेट, कल्याण
सोसायटी, एलिसब्रिज, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक अचल सम्पत्ति जो "कन्हैयालाल मोतीलाल बंगला"
के नाम से प्रसिद्ध है तथा जो 4498 वर्ग गज भूमि पर
स्थित है तथा जिसका एफ०पी० नं० 578, सब प्लॉट नं०
2 है तथा जो मादलपुर उर्फ छद्दावाड़, एलिसब्रिज, अहमदाबाद
में स्थित है।

जे० कथूरिया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद।

तारीख : 1-1-1976

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 1 जनवरी 1976

निदेश सं० ए०सी०क्यू०-23-I-723(254)/1-1/75-76

—यत्, मुझे जे० कथूरिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सर्वे सं० 96-2, टी०पी०एस० 20, एफ० पी० न० 234, नया सब प्लॉट न० 5, है, जो एच० एल० कामर्स कालेज के पीछे, नवरंगपुरा, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 27-5-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के

उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अन्तर्गत में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) (i) श्री चिमनलाल हुंसजीभाई पटेल, (ii) श्रीमती सविताबेन चिमनलाल पटेल, (iii) श्री महेन्द्र भाई चिमनलाल पटेल, (iv) श्री जयेंद्र चिमनलाल पटेल, के अभिभावक के रूप में:—श्री चिमनलाल हुंसजीभाई पटेल, एच०एल० कामर्स कालेज के पीछे, बैंक आफ बडौदा के पास, नवरंगपुरा, अहमदाबाद। (अन्तरक)

(2) (i) डा० रमेश चन्दुलाल शाह, (ii) श्रीमती पूर्णिमा रमेश शाह "प्रोजेस" लिबर्टी होटल के पीछे, एच० एल० कामर्स कालेज के पास, नवरंगपुरा, अहमदाबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक खुली जमीन वाला प्लॉट जिसका कुल क्षेत्रफल 455 वर्ग गज है तथा जिसका कोचरख सर्वे न० 96-2, टी० पी०एस० 20, एफ०पी० न० 234 तथा नया सब प्लॉट 5 है तथा जो एच० एल० कामर्स कालेज के पीछे अहमदाबाद में स्थित है तथा जिसका पूर्ण विवरण बिक्री दस्तावेज में दिया गया है।

जे० कथूरिया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-I, अहमदाबाद।

तारीख . 1-1-1976
माहर

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 30 दिसम्बर 1975

निदेश सं० 273/ए०सी०न्यू०-23-434/19-8/74-75—

अतः मुझे, पी० एन० मिस्तल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सं० 468/3 पंकी खली जमीन है, तथा जो अडाजन गांव, त० चौरासी, जिला सूरत में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 5-6-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य

से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री बलवन्तराय मगनलाल स्वयं तथा सुषमा बलवन्तराय तथा बाबिक बलवन्तराय (दोनों संगीर) के वाली की हैसियत में (2) श्रीमती मणिबेन बलवन्तराय अडाजन त० चौरासी, जि० सूरत। (अन्तरक)

(2) गीतानगर को० आपरेटिव हाऊसिंग सोसायटी लि० की ओर से : (1) नरसिंहभाई मंढुभाई पटेल, (2) वनमाली भाई हरिभाई पटेल, (3) दश्वरभाई जैरामभाई पटेल, मास्टर कालोनी, रान्देर रोड, सूरत। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्तबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और उर्ध्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका सर्वे नं० 468/3 कुल माप 30 गुंथा अर्थात् 3630 वर्ग गज है तथा जो अडाजन तह० चौरासी जिला : सूरत में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, सूरत के जून 1975 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 983 और 984 में प्रदर्शित है।

पी० एन० मिस्तल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 30-12-1975

मोहर :

प्ररूप आई०टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद दिनांक 30 दिसम्बर 1975

निदेश सं० 274/ए०सी०एच०-23-434/19-8/74-75---

अतः मुझे, पी० एन० मित्तल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है

और जिसकी सं० नं० 468/2 पैकी खली जमीन है, तथा जो अदाजन गांव, ता० चौरासी, जिला० सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 5-6-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से नभित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्रीमती मवीताबेन, जैकिमनदास दृष्टाराम की सुपुत्री अदाजन, त० चौरासी, जि० सूरत । (अन्तरक)

(2) गीता नगर को० आपरेटिव हाऊसिंग सोसायटी लि० की ओर से :—

नरसिंहभाई मंछुभाई पटेल,

वनमालीभाई हरीभाई पटेल,

इश्वरभाई जैरामभाई पटेल, मास्टर कालोनी, रान्देर रोड, सूरत । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आभेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

खली जमीन जिसका सं० नं० 468/2 पैकी 0-13 गुथा अर्थात् 1573 वर्ग गज है तथा जो अदाजन गांव, त० चौरासी, जि० सूरत में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत के जून, 1975 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 982 में प्रदर्शित है ।

पी० एन० मित्तल

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद ।

तारीख : 30-12-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 1 जनवरी 1976

निदेश सं० 275/ए०सी०एच०-23-614/19-7/75-76—

यतः मुझे, पी० एन० मिश्र,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० वार्ड सं० 7 नोंध नं० 279 प्लॉट नं०
20/5 है, तथा जो उनापानी रोड, लाल दरवाजा, सूरत में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
25-6-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थित :—

(1) श्री डाह्याभाई बेचरभाई पटेल तथा अन्य, बाब,
त० कामरोज, जिला : सूरत (अन्तरक)

(2) (1) श्री वसन्तराय डाह्याभाई पटेल, (2)
चंपकलाल डाह्याभाई पटेल, (3) हसुमनिबेन वसन्तराय
स्वयं तथा समीर भरत कुमार वसन्तराय के वाली की हैसि-
यत में (4) कमबेन चम्पकलाल, बाब, त० कामरोज, जि०
सूरत। (अन्तरिती)

(3) अमृतसर ट्रांसपोर्ट कम्पनी प्रा० लि० की ओर से
उसके खेयरमैन : कृष्ण मोहन बिजला, उनापानी रोड,
सूरत। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अवल सम्पत्ति जो कि 115.39 वर्ग मीटर जमीन, उस
पर बंधे हुए गोडाउन सहित है और जिसका नोंध नं०
279 प्लॉट नं० 20/5 वार्ड नं० 7 है तथा जो उनापानी
रोड, लाल दरवाजा, सूरत में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी सूरत के जून 1975 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं०
1174 में प्रदर्शित है।

पी० एन० मिश्र

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद-1

तारीख : 1-1-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 2 जनवरी 1976

निदेश सं० 276/ए०सी०यू० 23-615/13-1/75-76--
यतः मुझे पी० एन० मित्तल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है
और जिसकी सं० 395 सब प्लॉट नं० एच है, तथा
जो साइरो कम्पाउण्ड, करमसद रेलवे क्रासिंग के पाम त०
आनंद, जि० खेडा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, आनंद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन 31-5-1975
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित, व्यक्तियों अर्थात् :-

10-416 GI/75

(1) प्रिंसीपल आफिसर, साइरो प्रा० लि०, बल्लभविद्या-
नगर, त० आनंद, जिला खेडा। (अन्तरक)

(2) छीमबेन सी० अमीन, भागीदार : ईस्टर्न इंजीनिय-
रिंग कंपनी बल्लभविद्यानगर, त० आनंद, जि० मूरत
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

अचल संपत्ति का वह समस्त भाग जो विठल उद्योग
नगर, सबडिस्ट्रिक्ट आनंद, जिला खेडा में स्थित है तथा
जिसका सब प्लॉट नं० एच, कुल माप 18349 65 वर्ग
मीटर है और जो करमसद सीम में सर्वे नं० 395 पर स्थित
है।

पी० एन० मित्तल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद-1

तारीख : 2-1-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 27 दिसम्बर 1975

निदेश सं० 20-सी०/अर्जन—यतः मुझे, बिशम्बर नाथ, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० है तथा जो ग्राम-ममरौला जि० नैनीताल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हल्द्वानी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 6-6-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्—

1. श्री ब्रज नारायण पाण्डे (अन्तरक)

2. श्री चन्द्र भूषण शर्मा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल चौबीस बीघा दो बिस्वा है।
जो ग्राम ममरौला तहसील हल्द्वानी जिला नैनीताल में स्थित है।

बिशम्बर नाथ
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लखनऊ

तारीख : 27-12-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री बृज नारायण पाण्डे (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

2. श्री दलीप सिंह (अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 27 दिसम्बर, 1975

निदेश सं० 22-डी०/अर्जन—अतः मुझे, बिशम्बर नाथ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० है तथा जो ग्राम ममरौला जिला ननीताल में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हल्द्वानी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 6-6-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में, सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृपि भूमि जिसका क्षेत्रफल 19 बीघा 13 बिस्वा है। जो ग्राम ममरौला तहसील हल्द्वानी में स्थित है।

बिशम्बर नाथ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लखनऊ

तारीख : 27-12-1975
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री राम देव व अन्य (अन्तरक)

2. श्री विश्व नाथ प्रसाद व अन्य (अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रज, लखनऊ,

लखनऊ, दिनांक 30 दिसम्बर 1975

निदेश नं० 24-बी०/अर्जन—अतः मूझे, विशम्भर नाथ, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी संख्या है तथा जो मो० दुर्गा देवी जिला मिरजापुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मीरजापुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 19-6-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसा किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान जो मुहल्ला दुर्गा देवी जिला मिरजापुर में स्थित है।

विशम्भर नाथ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज, लखनऊ

तारीख: 30-12-1975

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 27 दिसम्बर 1975

निर्देश सं० 27-जी०/अर्जन—अतः मुझे, विशम्भर नाथ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० डी० 59/142 है तथा जो शिवपुरवा वाराणसी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वाराणसी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 14-6-1975 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री अरविन्द वासुदेव नाग व अन्य (अन्तरक)

2. श्री गिरजा देवी मारधा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता शुरू हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दा और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान नं० डी०-59/142 जो शिव पुरवा जिला वाराणसी में स्थित है।

विशम्भर नाथ
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लखनऊ

तारीख : 27-12-1975
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 27 दिसम्बर 1975

निदेश सं० 27-जी०/अर्जन—अतः मुझे, विशम्भर नाथ, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सी०-13/9 है तथा जो औरंगाबाद, जिला वाराणसी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 7-6-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री भवानी प्रसाद चटर्जी व अन्य (अन्तरक)

2. श्री गौरी शंकर प्रसाद चौरसिया व अन्य (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता दो मंजिला मकान मय भूमि के जिसका नं० सी-13/9 है जो कि औरंगाबाद जिला वाराणसी में स्थित है।

विशम्भर नाथ
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 27-12-1975
मोहर :

प्ररूप० आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 28 दिसम्बर 1975

निर्देश सं० 31-जे०/अर्जन—अतः मुझे, बिशम्बर नाथ, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो सिविल लाइन जिला मुरादाबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मुरादाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 18-6-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय के बावत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री सुरेश चन्द्र सबरवाल व अन्य (अन्तरक)

2. श्री जमुना प्रसाद कौणिक (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता शुरू हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान जो सिविल लाइन-जिला मुरादाबाद में स्थित है।

बिशम्बर नाथ
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 28-12-1975
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 28 दिसम्बर 1975

निर्देश सं० 46-के०/अर्जन—अनः मुझे, बिशम्बर नाथ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० है तथा जो मिजिल लाइन जिला मुरादाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मुरादाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 18-6-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सुरेश चन्द्र सबरवाल व अन्य (अन्तरक)
2. श्रीमती किशोरी देवी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करते पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण —इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान जो सिविल लाइन जिला मुरादाबाद में स्थित है।

बिशम्बर नाथ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 28-12-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 27 दिसम्बर, 1975

निर्देश नं० 56-बी/अर्जन यतः मुझे विशम्भर नाथ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० है तथा जो बाजार गोपीगंज, वाराणसी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ज्ञानपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16-6-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः—

11—416 GI/75

1. श्री हनीफ़ अख्तर (अन्तरक)

2. श्री बलदेव प्रसाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक दो मंजिला मकान जो बाजार गोपीगंज जिला वाराणसी में स्थित है।

विशम्भर नाथ
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 27-12-1975
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 27 दिसम्बर 1975

निदेश सं० 80/अर्जन/देहरादून/75-76-2319—अतः मझे, बिजय भार्गवा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, देहरादून में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1909 का 16) के अधीन, तारीख 19-4-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मदन मोहन कुकरेती पुत्र श्री रोदन लाल कुकरेती, निवासी 5 रामेश्वर, देहरादून (अन्तरक)
2. श्रीमती धनपती धर्मलाल कशमीरी लाल निवासी 23 मालियान मोहल्ला, देहरादून। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति नम्बर 5 पुराना व सं० 7 जो रामेश्वर मोहल्ला, देहरादून में स्थित है 40,000/- रु० मूल्य में हस्तान्तरित की गई है।

बिजय भार्गवा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 27-12-1975
मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 29 दिसम्बर 1975

निदेश सं० 264/अर्जन/मेरठ/75-76/2319—प्रत. मुझे,
बिजय भार्गवा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार स्थित है (और इससे उदात्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मेरठ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1909 का 16) के अधीन, तारीख 17-5-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसका दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) का प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री महेन्द्र कुमार जैन पुत्र श्री जीवा नन्द गुप्ता साकिन थापर नगर, मेरठ शहर। (अन्तरक)

2. श्री रमेश चन्द जैन पिसर श्री जगजीत सिंह जैन साकिन पुलिस स्ट्रीट, मेरठ कैंट। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम क अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति बिरुकी हिस्सा उपज एक मकान पुखता दुमजिल न० 207 स्ट्रीट न० 5 जो थापर नगर शहर मेरठ में स्थित है 50,000/- रु० मूल्य में हस्तान्तरित किया गया है।

बिजय भार्गवा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख : 29-12-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 29 दिसम्बर 1975

निदेश सं० 263/अर्जन/मेरठ/75-76/2319—अतः मुझे, बिजय भार्गवा

आयकर अधिनियम,

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी स० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मेरठ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 19-5-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर 6 के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण, में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री नरेन्द्र कुमार जैन पुत्र श्री जीवा नन्द गुप्ता साकिन थापर नगर, मेरठ शहर। (अन्तरक)

2. श्री रमेश चन्द्र जैन पिसर श्री जगजीत सिंह जैन साकिन पुलिस स्ट्रीट, मेरठ कैंट। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति निस्की हिस्सा उपज एक मकान पुखता दुमंजिला नं० 207 स्ट्रीट नं० 5 जो थापर नगर शहर मेरठ में स्थित है 20,000/- रु० मूल्य में हस्तान्तरित किया गया है।

बिजय भार्गवा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 29-12-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1 श्री रामा नरसिह मल्ला उगल सादा देव (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्री सुबीव सरकार (अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रज-1, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 1 जनवरी, 1976

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबध में कोई भी आक्षेप —

निदेश सं० टी०-आर०-171/सी०-172/कल०-2/75-76—
अतः मुझे, एस० के० चक्रवर्ती
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 39 है तथा जो टेश रोड, कलकत्ता में स्थित है
(और इससे उगाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, सियालदह में, रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8-8-1975 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक
(अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई आय की बाबत उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए,

39 टेश रोड, कलकत्ता में अवस्थित 11 कट्टा जमीन।

एस० के० चक्रवर्ती
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-1, कलकत्ता

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख . 1-1-1976
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 1 जनवरी 1976

निदेश सं० टि० आर०-172/सि०-171/कल०-2/75-76
—अतः मुझे एस० के० चक्रवर्ती
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 39 है तथा जो टेश रोड, कलकत्ता में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, सियालदह में, रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5-5-1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम',
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-

1. श्री राजा नरसिंह मल्ला उगल सान्दा देव (अन्तरक)

2. श्री मिहिर सरकार (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा-
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

39 टेश रोड कलकत्ता में अवस्थित 7 कट्टा 4 छटाक जमीन।

एस० के० चक्रवर्ती

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, कलकत्ता

तारीख : 1-1-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-1, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 1 जनवरी 1976

निर्देश सं० टी० आर०-173/सी०-170/कल०-2/75-76

अतः मुझे एस० के० चक्रवर्ती

आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 39 है तथा जो देश रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, मियालदह में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5-6-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री रामा नरसिंह मल्ला उगल सन्दा देव (अन्तरक)
2. श्री सुनील कुमार सरकार (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

39, देश रोड, कलकत्ता में अवस्थित 6 कट्टा 11 छटाक जमीन ।

एस० के० चक्रवर्ती

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, कलकत्ता

तारीख : 1-1-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री राजा नरसिंह मल्ला उगल सान्दा देव (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-I, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 1 जनवरी 1976

निदेश सं० टि० आर०-174/सि०-169/कल०-2/75-
76—अतः मुझे, एस० के० चक्रवर्ती

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 39 है तथा जो देश रोड, कलकत्ता में स्थित है
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, मियालदह में, रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5-5-75
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयो-
जनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

2. श्री सुसान्त सरकार (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का,
जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

39 देश रोड, कलकत्ता में अवस्थित 12 कट्टा 12 छटाक
जमीन।

एस० के० चक्रवर्ती

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

[अर्जन रेंज-I, कलकत्ता-16]

तारीख : 1-1-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री राणा नरसिंह मल्ला उगल सान्दा देव (अन्तरक)
2. श्री गिहासन प्रसाद (अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-1, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 1 जनवरी, 1976

निदेश सं० टी० आर०-175/सी०-168/कल०-2/75-76—अतः मुझे, एस० के० चक्रवर्ती

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 39 है तथा जो देश रोड़, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय सियालदह में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1909 का 16) के अधीन, तारीख 5-5-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार

मूल्य स कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजारमूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

12—416GI/75

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

39 देश रोड़, कलकत्ता में अवस्थित 8 कट्टा 9 छटाक जमीन।

एस० के० चक्रवर्ती

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, कलकत्ता

तारीख : 1-1-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-I, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 1 जनवरी 1976

निदेश सं० टी० आर० 177/सि०-166/कल०-2/75-
76—अतः मुझे, एस० के० चक्रवर्ती

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है,
और जिसकी सं० 39 है तथा जो टेंश रोड में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, सियालदह में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 5-5-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत
उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने
के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे
बचने में सुविधा के लिए; और/या,

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य
आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम,
1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्री राजा नरसिंह मल्ला उगल सान्दा वेन्न (अन्तरक)
2. श्री संकर चन्द्र दास (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामिल से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

39 टेंश रोड, कलकत्ता में अवस्थित 7 कट्टा 12 छटांक
जमीन।

एस० के० चक्रवर्ती
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, कलकत्ता-16

तारीख : 1 जनवरी, 1976
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 29 दिसम्बर 1975

निदेश सं० 305/अर्जन रेंज-III/75-76/कल०--अतः मुझे एल० के० बालसुब्रमनीयण

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 5 है तथा जो अनिल मैत्र रोड, कल० में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनूसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 30-5-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) दिलीप कुमार सिन्हा
(2) सन्दीप कुमार सिन्हा
(3) प्रदीप कुमार सिन्हा
(4) मिसेज निहारिका सेन
(5) मिसेज मधुलिका सेन । 5, अनिल मैत्र रोड । (अन्तरक)

2. (1) श्री सची नन्दन-मित्र (2) देवकी नन्दन मित्र
(3) यशोदा नन्दन मित्र-रायचरण देव रोड कोलपुर बीर भूम । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

Land of 18 cottahs 9 chittacks 4 sq. ft. at premises No. 5, Anil Maitra Road, Calcutta with a two storied main building, porch, verandah, garages, stair case, compound wall with gates, two storied kitchen blocks and servant's quarters, sheds and also with all other structures and fittings as per deed No. I-3160 of 1975 registered before Registrar of Assurances, Calcutta.

एस० के० बालसुब्रमनीयण
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
54, रफी ग्रहमद किदवाई रोड
अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

तारीख : 29-12-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० ए० ए०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-III, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 30 दिसम्बर 1975

निदेश सं० 306/अ० रे० III/75-76/कल०—अतः

मुझे, एम० के० बालसुब्रमण्यम्

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 80 ए है तथा जो यादवपुर सेन्ट्रल रोड, कलकत्ता
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
29-5-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
वृथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके वृथमान प्रतिफल से, ऐसे
वृथमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती प्रतिमा मिश्रा, 40 ए, यादवपुर सेन्ट्रल रोड,
कलकत्ता । (अन्तरक)
2. श्रीमती रीना घोष, 124/2, प्रिंस गुलाम हुसैन रोड,
कलकत्ता । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में
यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

गैरेज सहित एक तल्ला इमारत, 5 क० जमीन पर स्थित है
मकान नं० 40 ए० यादवपुर सेन्ट्रल रोड, कलकत्ता दलील सं०
3137 ।

एम० के० बालसुब्रमण्यम्
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-III, कलकत्ता

तारीख : 30-12-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, धारवाड़

धारवाड़, दिनांक 2 जनवरी 1976

निदेश सं० 96/75-76/एक्यू०—यतः मुझे, पी० सत्यनारा-
यण राँव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की
धारा 269-घ के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० सवे सं० 591 है, जो कोलगल्लू ग्राम, बल्लारी
जिला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में आर पूर्ण रूप
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बल्लारी
डाक्यूमेंट सं० 786 के अन्तर्गत 14-5-1975 के दिन में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 14-5-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल
से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, 'उक्त
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

1. श्रीमती कुमुदम्मा पत्नी के० रांगाचार पावर आफ एटान
होल्डर श्री के. गेशाचार, सभापति रोड, ब्रुम पेट, बल्लारी
(अन्तरक)

2 (1) श्री जी० तीम्मप्पा पुत्र पेद्द नरसप्पा
(2) श्री शकरप्पा पुत्र पी० भीमप्पा, कोलगल्लू ग्राम,
बल्लारी जिला। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खेती जमीन जो बल्लारी जिले के कोलगल्लू ग्राम में स्थित है।
सं० सं० 591 क्षेत्र ए-21, सी-91।

पी० सत्य नारायण राव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, धारवाड़

तारीख : 2-1-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
299-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, धारवाड़

धारवाड़, दिनांक 2 जनवरी 1976

निदेश सं० 97/75-76/एक्यू०—यतः, मुझे, पी० सत्यनारायण राँव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० एक्सटेंशन सि० सं० 3226/13, 3226/22 और सं० सं० 60 है, जो हुबली धारवाड़ मुनिसिपल हद्दी में उणकल ग्राम में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनूसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हुबली में डॉक्यूमेंट सं० 587 के अन्तर्गत, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 12-5-1975 के दिन को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री देवसी रामजी पटेल, बिल्डिंग कान्ट्रक्टर, होशूर, हुबली, 1 (अन्तरक)

2. (1) श्री हजरतसाब आदमसाब पंतोजी,

(2) श्री राजेसाब आदमसाब पंतोजी

(3) श्री इसमैल आदमसाब पंतोजी

(4) श्री अब्दुल रेहमान मेहबूबसाब पंतोजी एम/जी, श्री इसमैल साब पंतोजी, पार्टनर्स इन हुबली सॉ मिल्लस, धारवाड़ रोड, हुबली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों, का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट सं० 12 और 21 बिन्न शेन्की जमीन जिसकी सर्वे सं० 60 और एक्सटेंशन सि० सं० 3226/13, 3226/22 है। यह सम्पत्ति हुबली धारवाड़ मुनिसिपल हद्दी में उणकल ग्राम में स्थित है।

पी० सत्यनारायण राँव

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, धारवाड़

तारीख: 2-1-1976

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री कमल नाथ भन्ना (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

(2) श्री जगगज सिंह और अन्य (अन्तरागती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञेन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

उक्त सम्पत्ति के प्रज्ञेन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

निरीक्षण रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 1 जनवरी 1976

निदेश सं० 32-जे०/प्रज्ञेन—अतः मुझे विशम्भर नाथ
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० है तथा जो ग्राम गढ़ी
इन्दरजीत जिला नैनीताल में स्थित (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में ओर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय काशीपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 26-6-1975
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से उसके दृश्यमा
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजारमूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के
लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम'
के अधीन कर देने के अन्तर के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम'
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

निम्नलिखित का 1/2 भाग

एक किता प्लाट नं० 112 जिसका क्षेत्रफल 30 एकड़
तथा उसमें एक बना हुआ मकान 40 फुट × 50 फुट
जो कि ग्राम गढ़ी इन्दरजीत जिला नैनीताल में स्थित
है।

विशम्भर नाथ
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अज्ञेन रेंज, लखनऊ।

तारीख : 1-1-1976

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०-----

(1) श्री कैलाश नाथ भल्ला । (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री जगराज सिंह व अन्य । (अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं ।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

लखनऊ, दिनांक 1 जनवरी 1976

निर्देश सं० 32-जे०/ए०/अर्जन—अतः मुझे विशम्भर नाथ
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० है तथा जो ग्राम गढ़ी इन्दरजीत
सिंह जिला नैनीताल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनु-
सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी,
के कार्यालय, काशीपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 19-6-75
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक से रूप कथित नहीं किया गया है :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक
के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम'
या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

निम्नलिखित का 1/2 भाग

एक किता प्लॉट नं० 112 जिसका क्षेत्रफल 30 एकड़
तथा उसमें एक बना हुआ मकान 40'×50' जो कि ग्राम
गढ़ी इन्दरजीत सिंह जिला नैनीताल में स्थित है ।

विशम्भर नाथ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

अतः, अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ
की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 1-1-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 1 जनवरी 1976

निर्देश सं० 58-ए०/अर्जन—अतः मुझे विश्वम्भर नाथ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 281/2 है तथा जो सिविल लाइन छोहनी जिला सुल्तानपुर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सुल्तानपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 18-8-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में, वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम,' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

13 416GJ/75

(1) डा० कृष्ण चन्द्रा मजूमदार । (अन्तरक)

(2) श्री अजमुल निसा । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक किता दो मंजिला मकान नं० 281/2 जो कि सिविल लाइन छोहनी जिला सुल्तानपुर में स्थित है ।

विश्वम्भर नाथ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 1-1-1976

मोहर:

प्ररूप आई०टी०एन०एस०

(1) डा० कृष्ण चन्द्रा मजूमदार । (अन्तरक)

(2) श्री अब्दुल लतीफ खान । (अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 1 जनवरी 1976

निदेश सं० 59-ए०/अर्जन—अतः मुझे विशम्भर नाथ,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 281/1 है तथा जो सिविल लाइन छोहनी
जिला सुल्तानपुर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, सुल्तानपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख 18-8-1975 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधि-
नियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और / या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्त-
रण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक किता दो मजिला मकान न० 281/1 जो कि सिविल
लाइन छोहनी जिला सुल्तानपुर में स्थित है ।

विशम्भर नाथ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लखनऊ

तारीख : 1-1-1976
मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 2 जनवरी 1976

निदेश स० 310/एक्युजीशन रेज-III/75-76/कल०---अतः
मुझे, एल० के० बालसुब्रमण्यम

आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये में अधिक है

और जिसकी स० है तथा जो यादवपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आलिपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 24-5-75 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिम्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) मिसेज अमिय भौमिक, विवेकानन्द रोड यादवपुर 24 परगना ।
(अन्तरक)

(2) श्री शशाक भौमिक, विवेकानन्द रोड यादवपुर 24-परगना ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

रजिस्ट्रीकर्ता आलिपुर में (डीड न० 4553, 1975 सालका) रजिस्ट्रीकरण विवेकानन्द रोड यादवपुर, 24 परगना में अवस्थित खईतिथान न० 4 दाग न० 417 में 7 कट्ठा जमीन पर अविभक्त जमीन का 1/3 हिस्सा ।

एल० के० बालसुब्रमण्यम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-III 54, रफी-
अहमद क़िदवाई रोड, कलकत्ता-16

तारीख : 2-1-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 2 जनवरी 1976

निदेश सं० 322/एक्यू० रेंज-III/75-76/कल०—अतः

मुझे, एल० के० बालसुब्रमण्यम

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मौजा-जादवपुर है तथा जो जादवपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इलाहाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 24-5-1975

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्लिखित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् —

(1) श्रीमति अमिय भौमिक, विवेकानन्द रोड़, 24, परगना, यादवपुर। (अन्तरक)

(2) श्री शशांक भौमिक, विवेकानन्द रोड़ जादवपुर, 24 परगना। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

22 काटा जमीन और 2/3 अविभक्त हिस्सा शदाम और सकचार, दाग नं० 427 मौजा जादवपुर, 24 परगना, डोड नं० 2724 आफ 2975 रजिस्टर्ड इन सब-रजिस्ट्रार आलिपुर शहर।

एल० के० बालसुब्रमण्यम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-III, 54, रफीअहमद किदवाई
रोड़, कलकत्ता-16

तारीख : 2-1-1976

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, दिल्ली-1

4/14-ए, आसफ अली रोड, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 7 जनवरी 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1 (एस० आर०-III/
मई-1/760 (35)/75-76—यतः, मुझे, च० वि० गुप्ते
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० एस०-370 है, जो ग्रेटर कैलाश-III, नई दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 12-5-75 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री हेम राज पुरी, सुपुत्र श्री दिवान चन्द पुरी, एफ०-
80, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्रीमती सावित्री देवी मलोक, पत्नी श्री एच० एल०
मलोक, के०-47, नवीन शाहदरा, दिल्ली-32। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि धाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक फ्रीहोल्ड प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 303 वर्ग गज है और
नं० 370, ब्लॉक नं० 'एस' है तथा जोकि निवासी कालोनी ग्रेटर
कैलाश-II, नई दिल्ली-19, बाहापुर गांव, दिल्ली राज्य को यूनियन
टैरीटरी, दिल्ली नगर निगम के क्षेत्र के अन्तर्गत, दक्षिण क्षेत्र, ग्रीन
पार्क, नई दिल्ली-16 में निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व : सविस लेन।

पश्चिम : रोड।

उत्तर : प्लॉट नं० एस०-368

दक्षिण : रोड।

च० वि० गुप्ते

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 7-1-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 5 जनवरी 1976

निर्देश सं० 277/ए० सी० ब्यु०-23-616/19-7/75-76—

अतः, मुझे पी० एन० मित्तल

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और ज़मीन सं० सर्वे नं० 97 पैकी प्लॉट नं० 22, फाइनल प्लॉट नं० 49 है, तथा जो उमरवाड़ा, तहसील चौरासी, जिला सूरत में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19-5-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती धनगौरीबेन चिमनलाल स्वयं तथा सगीरों किरीर कुमार चिमनलाल तथा हरिशचन्द्र चिमनलाल के बाली की हैसियत में
(2) हशमतिबेन चिमनलाल,
(3) यशवतीबेन चिमनलाल,
सोनी फालिया. मेन रोड, सूरत। (अन्तरक)

2. श्री भरतकुमार पूनमचन्द, नरेशकुमार पूनमचन्द, राजेन्द्र कुमार पूनमचन्द, सलाबजुनपुरा, मोमनावा, सूरत। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन सर्वे नं० 97 पैकी, फाइनल प्लॉट नं० 49, कुल माप 1060 वर्ग गज अर्थात् 890.40 वर्ग मीटर है तथा जो उमरवाड़ा, तहसील चौरासी, जिला सूरत में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत के मई, 1975 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2367 में प्रदर्शित है।

पी० एन० मित्तल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 5-1-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 6 जनवरी 1976

निर्देश सं० 278/ए० सी० क्यू०-23-455/4-5/75-76—

अतः मुझे पी० एन० मित्तल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सिटी सर्वे शीट नं० 29, सिटी सर्वे नं० 3 (सर्वे नं० 29/3) बार्ड नं० 8, हा० नं० 399 है, तथा जो राजपिपला, तहसील नान्दोल, जिला भरोच में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नान्दोल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 27-5-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से अन्तरण उक्त लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 श्रीमती मिनीबेन आदी कान्ट्रैक्टर स्वयं तथा दो सगीर वच्चो रसना आदी कान्ट्रैक्टर और जारिर आदी कान्ट्रैक्टर के वाली की हस्तियत में, लिलवा धोल आदी नसरवानार्जी मार्ग, राज-पिपला। (अन्तरक)

1. मैं चित्रा भारती थियेटर्स की ओर में उसके भागीदार : (1) धीर भाई आर० देसाई, (2) हरीशभाई एम० पटेल, (3) बाबूभाई मंगनभाई देसाई, (4) नागशकुमार बाबूभाई देसाई, (5) उदैकुमार हरीशभाई पटेल, (6) अद्वनाबेन बालकृष्ण पटेल, (7) पद्माबेन रमेशचन्द्र पटेल, (8) तवीनचन्द्र मोहनलाल पटेल, (9) बाबूभाई जमनादास मिस्त्री, (10) नरोत्तमभाई कालीदास शाह, (11) जयलक्ष्मी मानिकलाल मेहता, (12) मुक्तालक्ष्मी प्रतापराय सेठ, (13) शान्तीबेन जगदीशभाई देसाई, (14) नीरव कुमार जगदीशभाई देसाई, 4-डी०, नाज बिल्डिंग, नेमिगटन रोड, बम्बई-4। (अन्तरिती)

3 श्री पडया महेन्द्रभाई हरिवदनभाई, नवापुरा, राजपिपला (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्तक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति का वह समस्त भाग (राज राकसी नामक सिनेमा गृह, जमीन बाध काम होटल इत्यादि सहित) जो स्टेशन रोड, राज-पिपला, तहसील नान्दोल, जिला भरोच में स्थित है और जिसका सिटी सर्वे शीट नं० 29, सिटी सर्वे नं० 3 (सर्वे नं० 29/3) भ्यू० बार्ड नं० 8, घर नं० 399 है जिसका कुल माप 46551 वर्ग फुट अर्थात् 5172-30 वर्ग गज है, जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नान्दोल के मई 1975 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4 में प्रदर्शित है।

पी० एन० मित्तल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II अहमदाबाद।

तारीख : 6-1-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 29 दिसम्बर 1975

निर्देश सं० सी० आर० 62/4222/76-76—यतः मुझे आर०
कृष्णमूर्ति, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज,
बंगलूर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिम्मी सं० 7 नया नं० 1 है, जो रेंज लेन, रिचमण्ड टोन,
बंगलूर-25 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिवाजी-
नगर, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का
1E) के अधीन तारीख 8-5-1975 को (दस्तावेज नं० 556/
75-76)

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिये,
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1 श्रीमती बीबी जहान सुलताना पत्नी लेट मिर्जा मोहम्मद
हुसेन, 48, बेलिंगटन स्ट्रीट, रिचमण्ड टोन, बंगलूर-25।
(अन्तरक)

2. श्रीमती रुक्मीनी माने पत्नी एन० बी० माने, रिचमण्ड
टोन, बंगलूर-25।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

[दस्तावेज सं० 556/75-76, दिनांक 8-5-1975 /]
मकान नं० 7, नया नं० 1, रोज लेन, रिचमण्ड टोन, बंगलूर-
25।

क्षेत्रफल : 30 द० 107 फुट

पू० प० 62 फुट=6634 वर्ग फीट।

इमारत : 17.92 वर्ग

सीमा : पू० श्रीमती जी० आर० डा कास्ता

प० रोज लेन।

उ० अनीगोसर

द० रोजो।

आर० कृष्णमूर्ति
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 29-12-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय,

अर्जन रेंज, बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 24 दिसम्बर 1975

निर्देश सं० सी० आर० 62/4227/75-76—यत्. मुझे, आर०
कृष्णमूर्ति, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज,
बैंगलूर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० सर्वे न० 70/3 है, तथा जो श्री गन्धद कावल
दाखले सुनरुदा कट्टे, यशवन्तपुर होबली, बैंगलूर नार्थ तालुक में स्थित
है (और इससे उपायद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बैंगलूर नार्थ तालुक में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
15-5-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

14—416GI/75

1. सर्वश्री (1) बी० रामकृष्णप्पा, पुत्र लेट वैरप्पा,
(2) श्रीराम पुत्र बी० रामकृष्णप्पा, नं० 3, 1 आस, होस-
हल्ली, बैंगलूर-40। (अन्तरक)

2. मल्ली गौडा उर्फ चिक्कन्ना

59. अग्रहारा दासरहल्ली मागजी रोड, बैंगलूर सिटी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 729/75-76 तहसील 15-5-75)।

जमीन सर्वे नं० 70/3, 4 एकड़, श्रीगन्धद कावल, दाखले
सुनरुदा कट्टे, यशवन्तपुर होबली, बैंगलूर नार्थ तालुक।

सीमा :—

पू० पी० डब्ल्यू० डी० स्थानक बन्दी की जमीन।

प० हरकिन्नात्र की जमीन।

उ० करियन्न को बेची गई जमीन।

द० : रामकृष्णप्पा की जमीन।

आर० कृष्णमूर्ति
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, बैंगलूर।

तारीख : 24-12-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 24 दिसम्बर 1975

निर्देश सं० सी० आर० 62/5228/75-76—यतः मुझे आर०
कृष्णमूर्ति, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज,
बैंगलूर

आयकर अधिनियम 1961¹ (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन
सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० सर्वे नं० 70/3 है तथा जो श्रीगन्धकावल दाखले
मुनकदकट्टे, यशवन्तपुर होबली, बैंगलूर नार्थ तालुक में स्थित है
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बैंगलूर, नार्थ तालुक में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
15-5-1975 (दस्तावेज नं० 73 1/75-76)।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के बाणिज्य
में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आर या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) सर्वश्री (1) बी० रामकृष्णप्पा

(2) श्रीराम।

नं० 3, 1 काम, होसहल्ली, बैंगलूर-40। (अन्तरक)

2. श्री रामकृष्णप्पा, 59, अग्रहारा दासरहल्ली मागडी
रोड, बैंगलूर सिटी। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करना हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

[दस्तावेज सं० 731/75-76, तारीख 15-5-1975/]
जमीन सर्वे नं० 70/3, श्रीगन्धकावल दाखले मुनकदकट्टे,
यशवन्तपुरा होबली, बैंगलूर नार्थ तालुक।

5 एकड़ जमीन।

सीमा :

पू० : पी० डब्ल्यू० डी० स्थानिक बन्द की जमीन और बेगगर
कालोनी।

प० : इरलिनगप्पा आर० चन्नसूरम्मा की जमीन।

उ० : मास्ती गौडा उर्फ चिक्कन्ना की जमीन।

द० : बेगगर कालोनी।

आर० कृष्णमूर्ति
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बैंगलूर

तारीख : 24-12-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 5 दिसम्बर 1975

Acq File No 270/J. Nos 8 & 10/75-76

यतः मुझे, B V SUBBA RAO

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है और जिसकी स० 29 19 33 Dornakal Mission Road, Suryapeta, Vijayawada है जो - में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, Vijayawada में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-4-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ,

अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् .—

- (1) 1 Smt Rayapiolu Dhanalaxmi, W/o Late Siva Subramanyam
- 2 R Chandra Sekar
- 3 R S Subramanyam being minor represented by legal heir father Sri R Chandrasekar
- 4 R Siva Subramanyam being minor represented by legal heir mother Smt R Dhanalaxmi
- 5 Smt B R Visala, W/o Sri Satyanarayana Rao, Bangalore
- 6 Y Vijayalaxmi, W/o Y K Sastiy, Rourkela
- 7 Y Padmaja W/o Y Malleswararao

(अन्तरक)

- (2) Shri Kotamasu Harigopal
S/o Satyanarayana,
Vijayawada

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

The schedule property as per document Nos 1094/75 and 1099/75 registered before the Sub-Registrar, Vijayawada during the fortnight ended 15-4-1975

B V SUBBA RAO,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख : 5-12-1975

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 5 दिसम्बर 1975

Acq. File No. 271/K.R. No. 17/VZA/75-76.

यतः, मुझे, B. V. SUBBA RAO,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं०

26-1-28 Sambamurthy Road, Behind Eswara Mahal, Ramnagar, Vijayawada

है जो में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, Vijayawada में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 30-4-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) Shri Yellamraju Kalyana Sundaram,
Rajagopalachari St.
Governorpeta, Vijayawada.

(अन्तरक)

(2) Shri Mandava Rattaiah,
Managing Partner Sri Padmanabha Printing works,
Vijayawada.

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

The schedule property as per document No. 1396/75 registered before the S.R.O., Vijayawada during the fortnight ended 30-4-1975.

B. V. SUBBA RAO,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख : 5 दिसम्बर 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 5 दिसम्बर 1975

A. File No 272/VSP No 3/75-76 —

यत, मुझे B. V Subbarao,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),

की धारा 269-ब के अधीन सक्षम अधिकारी को,

यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,

जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं०

15-6-5 Salewarasena Road, Mahanipeta Visakhapatnam-2

है जो मे

स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित

है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, Visakhapatnam

में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का

16) के अधीन 15-4-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान

प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार

अन्तरिम की गई है और मुझे यह विश्वास करने का

कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार

मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल

का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)

और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए

तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित दृश्य से उक्त अन्तरण

लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए; और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार मे, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) Kuldeep Singh, S/o Savan Singh
Gokkela Road, Mahanipeta,
Visakhapatnam

(अन्तरक)

(2) Raja Sagi Venkata Narasimharaju,
S/o Raja Sagi Scc haramaraju,
Tangedu Village,
Visakhapatnam Dist

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

The schedule property as per document No 1598/75 registered before the S.R.O. Visakhapatnam during the fortnight ended on 15-4-1975

B. V. SUBBARAO,
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, काकीनाडा

तारीख 5-12-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, 9 दिसम्बर 1975

Acq File No. 273/J. No. VSP. 13/75-76 —

यतः मुझे, B. V. Subbarao

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिस की सं०

14-1-38 Gokhale Road, Maharanipeta, Visakhapatnam

में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय Visakhapatnam में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 30-4-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है

और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से वर्णित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्वय में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-

(1) Mecherla Siceeramamurthy,
41-111, Main Road Gandhinagar, Madras-20.

(अन्तरक)

(2) Datla Satyanarayana
and D. V. Suiyanarayana, Tangedu, Vizag Dt.
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में ममान्य होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

The schedule property as per the document No. 1782/75 of the S.R.O. Visakhapatnam registered during the fortnight ended 30-4-1975.

B. V. SUBBARAO,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख 9-12-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

- (1) Yerrapiagada Suryanarayana
- 2 Y. Brahmanandam,
- 3 Komuragiri Venkata Ramana
- 4 Chilukuru Surya Prakasa Sasir

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रज, काकीनाडा

काकीनाडा, 10 दिसम्बर 1975

Acq File No 274/J No 12/WG/75 76 -
अत मुझे, B V Subbarao

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि म्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी स०

Dooi No 19/29, 30 & 31, 7th ward, Kondunavari Street, Tanuku

में स्थित है (और उमसे उपाबद्ध अनुसन्धी में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय Tanuku में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 31.5.1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (2) Manthana Venkata Ramana
Partner Sri Ramanjaneya Fruit Co.,
Main Road, Tanuku

(अन्तरक)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त म्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूचा

The schedule property as per document No 1095/75 of the SRO, Tanuku registered during the fortnight 31-5-1975.

B V SUBBARAO,

सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज, काकीनाडा

दिनांक : 10 दिसम्बर 1975

मोहर।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, 12 दिसम्बर 1975

Acq. File. No. 277/J. No. I(VSP)12/75-76.—

अतः मुझे, B. V. Subbarao

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी No. 47-14-2 Dwarakanagar, Visakhapatnam-2, में स्थित है (और इससे उपाय्य अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, Visakhapatnam में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 30-4-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) Shri Chekuri Venkatakrishnamraju and Satyanarayana S/o Late Ramalingaraju Katrinikona, Kmalapuram Taluk.

(अन्तरक)

(2) Mrs., Gogineni Kamalamba, W/o Reddeyya Mo-parru Kotal Tataiah, Gudavalli.

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

The schedule property as per document No. 1805/75 registered before the S.R.O., Visakhapatnam during the fortnight ended on 30-4-1975.

B. V. SUBBARAO,
सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, काकीनाडा

Date : 12-12-1975.

मोहर :

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 1st December 1975

No. A.12019/5/74-Admn.II.—The Secretary, Union Public Service Commission, hereby appoints Shri M. S. Chhabra, a permanent officer of the Section Officers' Grade of the C.S.S. Cadre of the Union Public Service Commission to officiate on an *ad-hoc* basis, as Junior Analyst in the Commission's Office for the period from 1-12-1975 to 28-2-1976, or until further orders, whichever is earlier.

2. Shri Chhabra will continue to be on deputation to an *ex-cadre* post of Junior Analyst and his pay will be regulated in accordance with the provisions contained in the Ministry of Finance's O.M. No. F.10(24)-E.III/60, dated the 4th May, 1961, as amended from time to time.

R. S. AHLUWALIA,

Under Secy.

for Secy.

Union Public Service Commission

New Delhi-110011, the 16th December 1975

No. A.32014/1/75-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri S. P. Mehra, permanent Personal Assistant (Grade II of CSSS) of the cadre of Union Public Service Commission, to officiate as Senior Personal Assistant (Grade I of CSSS) in the same cadre on a purely temporary and *ad-hoc* basis for a period of 46 days with effect from 1-12-1975 to 15-1-1976.

2. Shri S. P. Mehra should note that his appointment as Senior Personal Assistant (Grade I of CSSS) is purely temporary and on *ad-hoc* basis and will not confer any title for absorption in Grade I of Central Secretariat Stenographers' Service or for seniority in that Grade.

No. A.32014/1/75-Admn.III(9)—The President is pleased to appoint Shri S. P. Mathur, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a period of 47 days from 13-11-1975 to 29-12-1975 or until further orders, whichever is earlier.

P. N. MUKHERJEE,

Under Secy.

(Incharge of Administration)

Union Public Service Commission

CABINET SECRETARIAT

(DEPARTMENT OF PERSONNEL & ADM. REFORMS)

CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 16th December 1975

No. A-22013/1/75-AD-V.—In supersession of this office Gazette Notification No. PF/S-68/65-AD-V. dated 3-10-1975, Director, CBI and Inspector General of Police, SPF hereby appoints Shri S. S. Darbari, PP, CBI, on deputation to CBI from Madhya Pradesh State, as Sr. PP on deputation in the C.B.I. with effect from the forenoon of 25th September, 1975 in a temporary capacity, until further orders.

G. L. AGARWAL,

Admn. Officer(P)

C.B.I.

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

(DTE. GENERAL CRP FORCE)

New Delhi-110001, the 15th December 1975

No. F.3/22/74-Estt.(CRPF).—The President is pleased to appoint on promotion on *ad-hoc* basis, Shri S. P. Singh, Assistant Commandant as Commandant in the Central Reserve Police Force with effect from the afternoon of 16th June, 1975 until further orders.

The 19th December 1975

No. O.II-1037/75-Estt.—The President is pleased to appoint on deputation Dr. C. M. Bhan, an officer of Central Health Service, in the CRPF until further orders.

2. On his appointment on deputation, Shri Bhan took over charge of the post of a Specialist, Base Hospital, CRPF, Jharoda Kalan, New Delhi-110043 on the forenoon of 4th November, 1975.

No. A.VI-3/75-Estt.—The President is pleased to appoint Shri Vijay Kumar as Dy. Sp. (Coy. Comdr./OM) in the CRPF in a temporary capacity until further orders.

15-416GI/75

2. He is posted to 34th Bn CRPF and has taken over charge of his post on the afternoon of 17th October, 1975.

A. K. BANDYOPADHYAY,
Asstt. Dir. (Admn.)OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL
CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 15th December 1975

No. E-29020/12/74-Ad.I.—The President is pleased to appoint S/Shri M. A. Sunder Raj and R. Balasubramanyam, substantively as Commandant in the Central Industrial Security Force with effect from 17th November 1974.

The 17th December 1975

No. E-16013(1)/1/75-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri K. Dadabhoy, IPS (Gujarat-1957) on deputation to the post of Deputy Inspector General, Central Industrial Security Force Unit Rourkela Steel Plant with Headquarters at Rourkela with effect from the forenoon of 26th November 1975 *vice* Shri G. C. Senapati, IPS.

Shri G. C. Senapati, IPS, on repatriation to his parent cadre, relinquished the charge of the above mentioned post with effect from the forenoon of the same date *viz.* 26th November 1975.

No. F-38013(3)/6/75-Ad.I.—On transfer from Rourkela, Shri T. K. Banerjee, assumed the charge of the post of Assistant Commandant, Central Industrial Security Force Unit, Fertilizer Corporation of India, Talchar with effect from the forenoon of 1st December 1975, *vice* Shri R. M. Dash.

No. E-38013(3)/23/75-Ad.I.—On transfer to Hardwar, Shri G. S. Sandhu relinquished the charge of the post of Assistant Commandant, Central Industrial Security Force Unit, Bharat Heavy Electricals Limited (HEEP), New Delhi with effect from the afternoon of 3rd December, 1975.

The 20th December 1975

No. E-38013(3)/8/75-Ad.I.—On transfer from Bokaro Steel City, Shri B. D. Bahukhandi, assumed the charge of the post of Assistant Commandant, Central Industrial Security Force Unit, Hindustan Copper Project, Khetri with effect from the forenoon of 11-9-1975

L. S. BISHT,
Inspector General

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi-110011, the 15th December 1975

No. 25/15/73-RG(Ad.I.).—Consequent on his attaining the age of superannuation, Shri T. R. Rajagopalan relinquished charge of the post of Deputy Director of Census Operations, Tamil Nadu with effect from the afternoon of the 30th November, 1975.

The President is pleased to re-employ Shri T. R. Rajagopalan as Deputy Director of Census Operations, Tamil Nadu for a period of six months with effect from the 1st December, 1975.

The headquarters of Shri T. R. Rajagopalan will be at Madras

BADRI NATH,
Dy. Registrar General, India &
ex-officio Dy. Secy.

New Delhi-110011, the 20th December 1975

No. 10/19/75-Ad.J.—The President is pleased to appoint Shri R. K. Bhatia, Investigator in the office of the Registrar General, India as Research Officer in the same office on a purely temporary and *ad-hoc* basis for a period of six months with effect from the forenoon of the 20th December, 1975 or till a regular officer becomes available, whichever is earlier.

The headquarters of Shri R. K. Bhatia will be at New Delhi.

R. B. CHARI,
Registrar General, India &
ex-officio Jt. Secy.

MINISTRY OF FINANCE
(DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS)
BANK NOTE PRESS

Dewas (MP), the 13th December 1975

F. No. BNP/E/Spl./30.—The appointment on deputation of Shri S. P. Kulshrestha, Accounts Officer in the office of the Accountant General, Madhya Pradesh as Accounts Officer in the Bank Note Press, Dewas is continued on a regular basis w.e.f. 3-12-1975 to 2-12-1976 (AN).

D. C. MUKHERJEA,
General Manager

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL,
ANDHRA PRADESH-I

Hyderabad-500004, the 12th December 1975

No. EB.I/8-312/73-76/355.—(1) Sri S. Venkataratnam, Accounts Officer, Office of the Accountant General, Andhra Pradesh-I, Hyderabad, has retired from Service w.e.f. 31-8-75 (AN).

(2) Sri S. Subramaniam II Accounts Officer, Office of the Accountant General, Andhra Pradesh-I, Hyderabad, has retired from Service w.e.f. 31-8-75 (AN).

(3) Sri S. Adinarayana, Accounts Officer, Office of the Accountant General, Andhra Pradesh-I, Hyderabad, has retired from Service w.e.f. 30-9-75 (AN).

(4) Sri S. H. H. Razvi, Accounts Officer, Office of the Accountant General, Andhra Pradesh-I, Hyderabad, has retired from Service w.e.f. 30-11-75 (AN).

V. RAMAN,
Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL
UTTAR PRADESH-I

Allahabad, the 16th December 1975

No. Admn.I/11-144(XI)/256.—The Accountant General, U.P. I, Allahabad has appointed the following Section Officers to officiate as Accounts Officers in this office with effect from the date noted against each till further orders :—

S/Shri

1. Rama Shankar Sharma—27-10-1975.
2. Shree Rama Srivastava—25-10-1975.
3. Nanak Madho Narain—5-12-1975.
4. Ishwar Saran Srivastava—5-12-1975.
5. Chandrika Prasad Mishra—5-12-1975.

The 17th December 1975

NOTICE

No. Admn.I/3853.—In pursuance of Sub Rule (1) of rule 5 of the Central Service (Temporary Service) Rules, 1965 I hereby give notice to Sri Suresh Kumar Singh, clerk bearing personal No. 5383 (Five thousand three hundred eighty three) that his services shall stand terminated with effect from the date of expiry of a period of one month from the date on which this notice is published.

U. RAMACHANDRA RAO,
Sr. Dy Accountant General (Admn.)

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF
DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-110022, the 20th December 1975

No. 40011(2)/75/AN-A—(1) The undermentioned Accounts Officers will be transferred to the pension establishment with effect from the afternoon of the date shown against each on their attaining the age of superannuation.

Sl. No.	Name with Roster Number	Grade	Date from which transferred to pension establishment	Organisa-tion
1	2	3	4	5
	S/Shri			
1.	M. Ganesan (P/29)	Permanent Accounts Officer	29-2-1976	Controller of Defence Accounts (Pensions), Allahabad
2.	A. K. Sen Gupta (P/105)	Permanent Accounts Officer	31-1-1976	Controller of Defence Accounts (Factories), Calcutta
3.	T. S. Subramaniam (O/211)	Officiating Accounts Officer	31-3-1976	Controller of Defence Accounts (Other Ranks) South, Madras
4.	A. Veereswara Rao (O/216)	Officiating Accounts Officer	29-2-1976	Controller of Defence Accounts (Pensions) Allahabad
5.	N. K. Phanse (O/227)	Officiating Accounts Officer	31-1-1976	Controller of Defence Accounts (Factories) Calcutta

Shri T. S. Subramaniam, Officiating Accounts Officer has been granted earned leave for 97 days from 26-12-1975 to 31-3-1976 pending his retirement.

(2) The following is added as para (4) to this department notification bearing No. 40011(2)/75/AN-A dated 28-10-1975:

- (i) Shri G. P. Raina, Officiating Accounts Officer has been granted earned leave for 52 days from 10-11-1975 to 31-12-1975 pending retirement.
- (ii) Shri M. L. Sharma, Officiating Accounts Officer has been granted earned leave for 31 days from 1-12-1975 to 31-12-1975 pending retirement.
- (iii) Shri D. N. Dhawan, Officiating Accounts Officer has been granted earned leave for 31 days from 1-12-1975 to 31-12-1975.

S. K. SUNDARAM
Addl. Controller General of Defence Accounts (AN)

MINISTRY OF DEFENCE

DIRECTORATE GENERAL, ORDNANCE FACTORIES
INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE

Calcutta-700016, the 5th December 1975

No. 50/75/G.—On attaining the age of superannuation (58 years), Shri C. P. Sharma, Offg. Asstt. Manager, (Subst. & Permt. Foreman), retired from service with effect from 31st October 1974 (A.N.).

No. 51/75/G.—On attaining the age of 58 years the under-mentioned officers retired from service with effect from the date shown against each :—

1. Shri P. Francis, Offg. Dy. Manager (Permt. Foreman)—31st August, 1975 (AN).
2. Shri V. G. Shivnekar, Offg. Asstt. Manager (Permt. Staff Asstt.)—30th Sept., 1975 (AN).

No. 52/75/G.—On attaining the age of superannuation (58 years) Shri K. N. Chatterjee, Offg. D.A.D.G.O.F. (Subst. & Permt. Superintendent), retired from service with effect from 30th September, 1975 (A/N).

No. 53/75/G.—On attaining the age of superannuation (58 years) Shri K. M. Chatterjee, Offg. D.A.D.G.O.F. (Subst. & Permt. TSC/AM) retired from service with effect from 31st May, 1975 (A/N).

The 6th December 1975

No. 46/G/75.—On attaining the age of superannuation the undermentioned officers retired from service with effect from the dates as shown against each :—

1. Shri L. M. Mookerjee, Permt. Manager—31st July, 1975 (AN).
2. Shri P. K. Gue, Offg. Manager (Permt. Dy. Manager)—31st July, 1975 (AN).
3. Shri K. P. Sen Sarma, Offg. Asstt. Manager (Permt. Foreman)—31st August, 1975 (AN).

No. 47/G/75.—On expiry of the extension of service of one year Shri T. K. Chakraborty, Offg. Assistant Manager (Subst. & Permt. Foreman), retired from service with effect from 30th September, 1975.

M. P. R. PILLAI,
Assistant Director General, Ordnance Factories

MINISTRY OF LABOUR

COAL MINES LABOUR WELFARE ORGANISATION

Dhanbad, the 18th December 1975

No. P. 8(8)67.—In exercise of the powers conferred by Sub-rule (1)(b) of Rule 5 of the Coal Mines Labour Welfare Fund Rules, 1949, the Coal Mines Labour Welfare Fund Advisory Committee hereby makes the following amendment in the notification No. P.8(8)67, dated 20-2-1974 constituting the Hazaribagh Coalfield Sub-Committee, namely :—

In the said Notification, for Serial Numbers 4, 5 & 6 and the entries relating thereto, the following shall be substituted, namely :—

- "4. The Area General Manager, Central Coalfields Ltd., Hazaribagh—Employers' Representative.
- "5. The Area General Manager, Central Coalfields Ltd., Argada, Hazaribagh—Employers' Representative.
- "6. The Chief Personnel Officer, Central Coalfields Ltd., Ranchi—Employers' Representative.

R. P. SINHA
Coal Mines Welfare Commissioner, Dhanbad

MINISTRY OF COMMERCE

OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay-400020, the 18th December 1975

No. CER/6/75.—In exercise of the powers conferred on me by clause 34 of the Cotton Textiles (Control) Order, 1948

and with the previous sanction of the Central Government, I hereby make the following further amendment in the Textile Commissioner's Notification No. T.C. (4)/58, dated the 7th March, 1958, namely :—

In the Table appended to the said Notification in column 2 against S. No. 11, after item (XX), the following entry shall be added, namely :—

2

"(XXI) Director of Textiles-Cum-
Addl. Registrar, Co-op. Societies, Orissa"

G. S. BHARGAVA
Joint Textile Commissioner

DEPARTMENT OF SUPPLY

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS

(ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the December 1975

No. A-1/1(61).—Shri P. Nath permanent Deputy Director General and officiating as Additional Director General in the Directorate General of Supplies and Disposals, New Delhi retired from Government service with effect from the afternoon of 30th November, 1975 on attaining the age of superannuation (58 years).

K. L. KOHLI
Deputy Director (Administration)
for Director General of Supplies & Disposals

New Delhi-1, the 17th December 1975

No. A-1/1(838).—The President is pleased to appoint S/Shri Girdhari Lal and R. W. Suryawanshi, Assistant Directors of Supplies (Grade I) (Grade III of the Indian Supply Service) in the Directorate General of Supplies and Disposals, New Delhi to officiate as Deputy Director (Grade II of the Indian Supply Service) in the same Directorate General at New Delhi with effect from the afternoon of 20th November, 1975 and until further orders.

K. L. KOHLI
Deputy Director (Administration)

(ADMN. BR. A-6)

New Delhi, the 18th December 1975

No. A-6/247(390)/62/IV.—The President has been pleased to appoint Shri S. C. Kapoor, an officer of the Engineering Branch of Grade II of the Indian Inspection Service, Class I to officiate in Grade I of the Service with effect from the forenoon of the 25th November 1975.

Shri Kapoor relinquished charge of the post of Deputy Director of Inspection (Engg.) in the afternoon of the 13th November, 1975 and assumed charge of the post of Director of Inspection Calcutta Inspection Circle, Calcutta in the forenoon of the 25th November, 1975.

No. A-6/247(163)/58/II.—The President has been pleased to appoint Shri K. N. Srivastava, Inspecting Officer in Engineering Branch of Grade III of the Indian Inspection Service, Class I to officiate as Deputy Director of Inspection in Engineering Branch of Grade II of the Service with effect from the forenoon of the 24th November, 1975.

Shri Srivastava handed over the charge of the post of Inspecting Officer (Engg.) at Kanpur under the Northern Inspection Circle from the afternoon of the 14th November, 1975 and assumed charge of the post of Deputy Director of Inspection (Engg.) in the Calcutta Inspection Circle, Calcutta in the forenoon of the 24th November, 1975.

SURYA PRAKASH
Deputy Director (Administration)
for Director General of Supplies & Disposals

MINISTRY OF STEEL AND MINES
(DEPARTMENT OF MINES)

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700013, the 12th December 1975

No. 7649/B/2222(KP)/19A.—Shri K. Prabhakara is appointed as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of 1st November, 1975, until further orders.

No. 7659/B/2222(GCB)/19A.—Shri Gian Chand Bhambry is appointed as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 28th October, 1975, until further orders.

No. 7689/B/2222(DKM)/19A.—Shri Dipak Kumar Mukhopadhyay is appointed as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 14th November, 1975, until further orders.

No. 7697/B/2222(SBN)/19A.—Shri S. Balachandran Nair is appointed as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 29th October, 1975, until further orders.

No. 7704/B/2222(SPVD)/19A.—Shri S. P. Venkata Dasu is appointed as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 5th November, 1975, until further orders.

No. 7712/B/2222(BRV)/19A.—Shri B. R. Venkatesh is appointed as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 29th October, 1975, until further orders.

V. K. S. VARADAN
Director General

INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 18th December 1975

No. A19011(87)/70-Estt.A.—The President is pleased to appoint Shri S. S. Das, Assistant Controller of Mines, Indian Bureau of Mines to officiate as Deputy Controller of Mines in the Indian Bureau of Mines with effect from the forenoon of 28th November, 1975, until further orders.

A. K. RAGHAVACHARY
Sr. Administrative Officer
for Controller

DEPARTMENT OF SCIENCE & TECHNOLOGY
NATIONAL ATLAS ORGANISATION

Calcutta-700019, the 15th December 1975

No. 32-5/75-Estt.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, Shri M. P. Sinha, permanent Field Officer, is promoted to officiate in the post of Scientific Officer in the National Atlas Organisation, with effect from 12-12-1975, until further orders.

S. P. DAS GUPTA,
Director

DIRECTORATE GENERAL ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 16th December 1975

No. A-30014(4)75-SVI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri Mahabir Singh, Farm Radio

Officer in a quasi-permanent capacity in the post of Farm Radio Officer with effect from 10-3-1975.

M. L. TANDON
Deputy Director of Administration
for Director General

New Delhi-1, the 17th December 1975

No. 10/37/61-SII.—Director General, All India Radio, is pleased to appoint Shri V. V. Gopalakrishnan, Accountant, All India Radio, Alleppey to officiate as Administrative Officer, All India Radio, Lucknow on ad-hoc basis with effect from 9-12-1975 (F.N.).

I. S. PANDHI
Section Officer
for Director General

New Delhi, the 18th December 1975

No. A-30014(3)75-SVI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri J. L. Malhotra, Extension Officer in a quasi-permanent capacity in the post of Extension Officer with effect from 30-3-1975.

No. A-30014(3)-75-SVI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri A. K. Biswas, Extension Officer in a quasi-permanent capacity in the post of Extension Officer with effect from 4-4-1975.

No. A-30014(3)75-SVI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri B. N. Sama, Extension Officer in a quasi-permanent capacity in the post of Extension Officer with effect from 11-8-1975.

No. A-30014(3)75-SVI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri G. C. Jatav, Extension Officer in a quasi-permanent capacity in the post of Extension Officer with effect from 17-6-1975.

No. A-30014(3)75-SVI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri B. D. L. Srivastava, Extension Officer in a quasi-permanent capacity in the post of Extension Officer with effect from 2-8-1975.

No. A-30014(3)75-SVI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Kumari G. R. Bala, Extension Officer in a quasi-permanent capacity in the post of Extension Officer with effect from 21-7-1975.

No. A-30014(3)75-SVI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri S. N. Sadhu, Assistant Station Director in a quasi-permanent capacity in the post of Extension Officer with effect from 8-6-1975.

No. A-30014(3)75-SVI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri Dr. S. K. Madhur, Extension Officer in a quasi-permanent capacity in the post of Extension Officer with effect from 6-4-1975.

HARJIT SINGH
Deputy Director of Administration
for Director General

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 17th December 1975

No. 11-2/75-Admn.-I.—On transfer from the Department of Health, Shri S. Srinivasan an officer of the Selection Grade of the C.S.S. working as Deputy Secretary in that Department assumed charge of the post of Director of Administration and Vigilance in the Directorate General of Health Services, with effect from the afternoon of 6th December, 1975.

A. SURIN
Deputy Director (Administration)

New Delhi, the 15th December 1975

No. 7-1/73-Admn.-I.—Consequent on his appointment to the post of Administrative Officer in the Central Leprosy Teaching & Research Institute, Chingleput, Shri S. Kannan, an officer of the Section Officers' Grade of the C.S.S., assumed charge of the said post of Administrative Officer in the Central Leprosy Teaching & Research Institute, Chingleput with effect from the afternoon of 17th November, 1975.

The 11th December 1975

No. 33-7/75-Admn.I.—The President is pleased to appoint Smt. C. K. Punita to the post of Nursing Superintendent in the Safdarjang Hospital with effect from the forenoon of the 10th October, 1975 to the 15th November, 1975 (afternoon) in the leave vacancy of Smt. A. Ratna.

R. N. TEWARI,
Dy. Director of Administration (CHS)

New Delhi, the 19th December 1975

No. F.9-39/75-CGHS.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. Dharam Vir to the post of Homeopathic Physician in the Central Government Health Scheme, Meerut under this Directorate, on a purely *ad-hoc* basis, with effect from the forenoon of the 15th October, 1975 and until further orders.

No. F.9-31/75-CGHS-I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. Dharam Vir to the post of Ayurvedic Physician in the Central Government Health Scheme, Meerut under this Directorate, on a purely *ad-hoc* basis with effect from the forenoon of the 15th October, 1975 until further orders.

K. K. VENUGOPAL
Deputy Director of Administration (CGHS)

MINISTRY OF AGRICULTURE & IRRIGATION
(DEPARTMENT OF FOOD)
NATIONAL SUGAR INSTITUTE

Kanpur, the 15th December 1975

No. Estt.3/(1)/67-JV.—Shri R. C. Gupta is appointed substantially to the permanent post of Junior Scientific Officer (Physical Chemistry) at the National Sugar Institute, Kanpur with effect from the forenoon of 15th November 1969.

N. A. RAMAIAH,
Director

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE

PERSONNEL DIVISION

Bombay-400085, the 3rd November 1975

No. PA/79/(20)/73-R-IV.—In continuation of this Research Centre's Notification of even number dated May 3, 1974 the Controller, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri Mohanlal Mulchand Gandhi, a permanent Assistant in the Central Secretariat Service in the Ministry of Foreign Trade (Now Ministry of Commerce) New Delhi and on deputation to Bhabha Atomic Research Centre as Assistant, to officiate as Assistant Personnel Officer in the same Research Centre, with effect from the forenoon of July 1, 1974 to June 12, 1975 (AN).

The 16th November 1975

No. PA/81(136)/75-R-IV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri Krishan Lal Goswami, a permanent Draughtsman (B) and officiating Draughtsman (C) in the Bhabha Atomic Research Centre, as Scientific Officer/Engineer-Grade SB in the same Research Centre in an officiating capacity with effect from the forenoon of August 1, 1975, until further orders.

The 17th November 1975

No. PA/73(2)/75-R-IV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre, appoints the following persons to officiate as Resident Medical Officer in a temporary capacity in the same

Research Centre with effect from the dates shown against their names, until further orders:—

1. Dr. (Smt.) Shobhana Sudhir Lele—October 15, 1975 (FN).
2. Dr. (Smt.) Perinthalakath Narayanan Prabhavathy—October 15, 1975 (FN).
3. Dr. (Smt.) Chitra Pratap Bongirwar—October 16, 1975 (FN).
4. Dr. (Smt.) Dolly Ray—October 22, 1975 (FN).
5. Dr. Srikanth Balkrishna Bavare—November 8, 1975 (FN).

The 20th November 1975

No. PA/81(74)/75-R-IV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri Lokendra Nath Pathak a temporary Scientific Assistant (C) in the Variable Energy Cyclotron Project of Bhabha Atomic Research Centre, as Scientific Officer/Engineer-Grade SB in the same Project in an officiating capacity with effect from the forenoon of August 1, 1975, until further orders.

The 30th November 1975

No. PA/79(9)/75-R-IV.—Shri Waman Gangadhar Tilak, a permanent Upper Division Clerk and temporary Assistant, appointed to officiate as Assistant Personnel Officer in the Bhabha Atomic Research Centre vide Notification of even number dated July 24, 1975 relinquished charge of the office of Assistant Personnel Officer in the Centre with effect from the forenoon of November 12, 1975.

No. PA/81(134)/75-R-IV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre, appoints the undermentioned temporary Scientific Assistants (C) in the Variable Energy Cyclotron Project of Bhabha Atomic Research Centre, as Scientific Officer/Engineer-Grade SB in the same Project, in an officiating capacity with effect from the forenoon of August 1, 1975, until further orders.

Sr. No. & Name

1. Shri Manayil Sivaramakrishnan Madanamohanam
2. Shri Subba Pommur Reddi

The 1st December 1975

No. PA/81(143)/75-R-IV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri Ramesh Raghavendrarao Nanjund a temporary Scientific Assistant (B) in the Bhabha Atomic Research Centre as Scientific Officer/Engineer-Grade SB in the same Research Centre, in an officiating capacity with effect from the forenoon of August 1, 1975, until further orders.

No. PA/81(130)/75-R-IV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri Vinod Kumar Bhatia a temporary Foreman in the Bhabha Atomic Research Centre, as Scientific Officer/Engineer-Grade SB in the same Research Centre, in an officiating capacity with effect from the forenoon of August 1, 1975, until further orders.

No. PA/81(130)/75-R-IV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri Antony Fernandez, a permanent Draughtsman (B) and officiating Foreman in the Bhabha Atomic Research Centre as Scientific Officer/Engineer-Grade SB in the same Research Centre, in an officiating capacity with effect from the forenoon of August 1, 1975, until further orders.

No. PA/81(127)/75-R-IV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri Jayant Anant Gokhale, a temporary Scientific Assistant (C) in the Bhabha Atomic Research Centre, as Scientific Officer/Engineer-Grade SB in the same Research Centre, in an officiating capacity with effect from the forenoon of August 1, 1975, until further orders.

P. UNNIKRISHNAN,
Dy. Establishment Officer(R)

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY
POWER PROJECTS ENGINEERING DIVISION

Bombay-400005, the 5th December 1975

No. PPED/3(236)/75-Adm.—Director, Power Projects Engineering Division, Bombay hereby appoints Shri A. L. Saraswate, a temporary Draughtsman 'C' of this Division, as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the same Division, in a temporary capacity, with effect from the forenoon of August 1, 1975 until further orders.

N. G. PARULEKAR,
Administrative Officer,
for Director

HEAVY WATER PROJECTS

Bombay-400008, the 20th December 1975

No. HWPs/Estt/1/S-60/8575.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri Govindbhai Manilal Shah, a permanent Scientific Assistant 'A' and officiating Scientific Assistant 'C' of Bhabha Atomic Research Centre, now on deputation to Heavy Water Project (Baroda) in the same grade, to officiate as Scientific Officer/Engineer (Grade SB) in the same project, in a temporary capacity, w.e.f. the forenoon of August 1, 1975, until further orders.

T. C. SATHYAKEERTHY,
Senior Administrative Officer

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL
AVIATION

New Delhi, the 18th December 1975

No. A.32014/3/75-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri G. L. Relwani, Technical Assistant in the Aeronautical Communication Organisation of the Civil Aviation Department to officiate as Assistant Technical Officer at Aeronautical Communication Station, Bombay with effect from the 1st December 1975 (FN) on purely on ad-hoc basis vice Shri K. D. Pandit, Assistant Technical Officer granted earned leave.

The 20th December 1975

No. A.38015/18/74-EC.—The Director General of Civil Aviation deeply regrets to announce the death of the following officials of Aeronautical Communication Organisation:—

1. Shri R. S. Ram, A.T.O., A.C.S., Lucknow—24th September 1974.
2. Shri C. A. Pillai, A.C.O. ACS, Calcutta—8th October 1974.
3. Shri M. D. Parmanandwar, A.T.O., ACS, Bombay—17th September 1974.

V. V. JOHRI,
Assistant Director of Administration
for Director General of Civil Aviation

New Delhi, the 20th December 1975

No. A32013/7/75EA.—The President is pleased to appoint Shri S. A. Ram, Assistant Aerodrome Officer to the grade of Aerodrome Officer in the Civil Aviation Department, on ad-hoc basis for a period of six months with effect from the 9th December, 1975 or till the post held by him is filled on regular basis, whichever is earlier. He is posted at Calcutta Airport, Dum Dum.

V. V. JOHRI,
Assistant Director of Administration

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND
CUSTOMS

Allahabad, the 2nd December 1975

No. 152/1975.—Shri Virendra Pal Sinha, officiating Inspector (S. G.) of Central Excise, posted in the Central

Excise Integrated Divisional Office, Rampur, appointed to officiate as Superintendent, Central Excise, Class II, until further orders, in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200, vide this office Establishment Order No. 212/1975, dated 30-7-1975—issued under endorsement C. No. II(3)2-Et/75/28088, dated 31-7-1975, took over charge of the office of the Superintendent, Class II (Preventive and Intelligence) in the Central Excise Integrated Divisional Office, Bareilly on 9-10-1975 (forenoon), relieving Shri M. P. Chaudhary, Superintendent, Class II of the additional charge.

No. 153/1975.—Shri R. W. Sheetal, officiating Superintendent, Central Excise, Class II, previously posted as Superintendent (Valuation) in the Central Excise Collectorate Hdqrs. Office, Allahabad, handed over charge of the office of the Superintendent (Valuation) Central Excise Collectorate Hdqrs. Office, Allahabad on 31-10-1975 (afternoon) to Shri P. N. Kao, Superintendent, Central Excise, Class II and retired from Government service with effect from the said date and hour.

No. 154/1975.—Shri H. D. Dubey, officiating Superintendent, Central Excise, Class II, previously posted as Superintendent (Audit) in the Central Excise Collectorate Hdqrs. Office, Allahabad, handed over charge of the office of the Superintendent (Audit) Central Excise Collectorate Hdqrs. Office, Allahabad on 31-10-1975 (afternoon) to Shri S. S. Tandon, Examiner of Accounts of Central Excise Collectorate Hdqrs. Office, Allahabad and retired from Government service with effect from the said date and hour.

The 10th December 1975

No. 160/1975.—Shri S. N. P. Trivedi, confirmed Inspector (S. G.) of Central Excise, posted in the Central Excise Integrated Divisional Office, Varanasi and appointed to officiate as Superintendent, Central Excise, Class II, until further orders in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200, vide this office Establishment Order No. 212/1975, dated 30-7-1975—issued under endorsement C. No. II(3)2-Et/75/28088, dated 31-7-1975, took over charge as Superintendent, Central Excise, Class II (Tech.) in the Central Excise Integrated Divisional Office, Gorakhpur on 20-11-1975 (forenoon), relieving Shri G. P. Da-bari, Superintendent, Central Excise, Class II of the additional charge.

H. B. DASS
Collector
Central Excise, Allahabad

Madurai-2, the 6th December 1975

No. 4/75.—Sri K. V. Subramanyam, Administrative Officer, Customs Division, Madurai has been posted as Examiner of C.E.A. Hdqrs. Office, Madurai in the new post of Examiner sanctioned for Hdqrs. Office Madurai vide Ministry of Finance letter F. No. B. 12014/19/74 Ad. IV dated 12-5-75. He has assumed charge as Examiner on 15-11-1975 (forenoon).

No. 5/75.—The following Office Superintendents are appointed to officiate, until further orders as Assistant Chief Accounts Officers/Administrative Officers in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200. They have assumed charge as Assistant Chief Accounts Officers/Administrative Officers on the dates noted against each:—

S. No., Name of the Officer, Place of posting &
Date of assumption.

1. Sri N. V. Gopalan, Office Supdt. Hdqrs. Office, Madurai—Asst. Chief Accounts Officer, Hdqrs. Office, Madurai—20-10-75.
2. Sri G. K. Thulasiraman, Office Supdt., Hdqrs. Office, Madurai—Administrative Officer, Dindigul Central Excise Division—15-11-75.
3. Sri S. Anantharaman, Office Supdt., Hdqrs. Office, Madurai—Administrative Officer, Customs Division, Madurai—14-11-75 (afternoon).

M. S. SUBRAMANYAM
Collector

CENTRAL REVENUES CONTROL LABORATORY

New Delhi-110012, the 4th December 1975

CHEMICAL ESTABLISHMENT

No. 12/1975.—On transfer Shri K. K. Viswanathan, Assistant Chemical Examiner, Custom House Laboratory, Cochin assumed charge in the same capacity in the Custom House Laboratory, Calcutta with effect from forenoon of 15th October, 1975

No. 13/1975.—On transfer Shri M. P. Dixit, Assistant Chemical Examiner, New Custom House Laboratory, Bombay assumed charge in the same capacity in the Central Excise Regional Laboratory, Baroda with effect from the forenoon of 24th October, 1975.

V. S. RAMANATHAN,
Chief Chemist
Central Revenues Control Laboratory

CENTRAL GROUND WATER BOARD

Faridabad, the 17th December 1975

No. 3-416/75-CH (Estt.).—Shri G. C. Bhatnagar is hereby appointed to the post of Asstt. Hydrogeologist, G.C.S. Class II (Gazetted) in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 on temporary basis in the Central Ground Water Board with his headquarter at Jodhpur w.e.f. 27-11-75 (FN) till further orders.

The 18th December 1975

No. 3-409/75-CH (Estt.).—Shri M. V. Nikalje is hereby appointed to the post of Assistant Hydrogeologist GCS Class II (Gazetted) in the Scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 on temporary basis in the Central Ground Water Board with his headquarter at Sholapur w.e.f. 25-11-75 (FN) till further orders.

No. 3-406/75-CH (Estt.).—Shri Krishan Paul Singh is hereby appointed to the post of Assistant Hydrogeologist G.C.S. Class II (Gazetted) in the Scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 on temporary basis in the Central Ground Water Board with his headquarter at Chandigarh w.e.f. 25-11-75 (FN) till further orders.

D. S. DESHMUKH
Chief Hydrogeologist & Member

Faridabad-121001, the 19th December 1975

No. 7-110/75-Estt.II.—Shri K. B. Vohra, officiating Administrative Officer in Central Ground Water Board is appointed in a substantive capacity against a permanent post of Administrative Officer in the scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 with effect from 28-2-1975

D. PANDEY
Superintending Engineer

OFFICE OF THE ENGINEER IN CHIEF
CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi, the 25th November 1975

No 5/1/75-ECI.—The President is pleased to appoint Shri Om Prakash Purohit on the results of the Engineering Services Examination, 1973 on probation in CES Class I in the C.P.W.D. against a temporary post of Asstt. Ex. Engineer (Civil) with effect from 10-11-75 (F.N.).

P. S. PARWANI,
Dy. Director of Administration
for Engineer-in-Chief

New Delhi, the 26th November 1975

No. 12/7/74-Admn.IV.—The President is pleased to confirm Shri T. S. Gill in the post of Senior Architect in the Central P.W.D. with effect from 17-3-73.

S. S. P. RAU
Dy. Director of Administration

N. F. RAILWAY
GENERAL MANAGER'S OFFICE
(PERSONNEL BRANCH)

Pandu, the 16th December 1975

No. E/55/III/91 PIH(O).—Shri K. M. Rumba is confirmed in Class II service as Assistant Operating Supdt/Assistant Commercial Supdt. with effect from 1-2-75.

No. E/55/II/94 PIH(O).—Shri S. K. Roy is confirmed in Class II service as Assistant Engineer with effect from 1-7-75.

H. L. VERMA
General Manager

CENTRAL RAILWAY
GENERAL MANAGER'S OFFICE

Bombay, the 18th December 1975

No. HPB/220/G/H.—The following Assistant Medical Officers are confirmed in Class II of the Indian Railway Medical Service from the date shown against each :—

Sl. No.	Name	Date of confirmation
1	2	3
1.	Dr. S. B. Dutta	1-12-1962
2.	Dr. A. K. Pal	7-12-1962
3.	Dr. B. Chatterjee	1-2-1963
4.	Dr. M. M. Sarkar	2-2-1963
5.	Dr. T. S. Ramaratnam	10-5-1963
6.	Dr. N. Ravindranath	9-5-1963
7.	Dr. P. N. Jathar	13-2-1963
8.	Dr. S. C. Pangarkar	21-2-1963
9.	Dr. A. P. Ghosh	9-5-1963
10.	Dr. F. D. Pereira	27-4-1963
11.	Dr. V. S. Chetty	9-5-1963
12.	Dr. Mohd. Hasratullah	9-5-1963
13.	Dr. R. N. Kango	10-5-1963
14.	Dr. J. R. Sethi	17-5-1963
15.	Dr. B. N. P. Gupta	20-5-1963
16.	Dr. M. C. Dasgupta	1-11-1964
17.	Dr. (Mrs.) Usha Kibe	1-1-1966
18.	Dr. R. K. Joshi	1-1-1966
19.	Dr. J. K. Agarwal	1-1-1966
20.	Dr. R. S. Rai	1-1-1966
21.	Dr. A. K. Sarkar	1-1-1966
22.	Dr. S. S. Maitra	1-1-1966
23.	Dr. S. D. Gupta	1-1-1966
24.	Dr. S. Basu	1-1-1966
25.	Dr. P. Biswas	1-1-1966
26.	Dr. M. B. Sakhare	1-1-1966
27.	Dr. M. P. Tambe	1-1-1966
28.	Dr. S. C. Kapuria	1-1-1966
29.	Dr. D. V. Tillu	1-1-1966
30.	Dr. S. C. Sinha	1-1-1966
31.	Dr. H. V. Nirgudkar	1-1-1966
32.	Dr. B. Singh	1-1-1966
33.	Dr. B. P. Chaube	1-1-1966
34.	Dr. B. D. Srivastava	1-1-1966

1	2	3
35.	Dr. (Mrs) A. B. Yadav	1-1-1966
36.	Dr. M. Singh	1-1-1966
37.	Dr. I. S. Chakravarty	1-1-1966
38.	Dr. S. P. Biswas	1-1-1966
39.	Dr. R. N. Thakkar	1-1-1966
40.	Dr. G. L. Jaiswal	1-1-1966
41.	Dr. K. L. B. Saha	1-1-1966
42.	Dr. G. H. Bhatia	1-1-1966
43.	Dr. S. K. Gupta	1-1-1966
44.	Dr (Mrs.) I. Sethi	1-1-1966
45.	Dr. S. M. Cha turvedi	1-1-1966
46.	Dr. D. R. Bapat	1-1-1966
47.	Dr. B. N. Khanapurkar	1-1-1966
48.	Dr. R. D. Bhandari	1-1-1966
49.	Dr. (Mrs.) S. Bhandari	1-1-1966
50.	Dr. D. D. Arora	1-1-1966
51.	Dr. J. J. Kelkar	1-1-1966
52.	Dr. S. D. Dixit	1-1-1966
53.	Dr. G. D. Honka	1-1-1966
54.	Dr. K. P. Singh	1-1-1966

B. D. MEHRA
General Manager

DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS
OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of Companies Act, 1956 and of M/s Utkal Containers & Traders Private Ltd.

Cuttack, the 11th December 1975

No. A.555/75-2589(2).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s Utkal Containers & Traders Private Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of M/s

Associated Distributors Private Ltd.

Cuttack, the 11th December 1975

No. A.486/75-2588(2).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s Associated Distributors Private Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

S. N. GUHA
Registrar of Companies, Orissa

FORM ITNS—

(1) Ruby Construction Company.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Prakash Khanna.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 27th December 1975

Objections, if any to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons, which-
ever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.Ref. No. TR-9/C-9/Cal-1/75-76.—Whereas, I, S. K.
CHAKRAVARTY,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'Said Act').have reason to believe that the immovable property, having
a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 75C (Unit No. 9E), situated at Park Street, Calcutta,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at

at 5 Govt. Place North, Calcutta, on 9-5-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair mar-
ket value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated

in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the Said
Act, shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the
liability of the transferor to pay tax under
the Said Act, in respect of in any income arising
from the transfer; and/or(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the
Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).Unit No. 9E, on the 9th floor on premises No. 75C, Park
Street, Calcutta.S. K. CHAKRAVARTY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the Said Act to the following
persons, namely :—

16—416GI/75

Date : 27-12-1975.

Seal ;

FORM I.T.N.S.-----

(1) Ruby Construction Company.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shrimati Manju Puri.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned--

Calcutta, the 27th December 1975

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. TR-10/C-10/Cal-1/75-76.--Whereas, I, S. K. CHAKRAVARTY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as 'the Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 75C (United 5B), situated at Park Street, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 5 Govt. Place North, Calcutta, on 9-5-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Unit No. 5B on premises No. 75C, Park Street, Calcutta.

S. K. CHAKRAVARTY,
Competent Authority,Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section(1) of Section 269D of the Said Act to the following following persons, namely:—

Date : 27-12-1975.

Seal

FORM ITNS—

(1) Ruby Construction Company.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Sidhraj Bhandari.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Calcutta, the 27th December 1975

Ref No. TR-11/C-11/Cal-1/75-76.—Whereas, I, S. K. CHACKRAVARTY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 75C (Unit No. 5A), situated at Park Street, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 5 Govt. Place North, Calcutta, on 9-5-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 5A on 5th floor on premises No. 75C, Park Street, Calcutta.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely :—

Date : 27-12-1975.
Seal :

S. K. CHAKRAVARTY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-1, CALCUTTA

Calcutta, the 27th December 1975

Ref No TR-12/C-12/Cal-1/74 75.—Whereas, I, S K CHAKRAVARTY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25 000/- and bearing No 9, situated at Kiran Sankar Roy Road, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at 5, Govt Place North, Calcutta on 8-5 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely —

(1) Shrimati Sita Mitra

(Transferor)

(2) Shrimati Manu Rani Saha

(Transferee)

(3) (1) Santosh K Dutta, (2) Biswanath & Sankar Mukherjee, (3) Kshetra Bera 4 Baldeo Singh Grawal, 5 Omprakash Gupta, 6 Badri Singh, 7. Sitaram Kasherban, 8 Dudh N Singh, 9 Musafir Singh, 10 P K Dutta, 11 I N Das, 12 K G Banerjee, 13 Gita De, 14 Mukherjee & Co, 15 Kai Sen & Co, 16 Hope Johnstone & Son, 17 Sita Singh, 18 Bhagwan Das, 19 Shyamlal Esqi, 20 Arjun Nayak, 21 Dina N Singh
(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Three storied building with land measuring 2 K-15 Ch—3 sq ft more or less being premises No 9, Kiran Sankar Roy Road, Calcutta-1

S K. CHAKRAVARTY,
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date 27 12-1975.

Seal

FORM ITNS—

- (1) (1) Shri Bejoy Kisto Pramanick, and
(2) Shri Lokesh Ranjan Pramanick,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) The Indo British Spring Manufacturing Company.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Calcutta, the 27th December 1975

Ref. No. TR-18/C-25/Cal-1/75-76—Whereas, I, S. K. CHAKRAVARTY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No. 11/6 situated at Christopher Road, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

5, Government Place West Calcutta on 23-5-1975 for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land measuring 6 Cottahs 6 Chittacks 9 sq. ft. more or less together with brick-built buildings and Asbestos structure lying at 11/6 Christopher Road, Calcutta.

S. K. CHAKRAVARTY,
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely:—

Date . 27-12-1975.
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Ghanshyamdas S/o Shri Mool Chand Agarwal,
R/o Mohalla Dhadho, Bikaner.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Chhaganlal S/o Shri Mool Chand, R/o Mohalla
Nahto, Bikaner

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 23rd December 1975

Ref No Raj/IAC(Acq)/307—Whereas, I, C S. JAIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No 68 situated at Bikaner, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Bikaner on 29-7-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property on plot No 68, Industrial Area, Ram Bazar, Bikaner more fully described in conveyance deed registered on 29-7-1975 at S.No. 1285 Book No. 1 volume 291 pages 27 to 32 by Sub Registrar, Bikaner.

C. S. JAIN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Jaipur.

Date 23-12-1975.
Seal .

FORM ITNS— —

(1) Smt Chandra Kanta Bhushan w/o Shri Rama Kant Bhushan & Smt, Bhagwati Devi Jhingran both r/o 41-5/4 Singh Sabha Road Delhi-7.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Amrit Lal Kapur s/o Shri Behari Lal Kapur r/o F-5, Green Park Extn. New Delhi-16.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-I,

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 27th December 1975

Ref No IAC/Acq -I/SRIII/ May-1 (33)/758/75-76 —
Whereas, C. V. GUPTA,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No

S 475, situated at Greater Kailash-II, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 9.5.1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A plot of land bearing No 475 in Block S in the residential colony known as Greater Kailash-II measuring 557 sq. yds situated in village Bahapur in the Union Territory of Delhi bounded as under —

East : Road

West : Service Lane

North : Plot No. S/473

South Plot No. S/477.

C. V. GUPTA,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-I,

New Delhi

Date 27-12-1975.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 27th December 1975

Ref. No. IAC/Acq.-I/SRII/747(19)/75-76.—Whereas, I, C. V. Gupta, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. L-18, situated at Kailash Colony, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on 5/5/1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely :—

- (1) Shri Shaboo Prem Chand Bhagwanani s/o Late Shri Prem Chand Bhagwanani through General attorney of Shri Nihal Chand Hassaran Bhagwanani s/o Late Shri Hassaran Telarama Bhagwanani r/o 3, Silver Beach Society, Plot No. 23, North South Road No. 10, Juhu Scheme, Bombay-400058. (Transferor)
- (2) Smt. Asha Johri w/o Capt. C. M. Johri, r/o 1659, Mohan Mansion, Kashmere Gate, Delhi-6. (Transferee)
- (3) Shri Shrichand Raisinghani (Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Accommodation consisting of the first floor consisting of the drawing cum dining room, two bed rooms, kitchen, bath room, water closet, front and back verandhas having the total area of 695.5 sq. ft. together with a stair-case area of 114.41 sq. ft. and Barasti at Second floor consisting of one room, one store cum kitchen bath and W.C. in the building constructed on plot measuring 200 sq. yds. bearing No. L-18, and is situated in Kailash Colony, New Delhi within the limits of Municipal Corporation and bounded as under :—

East : Road
North : Plot No. L-17
West : Other's land
South Plot No. L-19.

C. V. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
New Delhi.

Date : 27-12-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Jagdish Chander Anand, s/o Shri Shiv Dayal Anand, r/o House No. B-74, Kalkaji, New Delhi.
(Transferor)

(2) Shri Amarjit Singh s/o Shri Ajit Singh Johar r/o C-139, Defence Colony, New Delhi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 27th December 1975

Ref. No. IAC/Acq.-1/SRIII/Mar-I/738(1).—Whereas, I, C. V. GUPTE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

N-5, situated as Greater Kailash-I, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 2-5-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons namely:—

17-416GI/75

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXI of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A plot of land bearing No. 5 Block No. 'N' measuring 309sq. yds. in the residential colony known as Greater Kailash-I, situated at village Yakutpur in the Union Territory of Delhi within the limits of Delhi Municipal Corporation and bounded as under:—

East : Plot No. N/7

West : Plot No. N/3

South : Service Road

North : Road.

C. V. GUPTE,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
New Delhi.

Date : 27-12-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri T. Dass Gupta, s/o Shri P. C. Gupta 45, Turf View, Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. Swaran Singh Paul, s/o Shri S. Gurdial Singh, 2, Smt. Savitri Devi w/o Dr. Swaran Singh Paul, r/o 66, Jorbagh, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 27th December 1975

Ref. No. LAC/Acq.-I/SRII/May-II/770(1).—Whereas, I, C. V. GUPTE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. B-79, situated at Defence Colony, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 17/5/1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section 1) of Section 269 of the Said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A lease-hold plot of land measuring 325 sq. yds. known as B-79, Defence Colony, New Delhi-24 along with the building, super-structure fittings and fixtures etc. together with all the ways, paths, rights latent and patent, privileges, easements benefits, advantages of the property whatsoever enjoyed by the Vendor.

C. V. GUPTE,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
New Delhi.

Date : 27-12-1975.
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Malcha Properties Ltd, 19, Netaji Subhas Road, Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. National & Grindlays Bank Ltd., Now known as Grindlays Bank Ltd., 19, Netaji Subhas Road, Calcutta-1.

(Transferee)

(3) M/s. National & Grindlays Bank Ltd.
(Person(s) in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 27th December 1975

Ref. No. IAC/Acq.-I/SRIII/700A/75-76.—Whereas, I, C. V. GUPTE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Two flats (1 & 4) on G.F. & F.F. of buildings on Plot No. 11 and 12 in Block 48, situated at Sardar Patel Road, New Delhi and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under

the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at New Delhi on 22/5/1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Two flats numbered one on the ground floor and numbered four on the first floor of the building on the land situate at Plots Nos. 11 and 12 in Block No. 48, Sardar Patel Marg, within the distt. of New Delhi including one half part in depth of the joists between the floors of the said flats and the ceiling of the flats above and below the same, the internal & external walls appurtenant to the said flats together with the two garages & eight out-houses (seven out-houses on the first floor and one out-house on the ground floor) also with easements rights, privileges set out in the second schedule to the Sale-deed dated 30/12/74 between M/s. Malcha Properties Ltd., Calcutta and M/s. National and Grindlays Bank Ltd., Calcutta.

C. V. GUPTE,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-I,

New Delhi.

Date : 27-12-1975.

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Malcha Properties Ltd., 19, Netaji Subhas Road, Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Gillanders Arbuthnot & Co. Ltd., Gillander House, Netaji Subhas Road, Calcutta.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,

4/14A, (3RD FLOOR), SAHIB SINGH BLDG. ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 27th December 1975

Ref. No. IAC/Acq.-I/SRIII/706A/75-76.—Whereas, I, C. V. GUPTE, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One flat No. 2 on G.F. of building on Plot No. 11 & 12 in Block No. 48, situated at Sardar Patel Road, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on 27/5/1975.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The flat No. 2 on the ground floor of the building situated at Plot Nos. 11 and 12 in Block No. 48, Sardar Patel Marg, New Delhi, including one-half part in depth of the joists between the floors of the said flat and the ceilings of the flat above the same, the Internal & External walls appurtenant to the said flat together with one garage and four outhouses (three outhouses on the ground floor and one outhouse on the first floor) and also with the easements rights and privileges set out in the second schedule to the Sale-deed dated 30/12/74 between M/s. Malcha Properties Ltd., Calcutta and M/s. Gillanders Arbuthnot & Co. Ltd., Calcutta.

C. V. GUPTE,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
New Delhi.

Date : 27-12-1975.
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Malcha Properties Ltd., 19, Netaji Subhas Road, Calcutta.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. I.C.I. (India) Pvt. Ltd., 34, Chowringhee Road, Calcutta.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
4/14A, (3RD FLOOR), SAHIB SINGH BLDG. ASAF
ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 27th December 1975

Ref. No. JAC/Acq.-I/SR111/692A/1953/75-76.—Whereas I, C. V. GUPTE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 3 on F.F. of building on Plot Nos. 11 and 12 in Block No. 48, situated at Sardar Patel Road, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 21/5/1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The flat No. 3 on the first floor of the building situate at Plot Nos. 11 and 12 in Block No. 48, Sardar Patel Marg, New Delhi, including one-half part in depth of the joists between the floors of the said flat and the ceilings of the flat below the same, the internal and external walls appurtenant to the said flat together with one garage and four outhouses (three-outhouses on the first floor and one on the ground floor) and also with the easements rights and privileges set out in the second schedule to the sale-deed dated 30-12-74 between M/s. Malcha Properties Ltd., Calcutta and M/s. I.C.I. (India) Private Limited, Calcutta.

C. V. GUPTE,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
New Delhi.

Date : 27-12-75
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt Jameelunnisa Begum, W/o Major Mohd Asim
Muza, H No 8 2-401/1, Road No 5 Banjara Hills,
Hyderabad

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sri Narayanlal Yadav, S/o Munnalal Yadav, H No
15 7-553 at Begum Bazar, Hyderabad

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned —

Hyderabad, the 27th December 1975

Ref No RAC No 216/75 76 —Whereas, I, K S
VENKATARAMAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe
that the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs 25,000/ and bearing
No 15 7-553 situated at Begum Bazar, Hyderabad,
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto) has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at
Hyderabad on 30-5 75,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons which-
ever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer,
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

THE SCHEDULE

Property Mulgi No 15 7-553 in ground floor, situated at
Begum Bazar, Hyderabad

K S VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt Commissioner of Income tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date 27 12 1975
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Chhotubhai Naranji Patel & Shri Thakorbhai Tallubhai Patel, Directors of 'Girraj Exhibitors Pvt Ltd, Navsari

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE II,
AHMEDABAD 380009

(2) M/s Girraj Apartments Co op Housing Society,
through its President, Shri Jagubhai Dahyabhai
Patel & Secretary Dahyabhai Rambhai Patel, behind
Girraj Theatre, Navsari

(Transferee)

Ahmedabad-380009, the 19th December 1975

Ref No P R No 271 Acq 23 612/7 4/75 76 —Whereas,
I, P N MITTAL,

being the Competent Authority under Section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter
referred to as the 'said Act') have reason to believe that
the immovable property having a fair market value
exceeding Rs 25,000/- and bearing

No S No 623/2, admeasuring 9801 Sq ft situated at
Station Road near Girraj Theatre, Navsari,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at
Navsari on 12-5-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer,
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the 'Said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used
herein as are defined in Chapter XXA
of the said Act, shall have the same
meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A plot of land bearing S No 623 2 and admeasuring
Acie 0 09 Guntha i.e 9801 Sq ft situated behind Girraj
Theatre, Navsari, and as fully described in sale-deed bearing
Registration No 421 of May 1975 of Registering authority,
Navsari

P N MITTAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range II Ahmedabad

Date 19-12-1975
Seal

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 19th December 1975

Ref. No. P.R. No. 272, Acq. 23-613/6-1/75-76.—Whereas, I, P. N. MITTAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. R.S. No. 432/62 admeasuring 5500 Sq. ft. situated at Baroda Kasba, Sayaji Ganj, On Jetalpur Road, Behind Viswas Colony, Baroda, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registrating Officer at Baroda on 16-5-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

(1) Smt. Sumanben Vrajilal Mehta, Bombay. (2) Smt. Prabhavati Dalpatlal Mehta, Bombay. Power of Attorney : Dr. Anandlal Bapalal Kothari, 2, Sampatrao Colony, Baroda.

(Transferor)

(2) Dr. Vijay Chandrakant Vyas; (2) Dr. Darshana Vijay Vyas; C/o Shri Bhaskerbhai P. Vin, 7-Vijay Society, Baroda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A plot of land at Vadodara Kasba, Sayaji Ganj area, on Jetalpur Road, behind Viswas Colony, Baroda bearing R.S. No. 532/62 and admeasuring 5500 Sq. ft. as fully described in sale deed bearing registration No. 3103 of May 1975 of the Registering authority, Baroda.

P. N. MITTAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 19-12-1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Anuma Dasgupta (2) Madhuri Dasgupta
(Transferee)NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Dilip Sengupta
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTAObjections, if any to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned —

Calcutta the 29th December 1975

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later,(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official
Gazette

Ref. No. TR-23/C-20/Cal-1/75-76 —Whereas, I, S K CHAKRAVARTY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No 38 (Southern Portion) situated at Creek Row, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at 5, Govt. Place North, Calcutta on 28-5-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

THE SCHEDULE

33 1/3 share in premises No 38 Creek Row (Southern portion) now 37A, Mohendra Sarker St., Calcutta partly two & partly three storied building built on land containing 3 Cottahs 5 chittacks & 28 sq ft

S K CHAKRAVARTY

Competent Authority,

Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I

54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta 16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely —

18—416GI/75

Date 29-12-1975

Seal

FORM ITNS—

(1) Shri Anima Dasgupta & (2) Madhuri Dasgupta,
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) (i) Shri Mayarani Sen

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 29th December 1975

Ref. No. TR-22/C-19/CAL-1/75-76.—Whereas, I, S. K. CHAKRAVARTY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax

Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 38 (Southern Portion) situated at Creek Row, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 5, Govt. Place North, Calcutta on 28-5-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

33 1/3 share in premises No. 38 Creek Row, (Southern Portion) now numbered as 37A, Mahendra Sarker St. partly two & partly three storied building built on land containing 3 cotahs 5 chittacks & 28 sq. ft.

S. K. CHAKRAVARTY,
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

Date : 29-12-1975
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 29th December 1975

Ref. No. TR-19/C-26/Cal-1/75-76.—Whereas, I, S. K. CHAKRAVARTY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5 situated at Little Russel St., Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at 5, Govt. Place North, Calcutta on 23-5-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the 'said Act' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Rampeary Tejpal. (Transferor)
- (2) Shri Nirmal Kumar Jhunjhunwala. (Transferee)
- (3) M/s Damani Engineering Co. and Brijmohan Damani. (Person in occupation of the property)
- (4) M/s N. K. Investment Ltd. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

15 Kt. 33 Ch. and 20 sft. land with dwelling house erected thereon being premises No. 5, Little Russel Street, Calcutta.

S. K. CHAKRAVARTY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 29-12-1975
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Anima Dasgupta & (2) Madhuri Dasgupta.
(Transferor)

(2) (i) Shri Anjan Dasgupta.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 29th December 1975

Ref. No. TR-21/C-18/CAL-1/75-76.—Whereas, I, S. K. CHAKRAVARTY, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 38 (Southern portion) situated at Creek Row, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 5, Govt. Place North, Cal on 28-5-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any of the person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

33 ½ share in premises No. 38, Creek Row (Southern portion) now numbered as 37A, Mahendra Sarkar St., partly two and partly three storied building built on land containing 3 cottahs 5 chittacks and 28 sq ft.

S. K. CHAKRAVARTY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date 29-12-1975

Seal

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JYOTHI
BUILDINGS, GOPALAPRABHU ROAD, ERNAKULAM,
COCHIN-11

Cochin-11, the 24th December 1975

Ref : L.C. No. 52/75-76.—Whereas, I. M. M. KURUP, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing sy. nos as per schedule situated at Shoranur Panchayat in Palghat Dist.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ottappalam on 10-7-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) (i) Lonappan, S/o. Povulose, Contractor, Thaliyath House, Iringalakuda, Mukundapuram Taluk. (ii) Poly S/o Lonappan, Thaliyath House, Iringalakuda, Mukundapuram Taluk. (iii) Devasy, S/o Povulose, Contractor, Alukkal House, Iringalakuda, Mukundapuram Taluk. (iv) Joseph, S/o. Devasy, Contractor, Alukkal House, Iringalakuda, Mukundapuram Taluk. (v) Joseph, S/o. Ouseph, Contractor, Uruvath House, Iringalakuda, Mukundapuram Taluk. (vi) Thomas, S/o. Variyath, Payandath House, Karukkutty, Kothakulangara North Village, Alwaye Taluk. (vii) Rosakutty, W/o. Thomas, Payanadath House, Karukkutty, Kothakulangara North Village, Alwaye Taluk. (viii) Grogia, W/o Roll, Kannayi House, Iringalakuda, Manavalasseri, Mukundapuram Taluk. (ix) poll S/o. Late Antony, Porathukkaran House, Manavalasseri Village Mukundapuram Taluk. (x) Devassykutty S/o Late Antony, Porathukkaran House, Manavalasseri village, Mukundapuram Taluk. (Transferor)

- (2) (i) P. K. Rajan, Proprietor, The Lakshmi Picture Palace, Ottapalam, (ii) Santha Kumari Amma, Partner, The Soranur Tile Works, Shoranur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said Property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

11 acres of land with buildings in Sy. Nos. 27A/7, 27A/8, 27A/9, 29/12, 29/13, 27A/11, 27A/12, 27A/6, 27A/2, 27A/3, 27A/5, 28/3, 27A/10, 27A/4, 28/1, 28/2, 27B/2, 34/2, 27B/1, 27B/3, 27/3, 27B/7, 27/7, 27B/5, 27/5, 27B/9, 27/9, 27B/4, 27/4, 48B/16, 48/16, 48B/17, 48/17, 48B/18, 48/18 in Shoranur Panchayat in Ottappalam taluk in Palghat District.

M. M. KURUP,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam.

Date 24-12-1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Jameelunnisa Begum, W/o Major Mohad Asim Mirza, H.No.8-2-401/1 at Banjara Hills, Road, No. 5, Hyderabad-34.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Shankarlal Yadav, S/o Munnalal Yadav, H.No. 15-7-554 at Begum Bazar, Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Hyderabad, the 27th December 1975

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. RAC. No. 217/75-76.—Whereas, I. K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 15-7-554 situated at Begum Bazar, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer, Hyderabad on 30-5-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : Mulgi, No. 15-7-554 at Bagum Bazar, Hyderabad, Area. 60 Sq. Yds.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 27-12-1975.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, POONA-411004

Poona-411004, the 30th December 1975

No. C.A.5/May 75/Haveli-II(Poona) /259/75-76.—Whereas,
I, H. S. AULAKH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 260/4, New 1154A, Sadashiv peth, Poona-30 situated as Sadashiv peth, Poona

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Haveli-II (Poona) on 12-5-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act,' to the following persons namely :—

(1) (1) Shri Jagannath Gopal Ranade,
(2) Smt. Nirmala Jagannath Ranade,
(3) Shri Prakash Jagannath Ranade,
(4) Shri Pradceep Jagannath Ranade,
new 1154 Sadashiv peth, Near Perugate, Poona 30.
(Transferor)

(2) Ranade Wada Sahakari Griharachana Sanstha
Marayadit, Chairman : Mrs. Pratibha N. Soman
New 1154A Sadashiv peth, Poona 30.
(Transferee)

Bldg. No. 1

(3) Shri Rajaram Mahadev Rishi
2. Shri Narayan Subbarao Kanetkar
3. Mrs. Kaumudi Chandrakant Karandikar
4. Smt. Sulabha Ramchandra Kale
5. Shri Krishnaji Keshav Puranik
6. Smt. Kamalabai Mahadeo Gogte
7. Shri Nagesh Sadashiv Limaye
8. Mrs. Pratibha Narayan Soman
9. Shri Narayan Ganpat Bastimane
10. Mrs. Neeta Madan Dahanukar
11. Shri Gajanan Subbarao Kumthekar
12. Smt. Indirabai Ramchandra Katti

Bldg. No. 2

13. Shri Narayan Gopal Patwardhan
14. Shri Padmakar Gangadhar Kale
15. Jagannath Gopal Ranade
16. Smt. Nirmala Shivram Sane
17. Mrs. Vasundhara Anant Kulkarni
18. Dr. Yeshwant Bhaskar Paranjape
19. Shri Amrutrao Trimbak Joshi
20. Shri Madhav Anant Pendse,
21. Shri Yeshwant Mahadeo Dole,
all residing at 1154 A. Sadashiv peth, Poona-30.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Freehold piece of land measuring 602.94 sq. metres from city S. No. 260/4 New 1154A Sadashiv Peth, Poona-30 with two four storeyed bldgs., thereon [Opp. M.E.S. (Boys) High School, Poona].

Bldg. no. 1 built up plinth area each floor 2530 sq. ft.

Bldg. no. 2 built up plinth area each floor 1705 sq. ft.

Constructed in 1971, 1972, 1973.

(property as mentioned in the Registered deed No. 973 of May, 75 of the Registering authority Haveli II, Poona).

H. S. AULAKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Poona.

Date 30-12-75.

Seal

FORM ITNS—

(1) Shri Jagdarshan Singh, s/o Shri Jaswant Singh,
Village Baring Khara, District Faridkot.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Joginder Singh, s/o Shri Narayan Singh,
House No. 622, Sector 11-B, Chandigarh.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE 156, Sector 9-B
CHANDIGARH

Chandigarh, the 29th December 1975

Ref. No. CHD/40/75.—Whereas, I, V. P. MINOCHA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Residential plot measuring two Kanal No. 5-K new No. 2170 Sector 15-C, situated at Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Chandigarh in June, 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential Plot measuring two kanals No. 5-K, new No. 2170, Sector 15-C, Chandigarh.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 271 of June, 1975 of the Registering Authority, Chandigarh).

V. P. MINOCHA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Chandigarh

Date : 29th December 1975
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Krishan Dev Singh, s/o Shri Raghunath Singh,
H. No. 1908, Sector 22-B, Chandigarh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT 1961 (43 OF 1961)(2) (i) Shri Sat Pal Singh s/o Shri Gian Singh, R/o
1220 Sector 22-B, Chandigarh.(ii) Shri Randhir Singh, s/o Shri Ragunath Singh,
1908, Sector 22-B, Chandigarh.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARHObjections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Chandigarh, the 29th December 1975

Ref. No. CHD/224/75-76.—Whereas, I. V. P. MINOCHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/3rd share of House No. 1125, Sector 21-B, situated at Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Chandigarh in July, 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

19—416G/75

THE SCHEDULE

1/3rd share of House No. 1125, Sector 21-B Chandigarh.

V. P. MINOCHA,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,

Acquisition Range, Chandigarh

Date : 29th December 1975

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, 156, Sector 9-B, CHANDIGARH

Chandigarh, the 29th December 1975

Ref No. CHD/331/75-76.—Whereas, I. V. P. MINOCHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. SCF No. 3, Sector 27-D, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in August, 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) i. Shri Sarbjit Singh s/o Shri Parshan Singh,
ii. Shri Darshan Singh, s/o Shri Kartar Singh,
iii. Shri Jasvir Singh, s/o Shri Jagat Singh through their attorney Shri Balraj Singh, s/o Shri Darshan Singh, 116, Sector 9-B, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Shiam Singh, s/o Shri Sohan Singh, R/o H. No. 6, Sector 16-A, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop-cum-flat No. 3 Sector 27-D, Chandigarh.

V. P. MINOCHA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Chandigarh

Date : 29th December 1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Amar Singh s/o Shri Harnam Singh, Alias Ghona Singh, Village Kiri, Tehsil Jagraon.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, 156, Sector 9-B, CHANDIGARH

(2) (i) Shri Iqbal Singh, s/o Shri Niranjan Singh,
Village Takhtu Pura, Tehsil Moga.
(ii) Shimati Kartar Kaur, d/o Shri Anokh Singh
Village Sidhwan Kalan
iii. Shri Tarlochan Singh, s/o Shri Indar Singh,
Village Sidhwan Kalan, Teh. Jagraon.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Chandigarh, the 1st January 1976

Ref. No. JGR/1/75-76.—Whereas, I. V. P. MINOCHA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

No. Land measuring 100 kanals and 6 marlas, 6/7 share
from 117 kanals, situated at Village Kiri, Tehsil Jagraon

(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at
Jagraon in May, 1975

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used
herein as are defined in Chapter XXXA
of the said Act, shall have the same mean-
ing as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Land measuring 100 kanals and 6 marlas (6/7 share from
117 kanals) Khata 54/73, Rect. 4, Kila 9, 10, 11, 12, 19,
20, 21, 22—Rect. 3, Kila 6, 15, 16, 25—Rect. 5, Kila
1, 2—Rect. 6, Kila 5, Jamabandi 1970-71, Village Kiri,
Tehsil Jagraon.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 448 of
May, 1975 of the Registering Authority, Jagraon.)

V. P. MINOCHA,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Chandigarh

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons,
namely :—

Date : 1st January 1976

Seal :

FORM 11NS

(1) Shri Joginder Singh s/o Shri Ram Singh Village
Galib Kalan Tehsil Jagraon

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF JIL INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE CHANDIGARH

Chandigarh the 1st January 1976

Ref No JGR/6/75-76 —Whereas, I V P MINOCHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25000/- and bearing No Land 38 kanals and 14½ marlas, situated at Galib Kalan, Tehsil Jagraon (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jagraon in May 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) i Shri Sarwan Singh
ii Shri Daishan Singh, } sons of Shri Mukhtiar
iii Shri Charanjit Singh, } Singh,
Residents of Village Galib Kalan, Tehsil Jagraon
(Transferees)

Objections if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the date of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land measuring 38 kanals and 14½ marlas situated in Village Galib Kalan Tehsil Jagraon
Jamabandi 1956-57 Rect 18 Kilas 13 18 19 22 2 Min —
Rect 109 Kilas 22/1 Min & 23/2 Min —Khata 48/61-46/58-471/610

(Property as mentioned in the Registered Deed No 711 of May 1975 of the Registering Authority, Jagraon)

V P MINOCHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax,
Acquisition Range, Chandigarh

Date 1st January 1976

Seal

FORM ITNS—

- (1) i. Shri Dharam Singh s/o Shri Nihal Singh,
 ii. Smt. Pritam Kaur, w/o Shri Dharam Singh,
 Residents of Village Jahangir, Tehsil Amritsar.
 (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
 TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) i. Shri Ajit Singh,
 ii. Shri Gurdeep Singh, } s/o Shri Hazara Singh,
 iii. Shri Pargan Singh, s/o Shri Dharam Singh,
 Bhagtan Wala Gate, Amritsar.
 (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIST. COMMIS-
 SIONER OF INCOME-TAX,
 ACQUISITION RANGE, 156, SECTOR 9-B,
 CHANDIGARH

Chandigarh, the 1st January 1976

Ref. No. PTA/627/75-76.—Whereas I. V. P. MINOCHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason

to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agricultural land measuring 56 kanal 12 marlas situated in Village Charason, situated at Village Charason, Tehsil Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in June, 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (ii) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall, have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land 56 kanals and 12 marlas situated in Village Charason, Tehsil Patiala.
 (Property as mentioned in the Registered Deed No. 1587 of June, 1975 of the Registering Authority, Patiala).

V. P. MINOCHA,
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range,
 Chandigarh.

Date : 1st January 1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Dalbata Singh, s/o Shri Kbiwa Singh Resident of Village Chakkar Tehsil Jagraon

(Transferor)

(2) Smt. Bachan Kaur, w/o Shri Dalbata Singh, Resident of Village Chakkar, Tehsil Jagraon

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, 156, SECTOR 9-B,
CHANDIGARH

Chandigarh the 1st January 1976

Ref No JGR/577/75-76—Whereas, I, V P MINOCHA, being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and being No. 1 land measuring 62 kanals and 3½ mailas, (1/2 share of 124 kanals and 7 mailas) situated at Village Chakkar, Tehsil Jagraon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jagraon in June, 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely —

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later ;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1 land measuring 62 kanals and 3½ mailas (1/2 share of 124 kanals and 7 mailas) situated in Village Chakkar, Tehsil Jagraon
Khata No 534/600, 535/601 536/602, 1097/1229, 1098/1230,
Rect. No. 49, Killa No. 16/2, 17/2, 24/1, 24/2, 25,
Rect No 48 Killa 21-22/1,
Rect No 67, Killa No 4/1, 4/2, 4/5, 4/3, 4/4,
Rect No 68, Killa No 1-2 9/1-10/1 Khasia No 362-855,
Rect No 199 Killa No 4/2, 7, 14/2 15, 5/2, 6
Rect No 200, Killa No 1/2 10 110 land 1/2 M 1/4 share of land 2 M, Khata No 537/603, Khasia No 955/1 (Gaumunkin Grah, Jamabandi for the year 1973-74,

(Property as mentioned in the registered deed No 1797 of June, 1975 of the Registering Authority, Jagraon).

V P MINOCHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range,
Chandigarh.

Date : 1st January 1976

Seal

FORM ITNS—

(1) Shri Dalbara Singh, s/o Shri Khiwa Singh, Resident of Village Chakkar, Tehsil Jagraon.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Jaswant Kaur, w/o Gurdev Singh, Resident of Chakkar, Tehsil Jagraon.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH

Chandigarh, the 1st January 1976

Ref No. JGR/578/75-76.—Whereas, I, V. P. MINOCHA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land measuring 62 kanals and 4 marlas, situated at Village Chakkar, Tehsil Jagraon

(and more fully described in the Schedule annexed here to) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jagraon in June, 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land, measuring 62 kanals and 3½ marlas, (1/2 share of land 124 kanals and 7 marlas) Khata No. 534/600, 535/601, 536/602, 1097/1229, 1098/1230, Rect. No. 49, Killa No. 16/2, 17/2, 24/1, 24/2, 25, Rect. No. 48, Killa No. 21, 22/1 Rect. No. 67, Killa No. 4/1, 4/2, 4/5, 4/3, 4/4 Rect. No. 68, Killa No. 1-2-9/1-10/1 Khasra No. 362-855, Rect. No. 199, Killa No. 4/2-7-14/2-15-5/2-6, Rect. No. 200, Killa No. 1/2-10-110, land 1/2 M, 1/4 share of land 2 M, Khata No. 537/603 Khasra No. 955/1, Jamabandi for the year 1973-74 of Village Chakkar, Tehsil Jagraon.

(Property as mentioned in the registered deed No. 1799 of June, 1975 of the Registering Authority, Jagraon).

V. P. MINOCHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Chandigarh.

Date : 1st January 1976
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Shivdev Singh, s/o Shri Sardara Singh, Resident of Raikot, Tehsil Jagraon.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) (i) Shri Balwant Singh,
(ii) Shri Shamsheer Singh, } sons of Shri Aijun Singh,
Residents of Burj Hakim

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH

Chandigarh, the 1st January 1976

No. RKT/205/75-76.—Whereas, I, V. P. MINOCHA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agricultural land measuring 42 kanal 17 marlas, situated at Raikot, District Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Raikot in June, 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land 42 kanals and 17 marlas, situated at Raikot, Tehsil Jagraon.

Jamabandi 1973-74.

Khata No. 2199/2360, 2197/1/2360/1.

Khata No. 239/7/2, 14, 16, 17, 25/2, 242//5/2, 240/10, 11, 19/2, 20, 21, 22/1, 241/1/1, 2/1, 239/26.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 706 of June, 1975 of the Registering Authority, Raikot).

V. P. MINOCHA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Chandigarh.

Date : 1st January 1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Shivdev Singh, s/o Shri Sardara Singh, Resident of Raikot, Tehsil Jagraon.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH

Chandigarh, the 1st January 1976

No. RKT/206/75-76.—Whereas, I, V. P. MINOCHA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Agricultural land measuring 42 kanals and 16 marlas situated at Raikot, District Ludhiana, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Raikot in June, 1975.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely :—

20—416GI/75

(2) (i) Shri Balwant Singh, } Sons of Shri Arjun Singh,
(ii) Shri Shamsher Singh, }
Residents of Burj Hakim.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 42 kanals and 16 marlas, 1/2 share out of land measuring 85 kanals and 12 marlas, situated in Raikot, District Ludhiana.

Jamabandi 1973-74.

Khata No 2197/2310, 2197/1/2360/1.

Khasra No. 239/7/2, 14, 15, 16, 17, 25/2, 242/5/2, 240/10, 11, 19/2, 20, 21, 22/1, 241/1/1, 2/1, 239/26.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 673 of June, 1975 of the Registering Officer, Raikot).

V. P. MINOCHA,

Competent Authority,

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Chandigarh.

Date : 1-1-1976

Seal ;

FORM ITNS—

- (1) Shri Ram Parshad, s/o Shri Mohan Lal, Resident of Phagwara, through Shri Jagan Nath, s/o Shri Mohan Lal, Resident of Phagwara.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

- (2) Smt. Mohinder Kaur, w/o Shri Mohan Singh, Resident of Tagore Nagar, Ludhiana.
(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH

Chandigarh, the 1st January 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

No. LDH/C/108/75-76.—Whereas, I, V. P. MINOCHA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Vacant plot of land No. 47, at Taraf Hassan Rora, Tagore Nagar, situated at Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in June, 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

THE SCHEDULE

Vacant Plot of land No. 47 at Taraf Hassan Rora, Tagore Nagar, Ludhiana.

(Property as mentioned in the registered deed No. 2305 of June, 1975 of the Registering Officer, Ludhiana).

V. P. MINOCHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Chandigarh.

Date : 1st January 1976
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s Rajiv India Industries, 366, Industrial Area 'A',
Ludhiana through Shri Vinod Kumar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) M/s Sanjeev Woolen Mills, Ludhiana through Shri
Hira Lal Goyal.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH

Chandigarh, the 1st January 1976

No. LDH/C/109/75-76.—Whereas, I, V. P. MINOCHA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Factory building No. 366, Industrial Area 'A', situated at Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in June, 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the 'said Act,' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Factory Building No. 366, Industrial Area 'A', Ludhiana.
(Property as mentioned in the Registered Deed No. 2338 of June, 1975 of the Registering Authority, Ludhiana).

V. P. MINOCHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Chandigarh.

Date : 1st January 1976
Seal:

FORM ITNS—

(1) Shri Kirpal Singh, s/o Shri Pritam Singh. G.T. Road, Miller Ganj, Ludhiana.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Indra Motors, G.T. Road, Ludhiana.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Chandigarh, the 1st January 1976

No. LDH/C/116/75-76.—Whereas, I, V. P. MINOCHA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1815 sq. yds. Dholewal alongside the Railway line situated at Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Ludhiana in June, 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 12 biswas and 2 biswansis i.e. 1815 sq. yds. situated in Dholewal alongside the railway line about 100 feet away from the G.T. Road, Ludhiana. (Property as mentioned in the Registered Deed No. 2738 of June, 1975 of the Registering Officer, Ludhiana).

V. P. MINOCHA,
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Chandigarh.

Date : 1st January 1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Sunder Singh, s/o Shri Prabh Dayal Singh,
1158, Sector 18-C, Chandigarh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH

Chandigarh, the 1st January 1976

No. CHD/223/75-76.—Whereas, I, V. P. MINOCHA,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition
Range, Chandigarh,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No. Factory No. 331, Industrial Area, situated
at Chandigarh,(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Chandigarh in July 1975for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—(a) facilitating the reduction of evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957).(2) (i) Shri Naginder Singh Schmi. } sons of Shri
(ii) Shri Mohinder Singh Schmi, } Hari Singh
SchmiResidents of Village & Post office Tajpur, Dis-
trict Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons which-
ever period expires later;(b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein, as
are defined in Chapter XXIA of the 'said
Act', shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Factory No. 331, Industrial Area, Chandigarh.
(Property as mentioned in the Registered Deed No. 475
of July, 1975 of the Registering Authority, Chandigarh)V. M. MINOCHA,
Competent AuthorityInspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Chandigarh.Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of section 269D of the said Act to the following persons,
namely :—

Date : 1st January 1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III, NEW DELHI

New Delhi, the 26th December 1975

No. IAC.ACQ.III/SR-III/May/285(17)/75-76.—Whereas,
I, S. C. PARIJA,

being the Competent Authority under
Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to
believe that the immovable property, having a fair market
value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
22, Block No. 60 situated at WEA, Karol Bagh, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed thereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
New Delhi on 16.5.1975

(for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the 'said Act'
in respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said
Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-
tion (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following
persons, namely :—

- (1) Santosh Rani w/o Sh. Hukam Chand Talwar r/o
59/20, Parbhat Road, Karol Bagh, New Delhi.
(Transferor)
- (2) K. Ravindran s/o Sh. C. Kashavan Nair, r/o
J-70, Kirti Nagar, New Delhi.
(Transferee)
- (3) Shri K. G. Sreedharan s/o Sh. K. Govinda Menon
r/o H.No. 22, Block No. 60, WEA, Karol Bagh,
New Delhi
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons which
ever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the 'said
Act' shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th undivided share of double storey building bearing
property No. 22, Block No.60, situated in WEA, Karol Bagh,
New Delhi on a lease-hold plot of land measuring 568.91 sq.
yds. and bounded as under ;—

North : Road
East : Plot No. 21

South : Service Road
West : Plot No. 23

S. C. PARIJA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range III, New Delhi.

Date : 26th December 1975

Seal :

FORM ITNS.—

(1) Smt. Santosh Rapi w/o Sh. Hukam Chand Talwar
1/o 59/20, Parbhat Road, Karol Bagh, New Delhi.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. K. G. Janaki Nair w/o Sh. C. Kashavan Nair
r/o J-70, Kirti Nagar, New Delhi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III, NEW DELHI

New Delhi, the 26th December 1975

No. IAC.Acq.III/SR.III/May/284(16)/75-76.—Whereas, I,
S. C. PARIJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No. 22, Block No. 60 situated at WEA, Karol
Bagh, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act,
1908 (16 1908) in the Office of the Registering Officer at
New Delhi on 16-5-1975,

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property
and I have reason to believe that the fair market value
of the property as aforesaid exceeds the apparent consi-
deration therefor by more than fifteen per cent of such
apparent consideration and that the consideration for such
transfer as agreed to between the parties has not been truly
stated in the said instrument of transfer with the object
of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the
liability of the transferor to pay tax under
the 'said Act', in respect of any income arising from
the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said
Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the 'said Act,' to the follow-
ing persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the 'said
Act', shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

1.4th undivided share of double storey building bearing
property No. 22, Block No.60, situated in WEA, Karol Bagh,
New Delhi on a lease-hold plot of land measuring 568.91 sq.
yds. and bounded as under :—

North : Road
East : Plot No. 21

South : Service Road
West : Plot No. 23

S. C. PARIJA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of income-tax,
Acquisition Range-III, New Delhi.

Date : 26th December 1975

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III, NEW DELHI

New Delhi, the 26th December 1975

No. 1AC.Acq.III/Sr.III/May/298(14)/75-76.—Whereas, I, S. C. PARIJA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 22, Block No. 60 situated at WEA, Karol Bagh, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 28-5-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Santosh Rani w/o Sh. Hukam Chand Talwar, r/o 58/20, Parbhat Road, Karol Bagh, New Delhi.
(Transferor)
- (2) Smt. C. Janaki Menon w/o Sh. K. C. Menon, r/o J-70, Kirti Nagar, New Delhi.
(Transferee)
- (3) Shri K. G. Sreedharan s/o Sh. K. Govinda Menon r/o H.No. 22, Block No. 60,, WEA, Karol Bagh, New Delhi
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned,—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act,' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th undivided share of double storey building bearing property No. 22, Block No.60, situated in WEA, Karol Bagh, New Delhi on a lease-hold plot of land measuring 568.91 sq. yds. and bounded as under:—
North : Road
East : Plot No. 21
South : Service Road
West : Plot No. 23

S. C. PARIJA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, New Delhi.

Date : 26th December 1975
Seal :

FORM 11NS

(1) Smt. Santosh Rani w/o Sh. Hukam Chand Talwar,
r/o 59/20, Parbhat Road, Karol Bagh, New Delhi.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III, NEW DELHI

(2) Smt. M. Sree Devi w/o Shri K. G. S. Menon r/o
62109 Gali No. 1, Block No. 1 Deve Nagar, Karol
Bagh, New Delhi.

(Transferee)

(3) Shri K. G. Sreedharan s/o Sh. K. Govinda Menon
r/o H. No. 22, Block No. 60 WEA, Karol Bagh,
New Delhi

(Person in occupation of the property)

New Delhi, the 26th December 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

No. I:AC.Acq III/SR.III/May/297(13)/75-76.—Whereas, I,
S. C. PARIJA,

being the Competent Authority under Section 269B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter
referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing

No. 22, Block No. 60, WEA situated at Karol Bagh, New
Delhi (and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
New Delhi on 28-5-1975

for an apparent consideration which is less than
the fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of
the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th undivided share of double storey building bearing
property No. 22, Block No.60, situated in WEA, Karol Bagh,
New Delhi on a lease-hold plot of land measuring 568.91 sq.
yds. and bounded as under:—

North : Road
East : Plot No. 21

South : Service Road
West : Plot No. 23

S. C. PARIJA,
Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-III, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the
said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of
the aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the
following persons, namely :—

21—416 GI/75

Date : 26th December 1975

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,4A/14, ASAF ALI ROAD 3RD FLOOR
NEW DELHI

New Delhi, the 27th December 1975

No. IAC/Acq II/1000/1938/75-76—Whereas I, S N L.
AGARWALA,being the Competent Authority under section
269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter
referred to as the 'said Act'), have reason to
believe that the immovable property, having a fair market
value exceeding Rs. 25,000/- and bearingNo. Portion of property No 1711 situated at Queens Road,
Nahar Sadat Khan, Delhi(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Delhi in April, 1975for an apparent consideration which is less than
the fair market value of the aforesaid property and I
have reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer
as agreed to between the parties has not been truly stated
in the said instrument of transfer with the object of—(a) facilitating the reduction or evasion of the
liability of the transferor to pay tax under the
said Act, in respect of any income arising from
the transfer; and/or(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
Section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—(1) 1 Shri Mahadeo Prasad Bagla s/o Late Rai Bahadur
Seth Kanhya Lal r/o 5-H, New Road, Alipore,
Calcutta
2 Shri Shree Krishna Bagla 3 Sh. Shri Ram Bagla
both sons of Late Hanuman Prasad r/o 2 B,
Rolandsay Road, Calcutta and 5-K, New Road,
Alipore, Calcutta

(Transferor)

(2) 1 Ved Parkash
2 Shri Subhash Chandra
3 Shri Satya Narain Gupta
sons of Shri Suraj Mal
r/o 1711, Queens Road, Nahar Sadat Khan, Delhi-6,
(Transferee)(3) 1 Sv/Shri Pt Bhola Nath
2 Shri Bhagwan
3 Pt Brij Mohan
4 Raghunath Dass
[Person(s) in occupation of the property]Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said im-
movable property within 45 days from the date
of the publication of this notice in the Official
Gazette.EXPLANATION —The terms and expressions used herein
as are defined in Chapter XXA of the said
Act shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

10 rooms on the basement ground and first floor having
an area of 2380 50sq ft in the property No 1711, Queens
Road, Nahar Sadat Khan, Delhi-7/72 impartible share
in the land and groundS N L AGARWALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range II Delhi/New DelhiDate 27th December 1975
Seal

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE II,
4-A/14 ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 27th December 1975

No IAC/Acq II/999/1941/75-76 —Whereas, I, S. N. L. AGARWALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25 000/- and bearing No Portion of property No 1711 situated at Queens Road, Nahar Sadat Khan, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in April, 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee, for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1 Shri Mahadeo Prasad Bagla s/o Late Rai Bahadur Seth Kanhya Lal 1/o 5 H, New Road, Alipore, Calcutta
2 Shri Krishna Bagla, 3 Sh Shree Ram Bagla, both sons of Late Hanuman Prasad r/o 2-B, Rolandsay Road, Calcutta and 5-K, New Road, Alipore, Calcutta

(Transferor)

- (2) 1 Sh Krishan
2 Satish Kumar
3 Shri Satya Narain Gupta
All sons of Shri Suraj Mal r/o 1711, Nahar Sadat Khan, Queens Road Delhi-6

(Transferee)

- (3) 1 Sv/Shri Amir Bahadur
2 Krishan Chand
3 Mool Chand
4 Tarlok Chand

[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XX-A of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

11 rooms in the basement ground floor and first floor having an area of 2380.50 sq ft in the property No 1711, Queens Road, Nahar Sadat Khan, Delhi-7/72 impartible share in the land and ground

S N L AGARWALA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date 27th December 1975
Seal

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR,
NEW DELHI

New Delhi, the 27th December 1975

Ref. No. IAC/Acq.II/1891(998)/75-76.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. D-5 situated at Tandon Road, Adarsh Nagar, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi in April, 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been on which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1972 (11 of 1972) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Chiranjil Lal s/o
Shri Mool Chand r/o
Village Kiltodh, Teh. Jajjar,
Distt. Rohtak (Haryana) through his General
Attorney Smt. Bhupinder Kaur w/o Shri Manjit
Singh r/o D-5, Tandon Road, Adarsh Nagar,
Delhi-33.
(Transferor)
- (2) Shri Manjit Singh and
Shri Satpal Singh sons of
Shri Tarlok Singh,
r/o D-5, Tandon Road Adarsh Nagar, Delhi-33.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A freehold built house bearing No. D-5 at Tandon Road, Adarsh Nagar, Delhi constructed on a plot of land measuring 120 sq. yds. and bounded as under :—

North : Passage 10 ft.
South : Tandon Road 25'
West : House on plot No. D-3
East : House on plot No. D-7.

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 27th December, 1975.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III
4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 31st December 1975

Ref. No. IAC. ACQ.III/SR.II/July/973(31)/75-76.—
Whereas, I, S. C. PARIJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

No. 19 Biswas of land bearing Plot No. 238, Khasra No. 238,
Village Nangli Sakrawati, Delhi,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
New Delhi on 16-7-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer; and/
or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax
Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

(1) Shri Jagan Nath s/o Shri Sadhu Ram
r/o WZ-423, Shiv Nagar, New Delhi and Smt.
Uttam Devi w/o Shri Ram Chand r/o WZ-434,
Shiv Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Amarjit Singh s/o Dr. Mehtab Singh
r/o F-135, Rajouri Garden, New Delhi and Shri
Ravi Sharma s/o Shri S. R. Sharma, r/o 3, Kotla
Road, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons, which-
ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

19 biswas of land bearing plot No. 238, and Khasra No.
238, situated in 'Lal Dora' Abadi Deh of Village Nangli
Sakrawati, Delhi State, Delhi and bounded as under :—

East : Others property
West : Gali
North : Others plot
South : Others plot

S. C. PARIJA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, New Delhi

Date : 31st December, 1975.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III
4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 31st December 1975

Ref. No. IAC. ACQ.III/SR.II/July/963(20)/75-76.—

Whereas, I, S. C. PARIJA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agricultural land 8 bighas 15 biswas situated at village Nangli, Sakrawati, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 29-7-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

- (1) Shri Lakhmi Chand s/o Shri Subh Ram self and G. A. of S/Shri Daya Chand, Balbir, Raghbir ss/o Shri Subh Ram and Smt. Barpho w/o Shri Attar Singh d/o Shri Subh Ram all 1/0 Village Nangli, Sakrawati, Delhi State, Delhi.

(Transferor)

- (2) Smt. Yash Rani w/o Shri Jagan Nath and Shri Jagan Nath s/o Shri Sadhu Ram both r/o WZ-423, Shiv Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The term and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 8 bighas 15 biswas bearing mustatil No. 23, Killa No. 2/1, (3-0), Killa No. 9/2 (3-0), Killa No. 12/1 (2-15) situated in the area of village Nangli Sakrawati, Delhi State, Delhi.

S. C. PARIJA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, New Delhi

Date : 31st December, 1975.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE-III, 4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 31st December 1975

Ref. No. IAC. ACQ.III/SR./II/July/864(21)/75-76.—
Whereas, I, S. C. PARIJA,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agricultural land mg. 13 bigha 3 biswas situated at village Nangli Sakrawati, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 20-6-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) (1) Shri Gopal Singh Kohli s/o Shri Hari Singh r/o 20-B/78, Tilak Nagar, New Delhi, as G.A. of Shri Sis Ram s/o Shri Ramji Lal of village Nangli Sakrawati, Delhi.

(2) Smt. Saran Kaur w/o Shri Gopal Singh Kohli r/o 20-B/78, Tilak Nagar, New Delhi as G.A. of Shri Rampat s/o Shri Ramji Lal of Village Nangli Sakrawati, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Ranjit Singh s/o Shri Gopal Singh Kohli r/o No 20-B/78, Tilak Nagar, New Delhi,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 13 bigha 7 biswas entered in Rect. No. 15, Killa No. 13/1, 14/1 8 7/2 17/2 and 27 situated in the area of Abadi and Khasra No. 74, 1-0-3 Biswa) village Nangli Sakrawati Delhi State Delhi.

S. C. PARIJA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, New Delhi

Date : 31st December, 1975,

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III,
4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 31st December 1975

Ref. No. IAC, ACQ.III/SR.II/July/964(21)/75-76.—

Whereas, I, S. C. PARIJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 9 Bigha 12 biswas of land situated at village Nagli Sakrawati, Delhi,

(and more fully described in

the schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at New Delhi on 29-7-1975,

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

(1) Shri Lakhmi Chand s/o Shri Subh Ram self and G.A. of Smt. Barpho w/o Shri Attar Singh d/o Shri Subh Ram all r/o village Nangli, Sakrawati, Delhi State, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Yash Rani w/o Shri Jagan Nath and Shri Jagan Nath s/o Shri Sadhu Ram both r/o WZ-423, Shiv Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 9 bigha 12 biswas bearing Mustatil No. 23, Killa No. 1, (4-16), Killa No. 10 (4-16) situated in the area of village Nangli Sakrawati, Delhi State, Delhi.

S. C. PARIJA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, New Delhi

Date : 31st December, 1975.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Mr. G. B. Pai s/o Late Gunna Pai r/o
13, Nizamuddin East, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Paxma Axle and Springs (P) Ltd., 8, DLF Indus-
trial Area, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 2nd January 1976

Ref. No. IAC/ACQ.I/SR.III/May-I(26)/75-76.—Whereas,
I, C. V. GUPTE,
being the Competent Authority under section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
Banglow No. 13, situated at East Nizamuddin, New Delhi,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Regis-
tration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Register-
ing Officer at
New Delhi on 7/5/1975,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said instru-
ment of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer; and/
or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C, of the said
Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons,
namely :—

22—416GI/75

Objection, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the 'Said Act'
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land bearing No. 13 Nizamuddin (East) measuring
1120 sq. yds. and located in Nizamuddin along with 2 storey-
ed building and Servants Quarters attached thereto and all
other structures, situated thereon and bounded as under :—

East : Road
West : Lane.
North Plot No. 14
South : Land

C. V. GUPTE,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, New Delhi

Date : 2-1-1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Jafarnisa d/o Jalaluddin Saiyadchhaga Kadari,
Opp. Bahai Centre, Ahmedabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Dr. Nayankumar Hakamchand Shah, Patidar
Society, Panchvati, Ahmedabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) (1) Laxmandas Arjandas;

(2) Dr. L. H. Shah;

(3) Rafikbhai Shankerbhai.

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION

RANGE-I, 2ND FLOOR,
HANDI OOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABADObjections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Ahmedabad-380009, the 30th December 1975

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the 'said Act,'
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

An immovable property bearing Sur. No. 4524/A/3; Sub-plot No. 2 & 9 of Survey No. 4524, Mun. Census No. 2839-A; 2839-A-1; 2839-A-2; 2839-A-3; 2839-A-4, standing on land admeasuring 624.2 sq. yds. situated at Shahpur, Ward-2, Ahmedabad and as fully described in the sale-deed Regr. No. 5708 of May, 1975 by S. R. Ahmedabad.

J. KATHURIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax
Acquisition Range-I, AhmedabadRef. No. Acq. 23-1-624(247)/1-1/75-76.—Whereas, I,
I. KATHURIA,being the Competent Authority under Section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. City-Survey No. 4524-A-3, Sub-plot No. 2 and 9 of Sur. No. 4524 No. C. No. 2839-A; 2839-A-1, 2839-A-2; 2839-A-3; 2839-A-4, situated at Shahpur Ward No. 2, Ahmedabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad in May 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act,' to the following persons, namely :—

Date : 30-12-1975.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE I 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 30th December 1975

Ref. No. Acq. 23 I-626(248)/1-1/75 76—Whereas, I, J KATHURIA, being the Competent Authority under Section 259B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (herein after referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S No. 283 situated at Godasar, Ahmedabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad on 9-5-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely —

- 1 (1) Hariben Wd/o Naranji Lalluji, Near Mahakali Mandir, Dudheswar, Shahibag, Ahmedabad
- (2) Shri Amritlal Naranji for self and as Karta of HUF Pensionpura Nr. Dariakhan Ghumat, Ahmedabad
- (3) Ajiben Wd/o Ambalal Naranji, Pensionpura, Nr. Dariakhan Ghumat, Ahmedabad
- (4) Shri Babulal Ambalal for self and as guardian of minor Dashrathlal Ambalal, Pensionpura, Nr. Dariakhan Ghumat, Ahmedabad
- (5) Shri Bhikhaji Maghaji, Shahibag, Ahmedabad (Transferor)
- 2 Navrachna Co-operative Housing Society Ltd. Desai niwas, Jethabhai Pole, Khadia Ahmedabad, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

An open plot of land bearing S No. 283 admeasuring 2 Acres 21 gunthas, situated at village Ghodasar, Taluka, Ahmedabad and as fully described in the sale-deed registered at No. 5892 of May, 1975 by the Sub Registrar, Ahmedabad

J KATHURIA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date 30.12.1975.
Seal

FORM ITNS

(1) Smt. Chandramani Prabhudas, Near Sharda Nagar,
Vrindavan Society, Bungalow No. 31, Ahmedabad-7.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrudulaben Suresh Kumar Shah, C/o. Chimanlal
Jasrajbhai Shah, Ghanchini Pole, Manekchawk,
Ahmedabad-1,
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 30th December 1975

Ref. No. Asq.23-I-636(249)/1-1/75-76.—Whereas, I, J.
KATHURIA,

being the Competent Authority under

Section 269B of the

Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.

Survey No. 66, 1/2 share of Sub-plot No. 31 of T.P. S.No. 26
situated at Vasana, Ahmedabad,

(and more fully described in the

schedule annexed hereto), has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the
Registering Officer at

Ahmedabad in May 1975

for an apparent consideration which is less than the

fair market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the 'said Act',
respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the
'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of
the aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of the
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here-
in as are defined in Chapter XXA of the
said Act, shall have the same meaning as
given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One half share of the building standing on land admeasur-
ing 460.9358 yards bearing S.No. 66, Sub-plot No. 31, Bungal-
low No. 31, of T.P. S.No. 26 and situated at Vasana,
Ahmedabad.

J. KATHURIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 30-12-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Chandramani Prabhudas Patel, Near Sharada Nagar, Vrindavan Society, Bungalow No. 31, Ahmedabad-7.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Suresh Kumar Chimanlal Shah, C/o. Chimanlal Jasrajbhai Shah, Near Manekchawk, Ganchini Pole, Ahmedabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 30th December 1975

Ref. No. Acq. 23-I-637(250)1/75-76.—Whereas, I, J. KATHURIA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Sur. No. 66, 1/2 share of Sub-plot No. 31 of TP S.No. 26 situated at Vasana, Ahmedabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad in May 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One half share of the building standing on land admeasuring 460.9358 yards, bearing S.No. 66, Sub-plot No. 31, bungalow No. 31 of TPS 26 and situated at Vasana, Ahmedabad.

J. KATHURIA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 30-12-1975.
Seal .

FORM ITNS—

(1) Shri Khimji Rajabhai Sojitra, Upleta.

(Transferor)

- (2) (1) Smt. Champaben Mohanlal,
 (2) Maganlal Nathabhai Patel,
 (3) Ratilal Nathabhai Patel,
 (4) Vallabhbbhai Nathabhai Patel,
 All residing at Bombay.

(Transferee)

- (3) (1) Shri Pratap Mansukhlal Shah,
 (2) Shri Vipin Dhirajlal Makwana,
 (3) Shri Hasmukh N. Manek,
 (4) Shri Bharwat Mansukhlal Shah,
 (5) Shri Keshavlal Dhanjibhai Soni,
 (6) Shri Nursai Rama Vasan,
 (7) Shri Vrajilal Jagabhai Mawani,
 (8) Shri Batukbbhai Raoji Sojitra,
 Jawahar Co-op. Housing Society, Upleta.
 (Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
 TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
 COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
 ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,
 HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
 AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 1st January 1976

Ref. No. Acq. 23-I-620(251)/16-7/75-76.—Whereas, I,
 J. KATHURIA,

being the Competent Authority under Section 269B of the
 Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
 as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
 property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
 and bearing No.

Plot No. 8, situated at Jawahar Cooperative Housing Society,
 Upleta,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
 has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
 1908) in the Office of the Registering Office at
 Upleta on 1-5-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair
 market value of the aforesaid property and I have reason
 to believe that the fair market value of the property as
 aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
 than fifteen per cent of such apparent consideration and that
 the consideration for such transfer as agreed to between the
 parties has not been truly stated in the said instrument of
 transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
 moneys or other assets which have not been or
 which ought to be disclosed by the transferee for
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax
 Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of
 the aforesaid property by the issue of this notice under sub-
 section (1) of Section 269B of the said Act, to the following
 persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
 of 45 days from the date of publication of this
 notice in the Official Gazette or a period of 30
 days from the service of notice on the respective
 persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
 able property within 45 days from the date of the
 publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
 defined in Chapter XXA of the said act
 shall have the same meaning as given in that
 Chapter.

THE SCHEDULE

An immovable property standing on open land admeasuring
 719-7 sq. yards bearing Plot No. 8 and situated at Jawahar
 Co-operative Housing Society, Upleta, Distt. Rajkot.

J. KATHURIA,
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
 Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date . 1-1-1976.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 1st January 1976

Ref. No. Acq. 23-I-623(252)/1-1/75-76.—Whereas, I, J. KATHURIA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. Nos. 1166/1 and 1169 situated at Naroda, Ahmedabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad on 27-5-1975.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Shashikant Somnath Vyas, Power of Attorney Holder of Smt Jadavben wd/o Somnath Karunashankar, Naroda Ahmedabad.
(Transferor)
- (2) Divya Kiran Co operative Housing Society Ltd., Mahesh Saw Mill, Munshi Compound, Naroda Road, Ahmedabad—
Through—
 - (1) Shri Abjibhai Ramjibhai Patel, Chairman, Mohannagar Society, Naroda, Ahmedabad.
 - (2) Shri Vithalbhai Ramjibhai Patel, Secretary, Mohannagar Society Naroda, Ahmedabad.
 - (3) Shri Dhanjibhai Ramjibhai Patel, Member, Naroda Road, Ahmedabad.
(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot of land bearing S. Nos. 1166-1 and 1169 and situated at Naroda, Ahmedabad and transferred vide documents as per details given below:—

S.No.	Document No.	Date of Registration	Apparent consideration	Area
1.	6644	27-5-75	Rs. 48,800	4664 sq. yds.
2.	6645	27-5-75	Rs. 48,800	4663 sq. yds.

J. KATHURIA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 1-1-1976
Seal

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 1st January 1976

Ref. No. Acq. 23-I-722(253)/1-1/75-76.—Whereas, I, J. KATHURIA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. F.P. No. 578, Sub-Plot No. 2 of T.P. S. No. 3 situated at Madalpur alias Chhadavad, Ellisbridge, Ahmedabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad on 1-5-1975, for an apparent consideration, which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) (1) Shri Kantilal Kanaiyalal, for self and as Karta or Manager of Kantilal Kanaiyalal H.U.F., 'Kantam' C.G. Road, Ellisbridge, Ahmedabad.
- (2) Minor Lavkumar Kantilal, his natural guardian, Shri Kantilal Kanaiyalal 'Kantam', C.G. Road, Ellisbridge, Ahmedabad.

- (3) Shri Padmakant Kanaiyalal, for self and as Karta or Manager of Padmakant Kanaiyalal H.U.F., Silver Arch, 4th Floor, Dr. Jagmohandas Road, Bombay.
- (4) Shri Mahendra Kanaiyalal for self and as Karta or Manager of Mahendralal Kanaiyalal H.U.F., 'Mainak', C.G. Road, Ellisbridge, Ahmedabad.
- (5) Shri Rajiv Mahendralal 'Mainak', C.G. Road, Ellisbridge, Ahmedabad.
- (6) Minor Sanjiv Mahendralal by his natural guardian, Shri Mahendralal Kanaiyalal, 'Mainak' C.G. Road, Ellisbridge, Ahmedabad.
- (7) Shri Biharilal Kanaiyalal, for self and as Karta or Manager of Biharilal Kanaiyalal H.U.F., 'Mainak', Near Polytechnic, Ahmedabad.
(Transferor)
- (2) Orient Club, Kalyan Society, Ellisbridge, Ahmedabad through its—
 - (1) President, Shri Hariprasad Vadilal Vasa, 18, Vasundhara Society, Ellisbridge, Ahmedabad.
 - (2) Vice-President, Shri Giriraj Navinchandra Desai, Swastik Society, Navrangpura, Ahmedabad.
 - (3) Secretary, Shri Bhaktiprasad Tarachand Nagori 2, Vijaya Park, Navrangpura, Ahmedabad.
 - (4) Committee Member, Shri Narendrabhai Lalbhai Sheth, Kalyan Society, Ellisbridge, Ahmedabad.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A building known as "Kanaiyalal Motilal Bungalow", standing on open plot admeasuring 4498 sq. yards bearing F.P. No. 578, Sub-Plot No. 2, situated at Madalpur alias Chhadavad, Ellisbridge, Ahmedabad.

J. KATHURIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 1-1-1976.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 1st January 1976

Ref. No. Acq. 23-I-723(254)/1-1/75-76.—Whereas, I, J. KATHURIA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Survey No. 96-2, T.P.S. No. 20, Final Plot No. 234 New Sub-Plot No. 5 situated at Behind H. L. Commerce College, Navrangpura, Ahmedabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 27-5-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

23—416GI/75

(1) (i) Shri Chimanlal Hansibhai Patel,
(ii) Smt. Savitaben Chimanlal Patel,
(iii) Shri Mahendrabhai Chimanlal Patel,
(iv) Minor Shri Jayendra Chimanlal Patel, Guardian Shri Chimanlal Hansibhai Patel, Behind H. L. Commerce College, Near Bank of Baroda, Navrangpura, Ahmedabad,
(Transferor)

(2) (i) Dr. Ramesh Chandulal Shah,
(ii) Smt. Purnima Ramesh Shah,
"Ojas", Behind Liberty Hotel, Near H. L. Commerce College, Navrangpura, Ahmedabad,
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 455 sq. yds. bearing Kochrab, Survey No. 96-2, T.P.S. No. 20, Final Plot No. 234 and new Sub-Plot No. 5 and situated behind H. L. Commerce College and as fully described in the sale deed.

J. KATHURIA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 1-1-1976.
Seal :

FORM ITNS—

- (1) (i) Balvantrai Maganlal self and as guardian of minor Susma Balvantrai and Barbik Balvantrai.
 (ii) Smt. Maniben Balvantrai, Adajan, Tal. Choryasi, Dist. Surat.
 (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
 OF INCOME TAX,
 ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR
 HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
 AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 30th December 1975

Ref. No. P.R. No. 273 Acq. 23-434/19-8/74-75.—
 Whereas, I, P. N. MITTAL,
 being the Competent Authority under Section 269B of the
 Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
 as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
 property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
 and bearing No.

S. No. 468/3 paiki open land situated at Adajan Village
 Taluka Choryasi Distt. Surat,
 (and more fully described in the Schedule annexed
 hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908
 (16 of 1908) in the office of the Registering officer
 at Surat on 5-6-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair
 market value of the aforesaid property and I have reason to
 believe that the fair market value of the property as aforesaid
 exceeds the apparent consideration therefor by more than
 fifteen per cent of such apparent consideration and that the
 consideration for such transfer as agreed to between the
 parties has not been truly stated in the said instrument of
 transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer; and/
 or
 (b) facilitating the concealment of any income or any
 moneys or other assets which have not been or
 which ought to be disclosed by the transferee for
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
 Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
 (1) of Section 269D of the said Act, to the following per-
 sons, namely :—

- (2) Gitanagar Co-operative Housing Society Ltd.
 Through :—
 Narsinhbhai Manchhubhai Patel,
 Vanmalibhai Haribhai Patel,
 Ishwarbhai Jerambhai Patel,
 Master Colony, Rander Road, Surat.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons
 whichever period expires later;
 (b) by any other person interested in the said
 immovable property, within 45 days from the
 date of the publication of this notice in the Official
 Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
 are defined in Chapter XXA of the said
 Act, shall have the same meaning as given
 in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land bearing Sur. No. 468/3 admeasuring 30 gun-
 thas i.e. 3630 sq. yds. situated at Adajan Taluka Choryasi
 Dist. Surat as fully described in sale-deeds registered under
 No. 983 and 984 of June, 1975 in Registering Office, Surat.

P. N. MITTAL,
 Competent Authority,
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 30-12-1975,
 Seal :

FORM ITNS—

(1) Savitaben d/o. Jekisandas Ichharam, Adajan, Tal. Choryasi Dist. Surat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 30th December 1975

Ref. No. P.R. : No. 274 Acq. 23-434/19-8/74-75.—

Whereas, I, P. N. MITTAL,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that he immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 468/2 paiki open land situated at Village Adajan Taluka Choryasi of Dist. Surat,

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 5-6-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act,' to the following persons, namely :—

(2) Gitanagar Co-operative Housing Society Ltd. through :

Narsinhbhai Manchhubhai Patel;

Vanmalibhai Haribhai Patel;

Ishwarbhai Jerambhai Patel;

Master Colony, Rander Road, Surat.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land bearing S. No. 468/2 paiki 0-13 gunthas i.e. 1573 sq. yds. situated at village Adajan, Taluka Choryasi of District Surat as fully described in sale deed registered under No. 982 of June, 1975 in Registering Office, Surat.

P. N. MITTAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 30-12-1975.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 1st January 1976

(1) Dahyabhai Becharbhai Patel
& others, at Vav, Tal. Kamberj, Dist. Surat.
(Transferor)(2) (1) Vasantrai Dahyabhai Patel,
(2) Champaklal Dahyabhai Patel,
(3) Hasumatiben Vasantrai self and guardian of
minor Bharatkumar Vasantrai,
(4) Kamuben Champaklal,
Vav, Tal. Kamberj, Dist. Surat.
(Transferee)(3) Amritsar Transport Co. Pvt. Ltd.
through : Chairman; Krishan Mohan Bijla, Unapani
Road, Surat.
(Person in occupation of the property)Objections, if any, to the acquisition of the said property,
may be made in writing to the undersigned :—Ref. No. P.R. No. 275 Acq. 23-614/19-7/75-76.—
Whereas, I, P. N. MITTAL,being the Competent Authority under Section 269B
of the Income-Tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter refer-
red to as the 'said Act'), have reason
to believe that the immovable property, having a fair market
value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
Ward No. 7, Nondh No. 279 Plot No. 20/5 situated at
Unapani Road, Lal Darwaja, Surat
(and more fully described in theSchedule annexed hereto), has been transferred
under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Surat on 25-6-1975.for an apparent consideration which
is less than the fair market value of the aforesaid
property and I have reason to believe that the fair market
value of the property as aforesaid exceeds the apparent
consideration therefor by more than fifteen percent of such
apparent consideration and that the consideration for such
transfer as agreed to between the parties has not been truly
stated in the said instrument of transfer with the object of :—(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of
the transferor to pay tax under the said Act in res-
pect of any income arising from the transfer; and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the pur-
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);An immovable property comprising of land admeasuring
115.39 sq. mt. alongwith godown constructed thereon and
bearing Nondh No. 279 Plot No. 20/5 in Ward No. 7
situated on Unapani Road, Lal Darwaja, Surat as fully de-
scribed in sale deed registered under No. 1174 of June, 1975
in registering Officer, Surat.P. N. MITTAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 1-1-1976.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of the notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 2nd January 1976

Ref No PR No 275 Acq 23-614/19-7/75-76 —
Whereas, I, P N MITTAL,
being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No S No 395 Subplot No H situated at Cyto compd, Near Karamsad Rly. Crossing, Tal Anand, Dist Kaira, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anand on 31-5-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) The Principal Officer,
Cyto Pvt Ltd, Vallabh Vidyanagar, Tal, Anand,
Dist Kaira

(Transferor)

(2) Smt Dhuuben C Amin,
Partner Eastern Engineering Co
Vallabh Vidyanagar, Tal Anand, Dist Kaira.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All the piece or parcel of land or ground situate lying and being at Vitthal Udyognagar in the Registration Sub-District of Anand, Dist Kaira being Subplot No H, admeasuring 18349.65 sq metres of land out of the land bearing Survey No 395 of Karamsad sim

P. N. MITTAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 2-1-1976.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Brij Narain Sharma,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Chandra Bhushan Sharma.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 27th December 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. 20—C/ACQUISITION.—Whereas, I, BISHAMBHAR NATH, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Village Bhamraula Distt. Nainital, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Haldwani on 6-6-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring twenty four Bigha two Biswa situated in Village Bhamraula Tehsil Haldwani Distt. Nainital.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 27-12-1975.
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Brij Narain Pandey.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Shri Dalip Singh.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW**

Lucknow, the 30th December 1975

Ref. No. 22—D/ACQUISITION.—Whereas, I, BISHAMBHAR NATH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Village Bhamraula Distt. Nainital, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Haldwani on 6-6-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 19 Bigha 13 Biswa situated in Village Bhamraula Tehsil Haldwani Distt. Nainital.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date : 30-12-1975.
Seal ;

FORM ITNS—

(1) Shri Ram Dev and others,

(Transferor)

(2) Shri Vishwa Nath Prasad and others,

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW**

Lucknow, the 30th December 1975

Ref. No. 24—V/ACQUISITION.—Whereas, I, BISHAMBHAR NATH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. situated at Mohalla Durga Devi Distt. Mirzapur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Mirzapur on 19-6-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any monies or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A house situated in Mohalla Durga Devi Distt. Mirzapur.

BISHAMBHAR NATH,

Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date : 30-12-1975.
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Arvind Basudeo Lagu and others.

(Transferor)

(2) Smt. Girja Devi Mardha.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 27th December 1975

Ref. No. 26—G/ACQUISITION.—Whereas, I, BISHAMBHAR NATH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. D-58/142 situated at Shiv-purwa Distt. Varanasi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Varanasi on 14-6-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

24—416GI/75

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A house No. D-58/142 situated in Shivpurwa Distt. Varanasi.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 27-12-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Bhabani Prasad Chatterjee and others
(Transferor)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Gauri Shankar Prasad Chaturasia and others
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE LUCKNOW

Lucknow the 27th December 1975

Ref No 27—G/ACQUISITION—Whereas I BISHAM
BHAR NATHbeing the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'Said Act'), have reason to believe that the
immovable property having a fair market value exceeding
Rs 25,000/- and bearingNo C-13/9 situated at Aurangabad District Varanasi,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the Office of the Registering Officer at
Calcutta on 7-6-1975,for an apparent consideration which is less than
the fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of
the transferor to pay tax under the 'said Act', in
respect of any income arising from the transfer
and/or(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the
'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)EXPLANATION —The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the 'Said
Act,' shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

A double storeyed house alongwith lands being premises
No C/13/9, situated in Aurangabad District VaranasiBISHAMBHAR NATH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, LucknowNow, therefore, in pursuance of Section 269C of the
'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of
the aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the
following persons, namely :—

Date 27-12-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Suresh Chandra Sabharwal and others.
(Transferor)(2) Shri Jamuna Prasad Kaushik.
(Transferee)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 28th December 1975

Ref. No. 31—J/ACQUISITION.—Whereas, I. BISHAMBHAR NATH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Civil Lines District Moradabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Moradabad on 18-6-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent. of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act,' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act,' to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act,' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A house property situated in Civil Lines District Moradabad.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range, Lucknow

Date . 28-12-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Suresh Chandra Sabharwal and others.
(Transferor)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Kishore Devi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

Lucknow, the 28th December 1975

(b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publications of this notice in the Official
Gazette.Ref. No. 46—K/ACQUISITION.—Whereas, I. BISHAM-
BHAR NATH.

being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe
that the immovable property having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. situated at Civil Lines District Moradabad,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Regis-
tering Officer at Moradabad on 18-6-1975,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with object :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A house property situated in Civil Lines District Moradabad.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said
Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the 'said Act' to the following per-
sons, namely :—

Date : 28-12-1975.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Hanif Akhtar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Baldeo Prasad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
LUCKNOW

Lucknow, the 27th December 1975

Ref. No. 56-B/ACQUISITION.—Whereas, I, BISHAMBHAR NATH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. situated at Bazar Gopi Ganj Distt. Varanasi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Gyanpur (Varanasi) on 16-6-1975,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value

of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated

in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A double storeyed house situated in Bazar Gopi Ganj Distt. Varanasi.

BISHAMBHAR NATH,

Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date : 27-12-1975.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 27th December 1975

Ref. No. 80/Acq./Dehradun/75-76/2319.—Whereas, I, VIJAY BHARGAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at as per schedule (and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun on 19-4-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Madan Mohan Lal Kukreti son of Sri Gendan Lal Kukreti R/o 5, Rameshwar Mohalla, Dehradun.
(Transferor)

(2) Smt. Dhanpati W/o Kashmeri Lal, R/o 23, Maliyan Mohalla, Dehradun.

(Transferee)

Objections, if any, in the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property bearing No. 5 old and No. 7, situated at Rameshwar Mohalla, Dehradun, transferred for an apparent consideration of Rs. 40,000/-.

VIJAY BHARGAVA,
Competent Authority,Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 27-12-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Mahendra Kumar Jain S/o Shri Jeewa Nand Gupta R/o Thapar Nagar, Meerut.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

(2) Shri Ramesh Chand Jain s/o Shri Jagjot Singh R/o Police Street, Meerut Cantt.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

Kanpur, the 29th December 1975

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. 264/Acq./Meerut/E/75-76/2319.—Whereas, I VIJAY BHARGAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut on 17-5-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Immovable property consisting of half portion of double storeyed house No. 207, Street No. 5, situated at Thapar Nagar, Meerut, transferred for an apparent consideration of Rs. 50,000/-

VIJAY BHARGAVA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

Date . 29-12-1975,

Seal .

FORM ITNS

(1) Shri Narendra Kumar Jain S/o Sri Jeewa Nand
Gupta, R/o Thapar Nagar, Meerut.
(Transferor)

(2) Shri Ramesh Chand Jain s/o Shri Jagjot Singh
R/o Police Street, Meerut Cantt.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 29th December 1975

Ref. No. 263/Acq./Meerut/75-76/2319.—Whereas I, VIJAY BHARGAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut on 19-5-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922, (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of half portion of double storeyed house No. 207, Street No. 5, situated at Thapar Nagar, Meerut, transferred for an apparent consideration of Rs. 50,000/-.

VIJAY BHARGAVA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 29-12-1975.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Raja Narasingh Malla Ugal Sanda Deb.
(Transferor)NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Subir Sarkar.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons whichever period expires later.

Calcutta, the 1st January 1976

(b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
official Gazette.

Ref. No. TR-171/C-172/Cal-2/75-76.—Whereas, I, S. K. CHAKRAVARTY, being the Competent Authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 39, situated at Tangra Road, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sealdah on 5-5-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Land measuring 11 Kathas being a portion of 39, Tangra Road, Calcutta.

S. K. CHAKRAVARTY
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—
25—416GI/75

Date : 1-1-1976.
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Raja Narasingh Malla Ugal Sanda Deb.
(Transferor)NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Mihir Sarkar.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 1st January 1976

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons, which-
ever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. TR-172/C-171/Cal-2/75-76.—Whereas, I, S. K. CHAKRAVARTY, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 39, situated at Tangra Road, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sealdah on 5-5-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Vacant land measuring 7 Kathas 4 Chittacks being a portion of 39 Tangra Road, Calcutta.

S. K. CHAKRAVARTY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range-I,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons namely :—

Date : 1-1-1976.
Seal :

FORM ITNS ———

(1) Shri Raja Narasingh Malla Ugal Sanda Deb.
(Transferor)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Sunil Kumar Sarkar.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 1st January 1976

Ref. No. TR-173/C-170/Cal-2/75-76.—Whereas, I, S. K. CHAKRAVARTY,

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 39, situated at Tangra Road, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Scaldah on 5-5-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Sect on 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act', to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 6 Cattahs 11 Chittacks being portion of 39, Tangra Road, Calcutta.

S. K. CHAKRAVARTY
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 1-1-1976.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Raja Narasingh Malla Ugal Sanda Deb
(Transferor)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Susanta Sarkar
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

(a) by any of the aforesaid persons, within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Calcutta, the 1st January 1976

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref No TR 174/C 169/Cal-2/75 76—Whereas, I, S K. CHAKRAVARTY,

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herein after referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No 39, situated at Tangra Road, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Sealdah on 5-5-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

THE SCHEDULE

Vacant land measuring 12 kathas 12 chittacks being a portion of 39, Tangra Road, Calcutta

(a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

S K CHAKRAVARTY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range I,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act,' to the following persons namely —

Date 11 1976
Seal

FORM ITNS—

(1) Shri Raja Natasingh Malla Ugal Sanda Deb
(Transferor)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Singasan Piasad
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE I, CALCUTTA

Calcutta, the 1st January 1976

Ref No TR 175/C-168/Cal-2/75-76—Whereas, I, S. K. CHAKRAVARTY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No 39, situated at Tangia Road, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed here to), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sealdah on 5-5-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957)

THE SCHEDULE

Vacant land measuring 8 Kathas, 9 Chittacks being a portion of 39, Tangia Road, Calcutta 15

S K CHAKRAVARTY

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax

Acquisition Range-I,

54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons namely —

Date 11-1-1976.
Seal

FORM ITNS

(1) Shri Raja Narasingh Malla Ugal Sanda Deb,
(Transferor)(2) Shri Shankar Chandra Das.
(Transferee)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 1st January 1976

Ref. No. TR-177/C-166/Cal-2/75-76.—Whereas, I, S. K. CHAKRAVARTY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 39, situated at Tangra Road, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sealdah on 5-5-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land measuring 7 cottah 12 chittack and 39 sq. ft. being a portion of 39 Tangra Road, Calcutta.

S. K. CHAKRAVARTY

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax

Acquisition Range-I,

54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 1-1-1976.

Seal :

FORM ITNS—

- (1) (1) Sri Dilip Kr. Sinha.
 (2) Sri Sandwip Ki. Sinha.
 (3) Sri Pradip Kr. Sinha.
 (4) Mrs. Niharika Sen.
 (5) Mrs. Manjulika Sen.
 All of 5 Anil Maitra Road, Calcutta.
 (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 29th December 1975

Ref. No. 305/Acq./R-III/75-76/Cal.—Whereas, I, L. K. BALASUBRAMANIAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5, situated at Anil Maitra Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 30-5-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

- (2) (1) Sri Sachinandan Mitra.
 (2) Sri Debakinandan Mitra.
 (3) Sri Jushodanandan Mitra.
 All of Raicharan Deb Road, Bolepur, District, Birbhum.
 (Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land of 18 cottahs 9 chittacks 4 sq. ft. at premises No. 5, Anil Maitra Road, Calcutta with a two storied main building, porch, verandah, garages, stair case compound wall with gates, two storied kitchen blocks and servant's quarters, sheds and also with all other structures and fittings as per deed No. I-3160 of 1975 registered before Registrar of Assurance, Calcutta.

L. K. BALASUBRAMANIAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax

Acquisition Range-III,

54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 29-12-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shrimati Pratima Mitra 40A, Jadavpur Central Road,
Calcutta.

(Transfree)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shrimati Reena Ghosh 124/2 Prince Golan Hassain
Road, Calcutta.

(Transfree)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 30th December 1975

Ref. No. 306/Acq./R-III/75-76/Cal.—Whereas, I, L. K. BALASUBRAMANIAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 40A situated at Jadavpur Central Road, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 20-5-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Single storied building with garages and box room over the garage and other fittings standing on a land of about 5 cottahs being premises No. 40A Jadavpur Central Road, Calcutta as per deed No. 1-3137 of 1975 registered before the Registrar of Assurance, Calcutta.

L. K. BALASUBRAMANIAN,
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 30-12-1975.

Seal :

FORM ITNS

1. Smt. Kumudamma, W/o K. Rangachar,
Power of Attorney Holder Sri K. Sheshachar, Sabha-
Pati Road, Bruce Pet, Bellary.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

2. (1) Shri G. Thimmappa S/o Pedda Narasappa,
(2) Shri Shankarappa S/o P. Bhimappa,
Kolagallu Village, Bellary District.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, DHARWAR

Dharwar, the 2nd January 1975

Ref. No. 96/75-76/ACQ.—Whereas, I, P. SATYANARAYANA RAO, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Dharwar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 591 situated at Kolagallu Village, Bellary Dist. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bellary under Document No. 786 on 14-5-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—
26—416GI/75

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at Kolagallu village, Bellary District.

S. No. 591.
A—C 22—91.

P. SATYANARAYANA RAO,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Dharwar.

Date - 2-1-1976.

Seal :

FORM ITNS—

1. Shri Devasi Ramaji Patel,
Building Contractor, Hosur, Hubli.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, DHARWAR

- 2 (1) Shri Hajarastab Adamsab Pantoji.
(2) Shri Rajesab Adamsab Pantoji.
(3) Shri Ismailsab Adamsab Pantoji.
(4) Shri Abdulrehaman Mehaboobsab Pantoji,
M/G. Sri Ismailsab Pantoji,
Partners in Hubli Saw Mills, Dharwar Road,
Hubli.

(Transferees)

Dharwar, the 2nd January 1975

Objections, if any to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. 97/75-76/ACQ.—Whereas, I, P. SATYANARA-
YANA RAO, Inspecting Assistant Commissioner of Income-
Tax, Acquisition Range, Dharwar,
being the Competent Authority
under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of
1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act')
have reason to believe that the immovable property, having
a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
Extn. C.S. No. 3226/13, 3226/22 and S. No. 60 situated
at Unkal Village,
within H.D.M.C. Limits,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16
of 1908) in the Office of the Registering Officer
at Hubli under Document No. 587 on 12-5-1975,
for an apparent consideration
which is less than the fair market value of
the aforesaid property and I have reason to believe that the fair
market value of the property as aforesaid exceeds the apparent
consideration therefor by more than fifteen per cent of such
apparent consideration and that the consideration for such
transfer as agreed to between the parties has not been truly
stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later; \
- (b) by any other person interested in the said im-
movable property within 45 days from the date
of the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Non-Agricultural land bearing Plot Nos. 12 and 21 in
S. No. 60 Extension C.S. No. 3226/13, 3226/22 situated at
Unkal Village, within Hubli Dharwar Municipal Limits.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

P. SATYANARAYANA RAO,
Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Dharwar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
person, namely :—

Date 2-1-1976.

Seal .

FORM ITNS

1. Shri Kamali Nath Bhalla

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

2. Shri Jugraj Singh and others.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Lucknow, the 1st January 1976

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. 32-J/B-ACQUISITION.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. — situated at Village Garhi Inder Jeet Singh Distt. Nainital, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kashipur on 26th June 1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

Half portion of Plot No. 112 measuring 0.30 Acres with one house measuring 40'×50' situated in Village Garhi Inder Jeet Tehsil Kashipur Distt. Nainital.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

BISHAMBHAR NATH

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

Date 1st January 1976
Seal

FORM ITNS—

(1) Shri Kailash Nath Bhalla.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Jugraj Singh and others.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 1st January 1976

Ref. No. J/A-ACQUISITION.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. —situated at Village Garhi Inder Jeet Singh, Distt. Nainital

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16

of 1908) in the office of the Registering Officer

at Kashipur on 19th June 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market

value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties

has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating for concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Half portion of Plot No. 112 measuring 0.30 Acres with one house measuring 40'×50' situated in Village Garhi Inder Jeet Tehsil Kashipur Distt. Nainital.

BISHAMBHAR NATH

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of

Income-tax,

Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 1st January 1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) Dr. Krishna Chandra Mazumdar

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ajmul Nessa

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 1st January 1976

Ref. No 58-A/ACQUISITION.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 281/2, situated at Civil Lines Chhauni District Sultanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Sultanpur on 18th August 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A double storeyed house No 281/2 situated in Civil Lines Chhauni District Sultanpur

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date 1st January, 1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) Dr. Krishna Chandra Majumdar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Abdul Latif Khan.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 1st January 1976

Ref. No. 59-A/ACQUISITION.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 281/1 situated at Civil Lines Chhauni Sadar Distt. Sultanpur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sultanpur on 18th August 1975.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instruments of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

A double storeyed house No. 281/1 situated in Civil Lines Chhauni Sadar District Sultanpur.

BISHAMBHAR NATH.

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act at the following persons, namely :—

Date - 1st January, 1976

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 2nd January 1976

Ref. No. 310/Acq.R-III/75-76/Cul.—Whereas, I, L. K. Balasubramanian, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No....., situated at Jadavpore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipore on 24th May 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922 or the Said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:—

(1) Mrs. Amiya Bhowmik,
Vivekananda Road, Jadavpore,
24-Parganas.

(Transferor)

(2) Sasanku Bhowmik
Vivekananda Road, Jadavpore
24-Parganas.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All the piece and parcel of land measuring 7 cottahs in Kh. No. 4, Dag No. 417 and 1/3rd undivided share in a building standing on 5 cottahs of land on Vivekananda Road, Jadavpore, 24-Parganas as per deed No. 4553 of 1975 registered before the Sub-Registrar, Alipore.

I, K. BALASUBRAMANIAN,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-III, Calcutta 54, Rafi Ahmed
Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 2nd January 1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shrimati Amiya Bhowmik
Vivekananda Road, Jadavpore.
24-Parganas.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Sasanka Bhowmik,
Vivekananda Road, Jadavpore,
24-Parganas.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 2nd January 1976

Ref. No. 311/Acq.R-III/75-76/Cal.—Whereas, I, L. K. Balasubramanian, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No., situated at Mouza-Jadavpore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipore Sadar on 24th May 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the 'said Act' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

All the piece and parcel of land measuring 11 cottahs and 2/3rd undivided share of godowns and other structures standing on another five cottahs of land situated in kh. No. 4, Dag No. 417, Mouza-Jadavpore, 24-Parganas, as per deed No. 2724 of 1975 registered before the Sub-Registrar of Alipore Sadar.

L. K. BALASUBRAMANIAN,
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta 54, Aafi Ahmed
Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

Date: 2nd January 1976.
Seal.

FORM ITNS

(1) Shri Hem Raj Puri S/o Shri Dewan Chand Puri
R/o F 80 Green Park, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Smt. Savitri Devi Malik w/o Shri H. I. Malik
r/o K-47, Naveen Shahdara, Delhi-32.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 7th January 1976

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-II/1/May-I/760(35)/75-76.—
Whereas, I, C. V. GUPTE,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961),
(hereinafter referred to as the 'said Act')
have reason to believe that the immovable property having
a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. S-370 situated at Greater Kailash-II, New Delhi
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer
at New Delhi on 12/5/1975,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of each apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the 'said Act' in
respect of any income arising from the transfer; and/
or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth Tax
Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the
'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of
the aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the follow-
ing persons, namely :—

27—416G1/75

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons which
ever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the 'said Act'.
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

A free-hold plot of land bearing No. 370 in Block No. 'S'
situated in the residential colony known as Greater Kailash-
II, New Delhi-19 having an area of 303 sq. yds., and in the
Revenue records of Village Bahapur in the Union Territory
of Delhi State and within the limits of Delhi Municipal Cor-
poration, South Zone, Green Park, New Delhi-16 and bound-
ed as under :—

North : Plot No S/368
South : Road
East : S Lane
West : Road.

C. V. GUPTE,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi

Date 7-1-1976

Seal

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 5th January 1976

Ref. No. P.R. No. 277 Acq. 23-616/19-7/75-76.—Whereas, I, P. N. MITTAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 97 paiki Plot No. 22, Final Plot No. 49 situated at Umervada, Tal. Choryasi, Dist. Surat, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 19-5-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) (1) Smt. Dhangaauriben Chimanal self and as guardian of minor Kiritkumar Chimanal;
Harishchandra Chimanal;
- (2) Hashmatuben Chimanal;
- (3) Yashwantiben Chimanal;

(Transferor)

- (2) (1) Bharatkumar Punamchand;
- (2) Nareshkumar Punamchand;
- (3) Rajendrakumar Punamchand;

(Transferee)

Objections, if any, of the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land bearing S. No. 97 Paiki Final Plot No. 49, admeasuring 1060 sq. yds. i.e. 890.40 sq. metres situated at Umervada, Tal. Choryasi, Dist. Surat as fully described in sale deed registered under No. 2367 of May, 1975 in registering Officer, Surat.

P. N. MITTAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Ahmedabad.

Date : 5th January 1976,
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 6th January 1976

Ref. No. P.R. No. 278 Acq. 23-455/4-5/75-76.—Whereas, I, P. N. MITTAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. City Survey Sheet No. 29 & City Sur. No. 3 (Sur. No. 29/3) and Ward No. H. No. 399 situated at Rajpipla Taluka Nandod Dist. Broach.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nandod on 27-5-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes, of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

- (1) Mrs. Miniben Adi Contractor for herself and as natural guardian of her two minor children Rasna Adi Contractor and, Zarir Adi Contractor, Litva Dhol Adi Nasarvanji Marg, Rajpipla.

(Transferor)

- (2) M/s. Chitra Bharti Theaters through its partners :—

- (1) Dhirubhai R. Desai
- (2) Harishbhai M. Patel
- (3) Babubhai Maganbhai Desai
- (4) Nageshkumar Babubhai Desai
- (5) Udaikumar Harishbhai Patel
- (6) Arunaben Balkrishna Patel
- (7) Pannaben Rameshchand Patel
- (8) Navinchandra Mohanlal Patel
- (9) Babubhai Jamnadas Mistry
- (10) Narottambhai Kalidas Shah
- (11) Jayalaxmi Maneklal Mehta
- (12) Muktalaxmi Pratapray Seth
- (13) Shantiben Jagdishbhai Desai
- (14) Niravkumar Jagdishbhai Desai.

4-D, Naaz Building, Lamington Road, Bombay-

4.

(Transferee)

- (3) Pandya Mahendrabhai Harivadanbhai Navapura, Rajpipla.

[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece of land and premises together with the Cinema Theatre known as Raj Roxy Talkies with fixed assets and fittings and other structures, Hotel Building thereon, situated on Station Road, Rajpipla Taluka Nandod Dist. Broach and bearing City Survey Sheet No. 29 and City Survey No. 3 (Survey No. 29/3) Municipal Ward No. 8 and House No. 399 and total land admeasuring at 46551 sq. ft. equivalent to 5172.30 sq. yds. as fully described in sale deed registered under No. 404 of May, 1975 in registering Office, Nandod.

P. N. MITTAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range-II,
Ahmedabad.

Date : 6th January 1976.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
BANGALORE-27

Bangalore-27, the 29th December 1975

C. R. No. 62/4222/75-76/ACQ./B.—Whereas, 1, R. KRISHNAMOORTHY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House No. Old 7, and New No. 1, situated at Rose Lane, Richmond Town, Bangalore-25,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer,

at Shivajinagar, Bangalore Document No. 556/75-76 on 8-5-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

(1) Smt. Bibi Zahan Sultana, W/o late Mirza Mohammed Hussain, No. 48, Wellington Street, Richmond Town, Bangalore-25.

(Transferor)

(2) Smt. Rukmani Manay, W/o Sri N. V. Manay, Richmond Town, Bangalore-25.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Registered document No. 556/75-76 dated 8-5-1975.
House No. Old 7 and New No. 1, Rose Lane, Richmond Town, Bangalore-560025.

site Area :

North to South : 107'

East to West : 62' = 6634 Sq. ft.

Built up area as per form No. 37 G = 1792 sq. ft.

Boundaries :—

East : Mrs. G. R. Da Costa (M/s. Andrews Bakery old).

West : Rose Lane.

North : Ameegoser (Mrs. Edmonds House old) and

South : M/s. Rondo (Mr. Clarkes House Old).

R. KRISHNAMOORTHY,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,

Acquisition Range, Bangalore.

Date : 29-12-1975.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

BANGALORE-27

Bangalore-27, the 24th December 1975

C.R. No. 62/4227, 75-76/ACQ./B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Dry land measuring 4 acres in S. No. 70/3, Srigandhada Kaval, Dakhle Sunkadakatte, Yeshwantapura Hobli, situated at Bangalore North Taluk, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at Bangalore North Taluk, Doc. No. 729/75-76 on 15-5-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) (1) Shri B. Ramakrishnappa S/o late Byrappa
(2) Shri Sruam, S/o Shri B. Ramakrishnappa,
Both residing at —No. 3, I Cross, Hosahalli,
Bangalore-40

(Transferor)

- (2) Shri Masti Gowda alias Chikkanna,
S/o Chikka Boranna alias Baleshettyappa, No. 59,
Agrahara Dasarahalli, Magadi Road, Bangalore city.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter

THE SCHEDULE

Registered document No. 729/75-76 dated 15-5-1975
Dry land measuring 4 acres in S. No. 70/3, Srigandhada Kaval, Dakhle Sunkada Katte, Yeshwantapura Hobli, Bangalore North Taluk

Boundaries —

- East — Land belonging to the P.W.D. Tank Bund in the same S. No.
West — Land belonging to Sri Halinganna,
North — Land sold by Sri Kanyanna; and
South — Land belonging to Sri Ramakrishnappa

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date 24-12-1975

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
BANGALORE-27

Bangalore-27, the 24th December 1975

C.R. No. 62/4228/75-76/ACQ./B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Dry land measuring 5 acres in S. No. 70/3, Srigandhada Kaval, Dakhle Sunkadakatte, Yeshwantapura Hobli, situated at Bangalore North Taluk, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bangalore North Taluk Doc. No. 731/75-76 on 15-5-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction on evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of Section 269C, of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely:—

- (1) (1) Shri B. Ramakrishnappa S/o late Byrappa,
(2) Sri Sriram, S/o Sri B. Ramakrishnappa,
Both residing at :—No. 3, I Cross, Hosahalli,
Bangalore-40.
(Transferor)
- (2) Shri Ramakrishnappa S/o Chikka Boranna alias
Baleshetyappa, No. 59, Agrahara Dasarahalli, Magadi
Road, Bangalore-City.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered document No. 731/75-76 dated 15-5-1975]
Dry land measuring 5 acres in S. No. 70/3, Srigandhada Kaval, Dakhle Sunkada Katte, Yeshwantapura Hobli, Bangalore North Taluk.

Boundaries :—

- East : Land belonging to the P.W.D. Tank-bund in the same S. No. and beggar's colony.
West : Land belonging to Sri Iralingappa and Smt. Channa Suramma.
North : Land belonging to Sri Masti Gowda alias Chikkanna,
South : Beggar's colony.

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 24-12-1975.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 5th December 1975

Ref. No. Acq. File No. 270 J. Nos. KR. 8 & 10/75-76.—

Whereas, I, B. V. Subbarao,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Door No. 29-19-33 situated at Dornakal Mission Road, Suryaraopeta, Vijayawada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Vijayawada on 15-4-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) 1. Smt. Rayaprolu Dhanalaxmi, W/o late Siva Subramanyam
2. Sri R. Chandrasekhar.
3. Sri R. S. Subramanyam being minor represented by legal heir father Sri R. Chandrasekhar.
4. Sri R. Siva Subramanyam being minor represented by legal heir mother Smt. R. Dhanalaxmi.
5. Smt. B. R. Visala, W/o Satyanarayana, Bangalore.
6. Y. Vijayalaxmi, W/o Y. K. Sastry, Rourkela.
7. Y. Padmaja W/o Y. Malleswararao.
(Transferor)
- (2) Shri Kotamasu Harigopal,
S/o Satyanarayana,
Vijayawada.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per document Nos. 1094/75 and 1099/75 registered before the Sub-Registrar, Vijayawada during the fortnight ended 15th April, 1975.

B. V. SUBBARAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Date : 5-12-1975
Seal .

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 5th December 1975

Ref. Acq. File No. 271K.R. No. 17/VZA/75-76.—Whereas, I, B. V. Subbarao, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 26-1-28 situated at Sambamurthy Road, Behind Fswara Mahal, Ramnagar, Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on 30-4-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Shri Yellamraju Kalyana Sundaram,
Rajagopalachari St.,
Governorpeta,
Vijayawada.

(Transferor)

(2) Shri Mandaya Rattaiah,
Managing Partner Sri Padmanabha Printing works,
Vijayawada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per document No. 1396/75 registered before the S.R.O., Vijayawada during the fortnight ended 30-4-1975.

B. V. SUBBARAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Date : 5-12-1975
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Kuldeep Singh S/o Savan Singh,
Gokkela Road, Maharanipeta,
Visakhapatnam.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(h) Shri Raja Sagivenkata Narasimha Raju,
S/o Raja Sagi Seetharamaraju,
Tangedu Village,
Visakhapatnam Dt.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 5th December 1975

Ref. No. Acq. File No. 272 VSP No. 3/75-76.—Whereas,
I, B. V. Subbarao,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immo-
vable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. 15-6-5 situated at Saleswarasena Road, Maharanipeta,
Visakhapatnam-2
(and more fully described in the Schedule Annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering officer at
Visakhapatnam on 15-4-1975
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration and that the consi-
deration for such transfer as agreed to between the parties has
not been truly stated in the said instrument of transfer with
the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
on respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or said Act or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C. of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961
(43 of 1961) to the following persons, namely :—
28—416GI/75

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons, which-
ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used
herein as are defined in Chapter XXA of
the said Act, shall have the same meaning
as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per document No. 1598/75
registered before the S.R.O., Visakhapatnam during the fort-
night ended on 15-4-1975.

B. V. SUBBARAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 5-12-1975

Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinda, the 5th December 1975

Ref. No. Acq. File No. 273 VSP. No. 13/75-76.—
Whereas, I, B. V. Subbarao,
being the competent authority under section 269B of the
Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereafter referred to as the
'said Act'), have reason to believe that the immovable property
having a fair market
value exceeding 25,000/- and bearing No.
Door No. 14-1-38 Gokhale Road situated at Maharanipeta,
Visakhapatnam
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Visakhapatnam on 30-4-75

for an apparent consideration which is less than the fair market
value of the aforesaid property and I have reason to believe
that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Sri M. Sri Ramemurthy,
Late Sri Mocherla Ramachandra Rao, District and
Sessions Judge (Retd.) 41-III Main Road, Gandhinagar, Madras.
(Transferor)

(2) Smt. Datla Satyavatahamma and D. V. Suryanarayana Raju, Thangedu.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per documents no. 1782/75 of the SRO, Visakhapatnam registered during the fortnight ended 30-4-75.

B. V. SUBBARAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinda.

Date : 5-12-1975
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 5th December 1975

Ref. No. Acq. File No. 274 J. No. 12/WG/75-76 —
Whereas, I. B. V. Subbarao,
being the Competent Authority under Section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter
referred to as the 'said Act'), have reason to believe that
the immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
Door No. 19/29, 30 & 31, 7th ward, Kondurivarj Street,
Tanuku
(and more fully described
in the Schedule annexed hereto), has been transferred
under the Registraton Act, 1908 (16 of 1908) in the office of
the Registering Officer at
Tanuku on 31-5-75
for an apparent consideration which is
less than the fair market value of the aforesaid property and
I have reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent con-
sideration and that the consideration for such transfer as
agreed to between the parties has
not been truly stated in the said instrument of transfer with
the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the 'said Act,'
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or said Act or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961
(43 of 1961) to the following persons, namely :—

1. S/Shri Yerrapragada Suryanarayana,
2. Y. Brahmanandam,
3. Komaragiri Venkataramana,
4. Chilukuri Surya Prakasa Sastry.

(Transferor)

- (2) Manthena Venkatarama raju,
Partner Sri Ramanhaneya Fruit Co.,
Main Road.
Tanuku.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the date
of the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per document No. 1095/75 of
the S.R.O., Tanuku registered during the fortnight 31-5-1975.

B. V. SUBBARAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 5-12-1975
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 5th December 1975

Ref. No. Acq. File No. 277 J. No. 1(VSP)/12/75-76.—
Whereas, I, B. V. Subbarao,
being the Competent Authority under Section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'Said Act'),
have reason to believe that the immovable property,
having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 47-14-2 situated at Dwarakanagar Visakhapatnam-2
(and more fully described in the Schedule
annexed hereto), has been transferred
under the Registration Act 1908
(16 of 1908) in the Office of Registering Officer at
Visakhapatnam on 30-4-1975
for an apparent consideration
which is less than the fair market value of the aforesaid
property and I have reason to believe that the fair market
value of the property as aforesaid exceeds the apparent
consideration therefor by more than fifteen per cent of
such apparent consideration and that the consideration
for such transfer as agreed to between the parties has not
been truly stated in the said instrument of transfer with the
object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the 'said Act',
in respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or said Act or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961
(43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Chekuri Venkatakrishnamraju and
Satyanarayanaraju, S/o Late Ramalingaraju,
KATRENKONA VILLAGE
Amalapuram Talug, E.G. Dt.

(Transferor)

(2) Smt. Gogineni Kamalamba.
W/o Reddeyya, Mopairu, Tenali Taluk.
2. Kota Tataiah,
Gudavilli,
Repalli Taluk

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property,
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here-
in as are defined in Chapter XXA of
the 'said Act', shall have the same meaning
as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per document No. 1805/75
registered before the S.R.O., Visakhapatnam during the
fortnight ended on 30-4-1975.

B. V. SUBBARAO.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Kakinada

Date : 5-12-1975
Seal